केन्द्रीय विद्यालय संगठन, हैदराबाद संभाग

दक्षता आधारित प्रश्न

छात्र सहायक **अध्ययन** सामग्री

कक्षा –XII (सत्र 2023–2024)

हिन्दी (आधार) विषय कोड़ - 302

मुख्य संरक्षक
डॉ. डी. मंजुनाथ
उपायुक्त

संरक्षक

श्री **टी.प्रभुदास** , सहायक **आयुक्त**

श्रीमती जी. **कृष्णावेणी** , सहायक **आयुक्त**

श्री एम. राजेश्वर **राव**, सहायक **आयुक्त**

श्री रेजी **वी आर** नाथ, सहायक **आयुक्त**

संयोजक
वीरेन्द्र कुमार
प्राचार्य, के. वि. **कंचनबाग**, **हैदराबाद**

छात्र सहायक अध्ययन सामग्री निर्माण समिति :

1. डॉ. आनंद दीक्षित, स्नातकोत्तर.शिक्षक -हिंदी, के.वि.क्र. 1 गोलकोंडा
2. श्री दिनेश कुमार, स्नातकोत्तर.शिक्षक - हिंदी, के.वि.एन.एफ.सी. घट्‌केसर
3. श्री राम शंकर कुशवाह, स्नातकोत्तर.शिक्षक - हिंदी, के.वि.सी.आर.पी एफ. बारकस
4. श्री नवनीत कुमार, स्नातकोत्तर.शिक्षक - हिंदी, के.वि.क्र. 2 वायुसेना अकादमी, दुन्दिगल
5. श्री राजू प्रकाशराव डी., स्नातकोत्तर.शिक्षक - हिंदी, के.वि.बोवनपल्ली
6. डॉ. पी. के पाण्डेय, स्नातकोत्तर.शिक्षक - हिंदी, के.वि.वेंकटगिरी
7. श्री उमेश दोशी, स्नातकोत्तर.शिक्षक - हिंदी, के.वि.वायु सेना स्टेशन, हाकिमपेट
8. श्री रामचंद्र राव, स्नातकोत्तर.शिक्षक - हिंदी, के.वि.क्र. 2 श्री विजयनगर, विशाखापत्तनम
9. श्रीमती सुजाता चौकिया, स्नातकोत्तर.शिक्षक - हिंदी, के.वि.रा.पु.अकादमी, शिवरामपल्ली
10. श्री अनुराग सिंह, स्नातकोत्तर.शिक्षक - हिंदी, के.वि.पिकेट

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद

विद्यार्थी अध्ययन सामग्री

विषय : हिन्दी (कोड संख्या - 302)

अपठित गद्यांश

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए- (1×10=10)

1.उपवास और संयम ये आत्महत्या के साधन नहीं हैं। भोजन का असली स्वाद उसी को मिलता है जो कुछ दिन बिना खाए भी रह सकता है। "त्यक्तेन भुंजीथा:" जीवन का भोग त्याग के साथ करो,यह केवल परिमार्थ का ही उपदेश नहीं है, क्योंकि संयम से भोग करने पर जीवन में जो आनंद प्राप्त होता है,वह निरा भोगी बनकर भोगने से नहीं मिल पाता। जिंदगी की दो सूरतें हैं- एक तो यह कि आदमी बड़े से बड़े मकसद के लिए कोशिश करें, जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढ़ाए और अगर असफलताएं कदम-कदम पर जोश की रोशनी के साथ अंधियाली का जाल बुन रही हों,तब भी वह पीछे को पांव न हटाए। दूसरी सूरत यह है कि उन गरीब आत्माओं का हमजोली बन जाए जो न तो बहुत अधिक सुख पाती हैं और जिन्हें बहुत अधिक दुःख पाने का संयोग है, क्योंकि वे आत्माएं ऐसी गोधूलि में बसती हैं जहां न तो जीत हंसती है और न कभी हार के रोने की आवाज सुनाई पड़ती है। इस गोधूलि वाली दुनिया के लोग बंधे हुए घाट का पानी पीते हैं, वे जिंदगी के साथ जुआ नहीं खेल सकते और कौन कहता है कि पूरी जिंदगी को दांव पर लगा देने में कोई आनंद नहीं है? जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। जिंदगी से,अंत में,हम उतना ही पाते हैं जितनी की उसमें पूंजी लगाते हैं।यह पूंजी लगाना जिंदगी के संकटों का सामना करना है, उसके उस पन्ने को पलटकर पढ़ना है जिसके सभी अक्षर फूलों से ही नहीं कुछ अंगारों से भी लिखे गए हैं। जिंदगी का भेद कुछ उसे ही मालूम है जो यह जानकर चलता है कि जिंदगी कभी खत्म नहीं वाली चीज है। अरे! वो जीवन के साधकों किनारे की मरी सीटियों से ही तम्हें संतोष हो जाए तो समुद्र के अंतराल में छिपे हुए मौक्तिक कोष को कौन बाहर लाएगा। दुनिया में जितने भी मजे बिखेरे गये हैं उनमें तुम्हारा भी हिस्सा है। वह चीज भी तुम्हारी हो सकती है जिसे तुम अपनी पहुंच के परे मानकर लौटे जा रहे हो। कामना का अंचल छोटा मत करो, जिंदगी के फल को दोनों हाथों से दबाकर निचोड़ो,रस की निर्झरी तुम्हारे बहाए भी बह सकती है।

(I) "त्यक्तेन भुंजीथा:" कथन से लेखक के व्यक्तित्व की किस विशेषता का बोध होता है?

(क) परिवर्जन

(ख) परिवर्तन

(ग) परावर्तन

(घ) प्रत्यावर्तन

(II) मंजिल पर पहुंचने का सच्चा आनंद उसे मिलता है, जिसने उसे –

(क) आन की आन में प्राप्त कर लिया हो।

(ख) पाने के लिए भरसक प्रयास किया हो।

(ग) हाथ बढ़ाकर मुट्ठी में कर लिया हो।

(घ) सच्चाई से अपने सपनों में बसा लिया हो।

(III) "गोधूलि" शब्द का क्या तात्पर्य है?

(क) कामधेनु

(ख) गगनधूलि

(ग) संध्या बेला

(घ) गोद ली कन्या

(IV) "गोधूलि" वाली दुनिया के लोगों से क्या अभिप्राय है?

(क) क्षितिज में लालिमा फैलाने वाले।

(ख) गायों के खुरों से धूलि उड़ाने वाले।

(ग) जीवन को दांव पर लगाने वाले।

(घ) विवशता और अभाव में जीने वाले।

(V) जीवन में असफलताएं मिलने पर भी साहसी मनुष्य क्या करता है?

(क) बिना डरे आगे बढ़ता है क्योंकि डर के आगे जीत है।

(ख) पराजय से निपटने के लिए फूंक-फूंककर कदम आगे रखता है।

(ग) अपने मित्र बंधुओं से सलाह और मदद के विषय में विचार करता है।

(घ) असफलता का कारण ढूंढकर पुनः आगे बढ़ने का प्रयास करता है।

(VI) आप कैसे पहचानेंगे कि कोई व्यक्ति साहस की जिंदगी जी रहा है?

(क) जनमत की परवाह करने वाला।

(ख) निडर और निशंक जीवन जीने वाला।

(ग) शत्रु के छक्के छुड़ाने वाला।

(घ) भागीरथी प्रयास करने वाला।

(VII) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(१) प्रत्येक परिस्थिति का सामना करने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए।

(२) मनुष्य अपने दृढमंतव्य व कठिन परिश्रम से सर्वोच्च प्राप्ति की ओर अग्रसर रहता है।

(३) विपत्ति सदैव समर्थ के समक्ष ही आती है, जिससे वह पार उतर सके।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सा/कौन से सही है/हैं?

(क) केवल पहला

(ख) केवल दूसरा

(ग) पहला और दूसरा

(घ) दूसरा और तीसरा

(VIII) "जिंदगी को दांव पर लगा देने में कोई आनंद नहीं है? लेखक इससे सिद्ध करना चाहते हैं कि जिंदगी -

(क) रंगमंच के कलाकारों की तरह व्यतीत करनी चाहिए।

(ख) जिंदगी में सकारात्मक परिस्थितियां ही आनंद प्रदान करती हैं।

(ग) जिंदगी में प्रतिकूलता का अनुभव जीवनोपयोगी होता है।

(घ) जिंदगी केवल दु:खद स्थितियों का सामना करवाती है।

(IX) किन व्यक्तियों को सुख का स्वाद अधिक मिलता है?

(क) जो अत्यधिक सुख प्राप्त करते हैं।

(ख) जो सुख-दु:ख से दूर होते हैं।

(ग) जो पहले दु:ख झेलते हैं।

(घ) जो सुख को अन्य लोगों से साझा करते हैं।

(X) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन (A) "जिंदगी के फल को दोनों हाथों से दबाकर निचोड़ो, रस की निर्झरी तुम्हारे बहाए भी बह सकती है"।

कारण (®) जिंदगी रूपी फल का रसास्वादन करने के लिए दोनों हाथों से श्रम करना होगा।

(क) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन गलत है लेकिन कारण सही है। (ग) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(घ) कथन सही है लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या करता है।

2. सिनेमा जगत के अनेक नायक-नायिकाओं, गीतकारों, कहानीकारों और निर्देशकों को हिन्दी के माध्यम से पहचान मिली है। यही कारण है कि गैर हिन्दी भाषी कलाकार भी हिन्दी की ओर आए हैं। समय और समय के उभरते सच को पर्दे पर पूरी अर्थवत्ता में धारण करने वाले ये लोग दिखावे के लिए भले ही अंग्रेजी के आग्रही हों लेकिन बुनियादी और जमीनी हकीकत यही है कि इनकी पूंजी, इनकी प्रतिष्ठा की एकमात्र निमित्त हिन्दी ही है। लाखों-करोडों दिलों की धड़कनों पर राज करने वाले ये सितारे हिन्दी फिल्मों और भाषा के सबसे बड़े प्रतिनिधि हैं। छोटे पर्दे (टेलीविजन) ने आम जनता के घरों में अपना मुकाम बनाया तो लगा हिन्दी आम भारतीय की जीवन-शैली बन गई। हमारे आदि ग्रन्थों रामायण और महाभारत को जब हिन्दी में प्रस्तुत किया गया तो सड़कों का कोलाहल सन्नाटे में बदल गया। "बुनियाद" और "हम लोग" से शुरू हुआ सोप ओपेरा का दौर हो अथवा सास बहू धारावाहिकों का, ये सभी हिन्दी की रचनात्मकता और उर्वरता के प्रमाण हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति' से करोड़पति चाहे जो बने हों, परन्तु सदी के महानायक की हिन्दी हर दिल की धड़कन की भाषा बन गई। सुर और संगीत की प्रतियोगिता में कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र,असम, सिक्किम जैसे गैर हिन्दी भाषी क्षेत्रों के कलाकारों ने हिन्दी गीतों के माध्यम से पहचान बनाई। ज्ञान गंभीर "डिस्कवरी चैनल हो या बच्चों को रिझाने-लुभाने वाला "टाम एण्ड जेरी" इनके हिन्दी उच्चारण की मिठास और गुणवत्ता अद्भुत, प्रभावी और ग्राह्य है। धर्म-संस्कृति, कला-कौशल, ज्ञान--विज्ञान सभी कार्यात्मक हिन्दी-संप्रेषणीयता के प्रमाण हैं।

(I) कहानीकारों और निर्देशकों को पहचान किससे मिली है?

(क) कहानी से

(ख) कविता से

(ग) हिन्दी से

(घ) फिल्मों से

(II) किन कलाकारों ने हिन्दी की ओर रुख किया है?

(क) हिन्दी भाषी

(ख) गैर हिन्दी भाषी

(ग) देशी

(घ) विदेशी

(III) पर्दे पर अर्थवत्ता को धारण करते लोग दिखावे के लिए किस भाषा के आग्रही हैं?

(क) अंग्रेजी

(ख) मराठी

(ग) पंजाबी

(घ) हिन्दी

(IV) कब सड़कों पर कोलाहल सन्नाटे में बदल जाता था?

(क) विवाह समारोह के दौरान

(ख) रामायण और महाभारत की प्रस्तुतीकरण के दौरान

(ग) मेले के दौरान

(घ) खेलों के दौरान

(V) हिन्दी कब हर दिल की धड़कन बन भाषा बन गई?

(क) धारावाहिकों के कारण

(ख) संगीत के कारण

(ग) कौन बनेगा करोड़पति के कारण

(घ) हमलोग के कारण

(VI) गैर हिन्दी कलाकारों ने हिन्दी गीतों के माध्यम से कहां पहचान बनाई?

(क) सुर और संगीत की प्रतियोगिता में

(ख) टाम एण्ड जेरी में

(ग) शक्तिमान में

(घ) रामायण में

(VII) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(१) छोटे पर्दे से तात्पर्य टेलीविजन पर आने वाले कार्यक्रम से है।

(२) छोटे पर्दे से तात्पर्य नाटक से है।

(३) छोटे पर्दे से तात्पर्य लघु फिल्म से है।

उपरिलिखित कथनों में से कौन-सा/कौन से सही है/हैं ?

(क) केवल दूसरा

(ख) केवल पहला

(ग) केवल तीसरा

(घ) पहला और तीसरा

(VIII) बच्चों की लुभाने वाले—--------- की हिन्दी-उच्चारण और मिठास की गुणवत्ता प्रभावी और ग्राह्य है। रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए -

(क) टाम एण्ड जेरी

(ख) डिस्कवरी चैनल

(ग) रामायण और महाभारत

(घ) उपरोक्त सभी

(IX) "रचनात्मक" शब्द से मूल शब्द पहचानिए।

(क) रच

(ख) रचना

(ग) रना

(घ) चना

(X) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन - प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक भारतीय सिनेमा है।

कारण- सिनेमा में केवल रामायण दिखाई जाती है।

(क) कथन गलत है और कारण सही है।

(ख) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(ग) कथन सही है और कारण गलत है।

(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं।

3. एक युवा अपने जोश और ताकत से पूरी तरह ओत-प्रोत होता है। युवा पीढ़ी किसी भी समाज और देश की रीढ़ की हड्डी होती है। किसी भी देश के युवा ही उस देश का भविष्य तय करते हैं। इसकी बानगी हम स्वाधीनता संग्राम में देख चुके हैं। युवाओं की सबसे बड़ी खासियत है कि फौलादी जिगर,ढृढ इच्छाशक्ति, जोखिम लेने की क्षमता और कुछ नया करने की ललक रखते हैं। जब युवाओं की बात हो तो भला स्वामी विवेकानंद को कौन भूल सकता है, जो आज भी दुनिया के लाखों युवाओं के प्रेरणास्त्रोत हैं। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि युवा ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति हैं। युवाओं को अवसर दिए बिना कोई भी देश प्रगति नहीं कर सकता है। आज भारत को हम सबसे बड़ा युवा देश कह सकते हैं,वह इसलिए नहीं कि देश अभी अभी आजाद हुआ है बल्कि इसलिए क्योंकि इस समय भारत में युवावर्ग की जनसंख्या पूरे विश्व के देशों से अधिक है। युवा की विशेषता यही है कि उसके काम में तेजी,फुर्ती और एक नया जोश है, उसमें ऊर्जा की भरमार है। पर हां,यह नहीं कि युवाओं से बड़े, जिन्हें हम बुज़ुर्ग कह सकते हैं, उनकी जरूरत नहीं है, ऐसा कहना उचित नहीं है। बुजुर्ग भी देश के विकास के लिए उतने ही जरूरी हैं जितने युवा। इन दोनों के तालमेल से बड़े से बड़े कार्य को जल्द से जल्द और एक बेहतर तरीके से कर सकते हैं। बड़े बुजुर्ग अपने अनुभव और युवा अपनी ऊर्जा का उपयोग कर देश को नई उपलब्धि दिला सकते हैं। पर देश का दुर्भाग्य ही समझो कि युवा और बुजुर्गो के तालमेल में कमी आ रही है। हमारी संस्कृति जिसमें इन युवाओं को अपने बुजुर्गो से सीखना चाहिए वे उनसे दूर होते जा रहे हैं। आज का आधुनिकीकरण दोनों वर्गों में जैसे दीवार बन गया हो।

(I) भारत को युवा भारत क्यों कहा जाता है?

(क) स्वतंत्रता प्राप्ति को अभी बहुत समय न होने के कारण।

(ख) भारत की जनसंख्या विश्व में बहुत अधिक होने के कारण।

(ग) भारत में युवाओं की संख्या अधिक होने के कारण।

(घ) देश के विकास में युवाओं की सहभागिता अधिक होने के कारण।

(II) युवा पीढ़ी को किसी देश की रीढ़ की हड्डी क्यों कहा जाता है?

(क) उसे ढ़ढ़ता प्रदान करने की शक्ति के कारण।

(ख) उसका भविष्य निर्माता होने के कारण।

(ग) उसकी स्वतंत्रता की रक्षा करने के कारण।

(घ) जोश और ताकत से ओत-प्रोत होने के कारण।

(III) "युवाओं को अवसर देने से स्वामी विवेकानंद जी का क्या अभिप्राय था?

(क) देश की राजनीति में भागीदारी

(ख) देश के विकास में भागीदारी

(ग) देश की रक्षा में भागीदारी

(घ) देश की योजनाओं में भागीदारी

(IV) देश के विकास के लिए युवाओं और बुजुर्गो के बीच तालमेल क्यों जरूरी है?

(क) युवाओं का जोश और बुजुर्गो का संयम देश को नई उपलब्धि दिला सकता है।

(ख) युवाओं की ऊर्जा और बुजुर्गो का अनुभव देश को नई उपलब्धि दिलवा सकता है।

(ग) युवाओं की गति और बुजुर्गो का प्रबंधन देश को नई उपलब्धि दिलवा सकता है।

(घ) युवाओं की फुर्ती और बुजुर्गो का धैर्य देश को नई उपलब्धि दिलवा सकता है।

(V) युवाओं और बुजुर्गो के बीच बढ़ती खाई का क्या कारण है?

(क) तकनीक का विकास

(ख) व्यस्त जीवन शैली

(ग) पाश्चात्य संस्कृति

(घ) आधुनिकीकरण

(VI) विवेकानंद जी की दृष्टि में युवाओं के लिए शर्म की बात क्या है?

(क) बड़े बुजुर्गो की उपेक्षा

(ख) युवा पीढ़ी की संवेदनहीनता

(ग) वृद्धाश्रमों का बनना बनाना

(घ) युवाओं का गैर जिम्मेदार रवैया

(VII) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(१) देश की राजनीति बूढ़ी हो गई है।

(२) लोगों की अपेक्षाएं अधूरी रह गई हैं।

(३) देश के युवाओं से राजनीति में प्रवेश का आग्रह करने का मुख्य उद्देश्य देश की रक्षा करना है।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सा/कौन से सही है/हैं?

(क) पहला और दूसरा

(ख) केवल दूसरा

(ग) केवल तीसरा

(घ) केवल पहला

(VIII) "कमल तोड़ना है तो कीचड़ में उतरना ही होगा" का क्या आशय है?

(क) गंदगी को दूर करना है तो गंदगी में जाना ही होगा।

(ख) कमल को पाना है तो गंदगी में पांव रखना ही होगा।

(ग) कुछ अच्छा पाने के लिए गंदगी में पैर रखना ही पड़ता है।

(घ) देश में बदलाव लाने के लिए राजनीति का हिस्सा बनना पड़ता है।

(IX) एक स्वस्थ समाज की संरचना के लिए क्या आवश्यक है?

(क) अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना।

(ख) ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना।

(ग) युवाओं और बुजुर्गो की सहभागिता।

(घ) आधुनिक तकनीक का प्रयोग।

(X) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन - प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक युवा पीढ़ी और देश का भविष्य है।

कारण- क्योंकि युवा पीढ़ी केवल सत्य पर ही चलती है।

(क) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।

(ख) कथन सही है और कारण गलत है।

(ग) कथन गलत है और कारण सही है।

(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

4. इस संसार को कर्मक्षेत्र कहा गया है। सारी सृष्टि कर्मरत है। छोटे से छोटा प्राणी भी कर्म का शाश्वत संदेश दे रहा है। प्रकृति के साम्राज्य में कहीं भी अकर्मण्यता के दर्शन नहीं हो रहे हैं। सूर्य, चंद्र, पृथ्वी,ग्रह-नक्षत्रादि निरंतर गतिशील हैं। नियमानुकूल सूर्योदय होता है और सूर्यास्त तक किरणें प्रकाश बिखेरती रहती हैं। रात्रिकालीन आकाश में तारावली तथा नक्षत्रावली का सौंदर्य विहंस उठता है। क्रमशः बढ़ती-घटती चंद्रकला के दर्शन होते हैं। इसी तरह विभिन्न ऋतुओं का चक्र अपनी धुरी पर चलता रहता है। नदियां अविरल गति से बहती रहती हैं। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी,सबके जीवन में सक्रियता है। वस्तुत: कर्म से परे जीवन का कोई उद्देश्य नहीं है। मनुष्य का जन्म पाकर हाथ-पैर तो हिलाने ही होंगे। हमारे प्राचीन ऋषियों ने शतायु होने की किंतु कर्म करते हुए जीने की इच्छा प्रकट की थी। इतिहास साक्षी है कि कितने ही भारतीय युवकों ने कर्मशक्ति के बल पर चंद्रगुप्त की भांति शक्तिशाली साम्राज्यों की स्थापना की। आधुनिक युग में भारत जैसे विशाल जनतंत्र की स्थापना करने वाले गांधी, नेहरू, पटेल आदि कर्मपथ पर दृढ़ता के ही प्रतिरूप थे। दूसरी ओर इतिहास उन सम्राटों को भी रेखांकित करता है जिनकी अकर्मण्यता के कारण महान साम्राज्य नष्ट हो गये। वेद, उपनिषद, कुरान, बाइबिल, आदि सारे धर्म-ग्रन्थ कर्मठ मनीषियों की ही उपलब्धियां हैं। आधुनिक ज्ञान-विज्ञान की गौरव-गरिमा उन वैज्ञानिकों की देन है जिन्होंने साधना की बलिबेदी पर अपनी हर सांस समर्पित कर दी। विज्ञान कर्म का साक्षात् प्रतीक है। सुख-समृद्धि के शिखर पर आसीन प्रत्येक जाति कर्मशक्ति का परिचय देती है।

(I) किसके साम्राज्य में कहीं भी अकर्मण्यता के दर्शन नहीं होते?

(क) सम्राट के

(ख) प्रकृति के

(ग) ईश्वर के

(घ) लोगों के

(II) सूर्य, चंद्रमा आदि कैसे ग्रह हैं?

(क) ठहरे हुए

(ख) पथभ्रष्ट

(ग) गतिशील

(घ) रात्रिकालीन

(III) किसका चक्र चलता रहता है?

(क) ऋतुओं का

(ख) सूर्य का

(ग) धर्म का

(घ) समाज का

(IV) हमारे ऋषियों ने कैसे होकर जीने की इच्छा प्रकट की है?

(क) दढनिश्चयी

(ख) शतायु

(ग) कर्मवीर

(घ) शक्तिहीन

(V) भारतीय युवकों ने कर्मशक्ति के बल पर किसकी भांति साम्राज्यों की स्थापना की?

(क) कृष्णदेव राय

(ख) अकबर

(ग) महामना

(घ) चंद्रगुप्त मौर्य

(VI) गांधी, नेहरू किसके प्रतिरूप थे?

(क) कर्मपथ के

(ख) भाग्य के

(ग) आत्मा के

(घ) परमात्मा के

(VII) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(१) कर्म का साक्षात् रूप ज्ञान है।

(२) कर्म का साक्षात् रूप विज्ञान है।

(३) कर्म का साक्षात् रूप इतिहास है।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सा/कौन से हीसही है/हैं?

(क) पहला और दूसरा

(ख) केवल दूसरा

(ग) केवल पहला

(घ) केवल तीसरा

(VIII) वेद, उपनिषद, कुरान आदि किसकी उपलब्धियां हैं?

(क) विद्वानों की

(ख) मनीषियों की

(ग) वैज्ञानिकों की

(घ) गुरुओं की

(IX) गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए-

(क) भारतीय युवकों का कार्य

(ख) कर्म का महत्व

(ग) धर्म का गुणगान

(घ) उपरोक्त सभी

(X) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन- कर्म शब्द के पर्यायवाची शब्द काम, कार्य और काज हैं।

कारण- कर्म सदैव निष्क्रिय होता है।

(क) कथन और कारण दोनों सही हैं।

(ख) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(ग) कथन गलत है और कारण सही है।

(घ) कथन सही है और कारण गलत है।

5. गत दशकों में पश्चिम का अनुकरण करके विज्ञान और शिल्पीय विकास की उपलब्धियों से लाभ उठा कर हमने अपने देश को आगे बढ़ाने का जी-जान से प्रयत्न किया है, परंतु दूसरी ओर हमारी असली बुनियाद को धक्का लग रहा है - इस बात की ओर हमारा ध्यान जाना चाहिए। मानव-जीवन का आधार कोरी दाल-रोटी नहीं, मानसिक सुख-शांति है। "सादगी और उच्च विचार' के आदर्श की जगह "खाओ-पियो-मौज करो" का आकर्षण बढ़ता जा रहा है। स्वतंत्रता, उच्छृंखलता की पर्याय बनती जा रही है, घूसखोरी, नशेबाजी, भोग-लिप्सा बढ़ती जा रही है, कुछ अराजकता जैसी स्थिति बनती जा रही है। उदार शिक्षण से, सामाजिक संपर्क की सुगमता से, जहां भावनाएं उदार और व्यापक बनती जा रही हैं वहां व्यक्तिगत जीवन में हम अपने आदर्शों से गिरते नज़र आ रहे हैं। बुद्धिवाद हमें संवेदनहीन बना रहा है, मानवता से पशुता की ओर धकेल रहा है। हम विज्ञान का सहारा लेकर मानवीय मूल्यों का अवमूल्यन करते दिखाई पड़ रहे हैं। विज्ञान और अध्यात्म वास्तव में एक ही सिक्के के दो पहलू हैं- दोनों सत्यशोधक जगत् हैं। एक भौतिक व्यक्त जगत् में शोध करता है,सत्य का पता लगाता है दूसरा आत्मिक अव्यक्त जगत् हैं। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, परंतु हम इनके टुकड़े-टुकडे करके स्वयं टुकड़े-टुकडे हुए जा रहे हैं। हमारे बड़े बुजुर्गो ने स्वार्थ और परमार्थ दोनों की सिद्धि का आदर्श हमारे सामने रखकर जीवन में एक संतुलन बनाने का प्रयास किया था। यह संतुलन राष्ट्रीय या भावनात्मक एकता का भी पर्याय है। विभिन्न प्रांतों, भाषाओं,स्वार्थों में संतुलन बैठाना ही हमारा लक्ष्य और कर्तव्य होना चाहिए। इस संतुलन से ही सामाजिक, सार्वजनिक और राजनैतिक जीवन में नैतिकता और सदाचार की प्रतिष्ठा होगी।

(I) भारतीयों ने पिछले दशकों में पश्चिम का अनुकरण करके किस प्रकार की उपलब्धियों को प्राप्त किया है?

(क) वेदों और उपनिषदों

(ख) ज्ञान--विज्ञान

(ग) विज्ञान और शिल्पीय

(घ) कला और संस्कृति

(II) मानव-जीवन का असली सुख किसमें है?

(क) मानसिक सुख-शांति

(ख) दैहिक आकर्षण

(ग) अकर्मण्यता

(घ) अहं संतुष्टि

(III) "लोगों में—----- का आकर्षण बढ़ता जा रहा है।" रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए-

(क) खाओ-पियो-मौज करो

(ख) जिओ और जीने दो

(ग) ओम् शांति

(घ) सर्वजनहिताय

(IV) भोग-लिप्सा के कारण कैसी स्थिति बनती है?

(क) अराजकता

(ख) पराजय

(ग) विजय

(घ) सुगमता

(V) हमारे संवेदनहीन होने का कारण क्या है?

(क) समाजवाद

(ख) सांसारिक मतभेद

(ग) बुद्धिवाद

(घ) प्रगतिवाद

(VI) विज्ञान के सहारे किसका अवमूल्यन हो रहा है?

(क) आत्मा का

(ख) हृदय का

(ग) प्रेरणा का

(घ) मानवीय मूल्यों का

(VII) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(१) बड़ों ने नि:स्वार्थ को आदर्श बनाया।

(२) बड़ों ने परमार्थ और नि:स्वार्थ को आदर्श बनाया।

(३) बड़ों ने लालच को आदर्श बनाया।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सा/कौन से सही है/हैं?

(क) पहला और तीसरा

(ख) केवल तीसरा

(ग) केवल पहला

(घ) केवल दूसरा

(VIII) उदार शिक्षण और संपर्क की सुगमता से क्या परिणाम दिखाई पड़ रहे हैं?

(क) भावनाओं का अनोखा होना

(ख) भावनाओं का उदार और व्यापक होना

(ग) निराश्रित जीवन जीना

(घ) इनमें से कोई नहीं

(IX) "मानसिक" शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय पहचानिए -

(क) मान+ ईक

(ख) मनस + इक

(ग) मानसि + क

(घ) मान + सिक

(X) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए, उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन- गद्यांश का उचित शीर्षक विज्ञान और अध्यात्म होगा।

कारण- गद्यांश का उचित शीर्षक बुद्धिवाद है।

(क) कथन सही है और कारण गलत है।

(ख) कथन गलत है और कारण सही है।

(ग) कथन और कारण दोनों ही सही हैं।

(घ) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।

अपठित गद्यांश (उत्तरमाला)

1.

(I) (क) परिवर्जन

(II) (ख) पाने के लिए भरसक प्रयास किया हो

(III) (ग) संध्यावेला

(IV) (घ) विवशता और अभाव में जीने वाले ।

(V) (घ) असफलता का कारण ढूंढकर पुनः आगे बढ़ने का प्रयास करता है।

(VI) (ख) निडर और निशंक जीने वाला।

(VII) (घ) पहला और दूसरा।

(VIII) (ग) जिंदगी में प्रतिकूलता का अनुभव जीवनोपयोगी होता है।

(IX) (ग) जो पहले दु:ख झेलते हैं।

(X) (क) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

2.

(I) (ग) हिन्दी से

(II) (ख) गैर हिन्दी भाषी

(III) (क) अंग्रेजी

(IV) (ख) रामायण और महाभारत के प्रस्तुतीकरण के दौरान।

(V) (ग) कौन बनेगा करोड़पति।

(VI) (क) सुर और संगीत की प्रतियोगिता में।

(VII) (ख) केवल पहला

(VIII) (क) टाम एण्ड जेरी

(IX) (ख) रचना

(X) (ग) कथन सही है और कारण गलत है

3.

(I) (ग) भारत में युवाओं की संख्या अधिक होने के कारण।

(II) (ख) उसका भविष्य निर्माता होने के कारण।

(III) (ख) देश के विकास में भागीदारी।

(IV) (ख) युवाओं की ऊर्जा और बुजुर्गों का अनुभव देश को नई उपलब्धि दिलवा सकता है।

(V) (घ) आधुनिकीकरण

(VI) (ग) वृद्धाश्रमों का बनना बनाना।

(VII) (ग) केवल तीसरा

(VIII) (घ) देश में बदलाव लाने के लिए राजनीति का हिस्सा बनना पड़ता है।

(IX) (ख) ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना।

(X) (ख) कथन सही है और कारण गलत है।

4.

(I) (ख) प्रकृति के

(II) (ग) गतिशील

(III) (क) ऋतुओं का

(IV) (ग) कर्मवीर

(V) (घ) चंद्रगुप्त मौर्य

(VI) (क) कर्मपथ

(VII) (ख) केवल दूसरा

(VIII) (ख) मनीषियों

(IX) (ख) कर्म का महत्व

(X) (घ) कथन सही है और कारण गलत है।

5.

(I) (ग) विज्ञान और शिल्पीय

(II) (क) मानसिक सुख-शांति में

(III) (क) खाओ-पियो-मौज करो

(IV) (क) अराजकता

(V) (ग) बुद्धिवाद

(VI) (घ) मानवीय मूल्यों का

(VII) (घ) केवल दूसरा

(VIII) (ख) भावनाओं का उदार और व्यापक होना

(IX) (ख) मनस+इक

(X) (क) कथन सही है और कारण गलत है।

<u>अपठित गद्यांश</u>

प्रश्न संख्या 1 - निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प का चयन करें ।

समय वह संपत्ति है जो प्रत्येक मनुष्य को ईश्वर की ओर से मिली है जो लोग इस धन को संचित निधि से बरतते हैं वे शारीरिक सुख तथा आत्मिक आनंद प्राप्त करते हैं इसी समय की संपत्ति के सदुपयोग से एक जंगली मनुष्य सभ्य और देवता स्वरूप बन जाता है इसी के द्वारा मूर्ख - विद्वान निर्धन - धनवान अज्ञ - विज्ञ और अनुभवी बन सकता है संतोष हर्ष तथा सुख मनुष्य को प्राप्त नहीं होता जब तक वह उचित रीति से समय का सदुपयोग नहीं करते समय निसंदेह एक रत्न राशि है जो कोई उसे अपरिमित और अगणित रूप से अंधाधुंध व्यय करता है वह दिन प्रतिदिन एक इंजन रिक्त हस्त और दरिद्र होता जाता है वह आजीवन खेल और भाग्य को कोसता रहता है मृत्यु भी उसे इस दुख और जंजाल से छुड़ा नहीं सकती । उसके लिए मृत्यु का आगमन मानो अपराधी के लिए गिरफ्तारी का वारंट है सच तो यह है कि समय की बर्बादी एक तरह से आत्महत्या है अंतर केवल इतना ही है कि आत्मघाती सर्वदा के लिए जीवन जंजाल से छुड़ा देता है और समय के दुरुपयोग से एक विनिर्दिष्ट काल तक जीवन मृत्यु की दशा में बना रहता है ऐसे ही मिनट घंटे और दिन प्रमाद और अकर्मण्यता में बिकते जाते हैं यदि मनुष्य विचार करें गणना करें तो उसकी संख्या महीनों तथा वर्षों में पहुंचती है यदि उससे कहा जाता है कि तेरी आयु के बरस घटा दिए पांच 10 वर्ष गए तो निसंदेह उसके हृदय पर भारी आघात पहुंचता है परंतु वह स्वयं निश्चेष्ट बैठे हुए अपने अमूल्य जीवन को नष्ट कर रहा है और क्षय और विनाश पर खुद भी शक नहीं करता संसार में सबको दीर्घायु प्राप्त नहीं होती है परंतु सबसे बड़ी हानि जो समय की दुरुपयोग करता है । पुरुषार्थ हीन और निरीह पुरुष के विचार अपवित्र और प्रदूषित हो जाते हैं वास्तव में बात तो यह है कि मनुष्य कुछ ना कुछ करने के लिए ही बनाया गया है जब चित्त और मन लाभदायक कर्म में रक्त नहीं होते तब उनका झुकाव बुराई और पाप की ओर अवश्य हो जाता है इस हेतु यदि मनुष्य सचमुच ही मनुष्य बनना चाहता है तो सब कर्मों से बढ़कर श्रेष्ठ कार्य उसके लिए यह है कि उसे एक पल भी व्यर्थ न गंवाएं। प्रत्येक कार्य के लिए पृथक समय और प्रत्येक समय के लिए पृथक कार्य निश्चित करें।

1 - ईश्वर ने मनुष्य को क्या संपत्ति दी है

क - भौतिक संपत्ति   ख - समय की संपत्ति।   ग - सोने चांदी की संपत्ति   घ - धन दौलत की संपत्ति

2 - आत्मिक आनंद कौन लोग प्राप्त करते हैं

क - जो लोग बहुत परिश्रम करते हैं   ख- जो लोग बहुत धन कमाते हैं

ग - जो लोग समय की संपत्ति को संयमित रूप से खर्च करते हैं   घ - जो लोग ईश्वर का भजन करते हैं ।

3 - मृत्यु किस को इस जंजाल से नहीं छोड़ सकती ?

क - जो लोग बहुत धन व्यय करते हैं   ख - जो लोग परिश्रम नहीं करते हैं

ग- जो लोग समय को व्यर्थ करते हैं   घ - जो लोग धन की चिंता करते हैं ।

4 - लेखक ने आत्महत्या किसे कहा है?

क - समय का महत्व ना समझने वाले को   ख - धन का महत्व समझने वाले को

ग - शरीर का महत्व ना समझने वाले को   घ - विद्या का महत्व ना समझने वाले को

5 - लेखक मनुष्य को क्या करने की सलाह देता है?

क - परिश्रम करने के लिए ख - धन अर्जित करने के लिए

ग - प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक समय और प्रत्येक समय के प्रत्येक कार्य निश्चित करें घ - दिन-रात परिश्रम करने के लिए।

6 - लेखक ने दरिद्र किसे कहा है ?

क - समय की संपत्ति को अंधाधुंध खर्च करने वाले को

ख - माता पिता की संपत्ति को अंधाधुंध खर्च करने वाले को

ग- अपनी संपत्ति को अंधाधुंध खर्च करने वाले को

घ- इनमें से कोई नहीं

7 - इस गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है

क - समय की संपत्ति ख - ईश्वर का महत्व। ग- अच्छा मनुष्य घ - गिरफ्तारी का वारंट

8 - सदुपयोग शब्द का विलोम शब्द है ?

क - सही उपयोग ख - अनुप्रयोग ग - दुरुपयोग घ - इनमें से कोई नहीं

9 - अकर्मण्यता शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय है ?

क- अ तथा ता ख- अ तथा याता ग- अक तथा आ घ - इनमें से कोई नहीं

10 - अमूल्य शब्द का अर्थ है ?

क - जिसका कोई मूल्य ना हो ख- जिसका मूल्य आंका ना जा सके ग - जिसका थोड़ा मूल्य हो घ - इनमें से कोई नहीं

उत्तर:- 1 ख 2 ग 3 ग 4 क 5 ग 6 क 7क 8 ग 9. क. 10 ख

प्रश्न 2 - निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प का चयन करें ?

हमारे यहां सारे देश में भारतीयता की भावना एक राष्ट्रव्यापी स्तर पर सदैव विद्यमान रही है यह भावना किसी धर्म , राजनीति या भूगोल से संबद्ध ना होकर मूलतः संस्कृति से संबंध थी यदि भारतीयता के मूल स्रोत की बात की जाए तो हम कहेंगे कि यहां सदा आदर्श के प्रति निष्ठा रही है यहां समय-समय पर कुछ महापुरुष हुए हैं जिन्होंने देश के सामने कुछ आदर्श रखे उन्होंने उन आदर्शों को अपने जीवन में अपनाया और वह सब के आदर्श बन गए । एक साझे आदर्श की इस भावना ने सारे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोए रखा है । अब हम चाहे इसे भारतीयता कहें या राष्ट्रीयता कहें भारतीय आदर्शों ने सदा से यही शिक्षा दी है कि शक्ति का उपयोग दूसरों पर अत्याचार करने में नहीं बल्कि पीड़ितों की रक्षा करने में करना चाहिए । हमारी निष्ठा मानव मूल्यों के प्रति रही है गौतम के दर्शन ने भोग पर त्याग की विजय पर बल दिया नानक, तुलसी ,कबीर ने इन्हीं आदर्शों का सम्मान किया। रामकृष्ण, विवेकानंद एवं गांधी भी इन्हीं आदर्शों के प्रचारक थे। यह कहना भ्रामक होगा कि हमारी संस्कृति हमें कमजोर बनना सिखाती है वह तो कहती है कि शक्तिशाली बनो पर शक्ति का दुरुपयोग ना करो इसका उपयोग न्याय की रक्षा के लिए करो । देश विदेश में गांधीजी को जितना नाम मिला उसका कारण यही था कि उन्हें भारतीय मूल्यों और आदर्शों का प्रतीक माना जाता था उन्होंने देश में इन्हीं मानव मूल्यों को जगाया और आत्मविश्वास की भावना का संचार किया आदर्श के प्रति निष्ठा या प्रतिबद्धता ही किसी देश को एक सूत्र में पिरोती है आज की समस्याओं का समाधान हमारे आदर्श मानवीय मूल्यों में ही निहित है देश में इस समय जो विघटनकारी प्रवृत्तियां उभरती दिखाई दे रही हैं उनका कारण भारतीय आदर्शों एवं मूल्यों की जानकारी का अभाव ही नहीं है बल्कि अब हम में उदारता नहीं रही है। हमारा दृष्टिकोण संकुचित हो गया है इस संकुचित मनोवृत्ति के कारण हम कमजोर होने लगे हैं हम भूल गए हैं कि समाज की आधारशिला जितनी व्यापक होगी उसके ऊपर बनने वाली इमारत भी उतनी ही ऊंची होगी।

1 - भारतीयता के मूल स्रोत में कौन सी भावना है ?

क - शक्ति प्रदर्शन ख - अधिकार करना

ग - आदर्श के प्रति निष्ठा घ - सभी सही है

2 - गौतम नानक कबीर तुलसी विवेकानंद इत्यादि का आदर्श क्या था ?

क -भोग पर त्याग की विजय। ख - धार्मिक प्रचार ग - धन का संग्रह करना घ - शत्रु का विनाश करना

3 - आपके अनुसार राष्ट्रीयता क्या है ?

क -राष्ट्र पर शासन करना। ख - राष्ट्र की संपत्ति पर अधिकार करना

ग - राष्ट्र के प्रति सम्मान और निष्ठा। घ - इनमें से कोई नहीं

4 - किसी देश को एक सूत्र में बांधने के लिए इनमें से क्या आवश्यक नहीं है ?

क - साझे आदर्श की भावना ख - मानवीय मूल्यों की रक्षा। ग- आदर्श के प्रति निष्ठा। घ - अपने धर्म का प्रचार

5 - इनमें से क्या भारतीय आदर्श नहीं हो सकता ?

क - पीड़ितों की रक्षा करना ख - मानव मूल्यों के प्रति निष्ठा .

ग - शक्ति से सब को अपने वश में करना घ - न्याय की रक्षा करना

6 - निम्नलिखित कथन तथा कारण संबंधी वाक्यों में से सही विकल्प चुनिए -

(कथन) - देश-विदेश में गांधीजी को काफी नाम मिला। (कारण) - उनका विश्वास भारतीय मूल्यों और आदर्शों पर नहीं था।

क - कथन सही है और कारण गलत।

ख - कथन गलत है और कारण सही।

ग - कथन एवं कारण दोनों सही हैं।

घ - कथन एवं कारण दोनों गलत हैं।

7 - (कथन) - अब हमारे अंदर उदारता नहीं रही है।

(कारण) - हमारा दृष्टिकोण संकुचित हो गया है।

क - कथन सही है और कारण गलत।

ख- कथन गलत है और कारण सही ।

ग - कथन एवं कारण दोनों सही हैं।

घ - कथन एवं कारण दोनों गलत है।

8 - संकुचित शब्द का विपरीत शब्द होगा ?

क - अंकुचित ख- व्यापक। ग- प्रसारित 4 - कुंचित

9 - इस अवतरण में निहित शिक्षा क्या है ?

क - राष्ट्रीयता का पालन ख - आत्मविश्वासी बनना ग - शक्ति का सदुपयोग करना घ - सभी सही हैं।

10 - इस गद्यांश का शीर्षक क्या हो सकता है ?

क - हमारी कमजोरी ख - भारतीय संस्कृति और आदर्श ग - हमारा दृष्टिकोण। घ - भारत के महापुरुष

उत्तर:- 1 ग 2.क 3. ग 4.घ 5 ग 6 क. 7. ग 8 ख 9 घ 10. ख

प्रश्न 3 - निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प का चयन करें ।

जिस प्रकार हमारे शरीर के लिए भोजन आवश्यक है उसी प्रकार हमारे मस्तिष्क को भी भोजन की आवश्यकता है मस्तिष्क का सर्वोत्तम भोजन पुस्तकें हैं इनका अपना ही आनंद है जो किसी अन्य वस्तु में नहीं मिल सकता । अध्ययन करते समय हम जीवन की चिंताओं और दुखों को भूल जाते हैं अध्ययन कई प्रकार का होता है पहला प्रकार हल्का-फुल्का अध्ययन अर्थात समाचार पत्रों पत्र-पत्रिकाओं आदि की पढ़ाई करना होता है जिनसे वर्तमान की घटनाओं के विषय में विस्तृत ज्ञान प्राप्त होता है इनके द्वारा हमें विश्व के प्रत्येक भाग की घटनाओं घटनाओं और क्रियाकलापों के विषय में सब कुछ पता चलता रहता है । आज के युग में हम इस प्रकार के हल्के-फुल्के अध्ययन से अलग नहीं रह सकते बिना समाचार पत्रों के हम कुएं के मेंढक के समान हो जाएंगे इसलिए ऐसे अध्ययन जो आनंदमय हैं और शिक्षाप्रद भी । इनको अनदेखा नहीं किया जा सकता इसके बाद यात्रा और साहसिक कार्यों से संबंधित पुस्तकें आती हैं सामान्यतया व्यक्ति दैनिक जीवन की कठोर वास्तविकताओं से दूर भागना चाहता है किंतु साहसिक कार्य करने की भावना मानव के रक्त में होती है यात्रा और साहसिक कार्यों का वर्णन करने वाली पुस्तकें हमारे मन में भी साहस और निर्भीकता की भावना पैदा करते हैं । खाली समय को आनंद से बिताने का सबसे अच्छा साधन है उपन्यास । शाम के समय अथवा गाड़ी में यात्रा करते समय उपन्यास पढ़ने से बेहतर कोई मनोरंजन नहीं है कुछ समय के लिए पाठक अपने व्यक्तित्व और सत्ता को ही भूल जाता है वह उपन्यास के किसी चरित्र के साथ एकाकार हो जाता है इससे उसे अपार सुख मिलता है। इनके अतिरिक्त गंभीर अध्ययन की पुस्तकें होती हैं जिनमें साहित्य ,इतिहास, दर्शन आदि की पुस्तकें आती हैं जो सभी काल में पढ़ी जाने वाली योग्य कृतियां होते हैं । ऐसी पुस्तकें गंभीर और विचारशील व्यक्तियों के लिए होती हैं साहित्य का विद्यार्थी सभी युगों के सर्वोत्कृष्ट विद्वानों के संपर्क में आता है और अपने चिंतन के लिए उपयोगी आहार प्राप्त करता है वे उसे जीवन के आध्यात्मिक मूल्यों की पूरी जानकारी देते हैं। इस प्रकार वह अपने जीवन को श्रेष्ठ और महान बना सकता है उसका दृष्टिकोण व्यापक हो जाता है और मानव के प्रति उसकी सहानुभूति बढ़ जाती है। बेकन ने कहा था कि कुछ पुस्तकों का केवल स्वाद रखना चाहिए कुछ को निगल जाना चाहिए और कुछ को अच्छी प्रकार से चबाकर पचा लेना चाहिए किसी पुस्तक को पाठ्य पुस्तक के रूप में पढ़ने से अनिवार्यता की भावना आ जाती है यह अनिवार्यता उपयोगी सिद्ध हो सकती है परंतु उससे रुचि का हनन हो जाता है । पुस्तकों का वास्तविक प्रेमी तो हर समय इनकी संगति में आनंद का अनुभव करता है पढ़ने की आदत मनुष्य के सभ्य होने का चिन्ह है यह मनोरंजन का अच्छा साधन है और खाली समय को व्यक्तितत्व करने का सबसे अच्छा उपाय है पुस्तकों का खजाना किसी भी राजा के खजाने से बड़ा होता है पुस्तकें कला साहित्य विज्ञान और ज्ञान रूपी सोने की खाने हैं।

1 - साहित्य इतिहास दर्शन आदि से संबंधित पुस्तकें किस श्रेणी में आती हैं ?

क - सामान्य।   ख - गंभीर   ग - साहसिक   घ - मनोरंजक

2 - व्यक्ति के मन में साहस और निर्भीकता की भावना कब पैदा होती है ?

क- यात्राएं करके   ख - तर्क वितर्क करके   ग- साहसिक पुस्तकें पढ़कर   घ - गंभीर चिंतन करके

3 - लेखक के अनुसार खाली समय को आनंद के साथ बिताने का सबसे अच्छा साधन क्या है ?

क - विद्वानों के विचार सुनना।   ख - यात्राएं करना   ग - उपन्यास पढ़ना   घ - समाचार पत्र पढ़ना

4 - गंभीर अध्ययन की पुस्तकें किस का मनोरंजन करती हैं ?

क - सामान्य जन का   ख -   विचारशील व्यक्तियों का   ग- साहित्य के विद्यार्थियों का   घ - उच्च वर्ग के व्यक्तियों का

5 - निम्नलिखित कथन तथा कारण संबंधी प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए

(कथन) पुस्तकों का खजाना किसी राजा के खजाने से बड़ा होता है

(कारण) कला साहित्य और विज्ञान मैं छिपा ज्ञान सोने चांदी से अधिक कीमती नहीं है।

क - कथन सही है और कारण गलत।

ख - कथन गलत है और कारण सही है ।

ग - कथन और कारण दोनों गलत है।

घ - कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या करता है।

6 -(कथन) बिना समाचार पत्रों के हम कुएं के मेंढक के समान हो जाएंगे

(कारण) दैनिक घटनाओं की जानकारी हमारे मानसिक विकास के लिए आवश्यक है।

क- कथन सही है एवं कारण गलत ।

ख - कथन तरफ है एवं कारण सही है।

ग - कथन एवं कारण दोनों सही हैं ।

घ - कथन एवं कारण दोनों गलत है।

7 - पुस्तकों का प्रेमी किसकी संगति में हर समय आनंद का अनुभव करता है ?

क - विद्वानों की ख - बुद्धिजीवियों की ग - अध्यापकों की घ - पुस्तकों की

8 - आध्यात्मिक शब्द में उपसर्ग क्या है ?

क - आध्या ख - आ ग - अधि घ - आत्मा

9 - अध्ययन करते समय हम क्या भूल जाते हैं ?

क - चिंताओं और दुखों को ख - ईश्वर को। ग- पुस्तक की विषय वस्तु को घ - सांस लेना

10 - बेकन ने इनमें से कौन सी बात नहीं कही थी ?

क - कुछ पुस्तकों का केवल स्वाद लेना चाहिए। ख - कुछ पुस्तकों को निगल जाना चाहिए

ग - कुछ पुस्तकों को चबाकर पचा लेना चाहिए घ- कुछ पुस्तकों को फैंक देना चाहिए।

उत्तर:- 1.ख. 2. ग. 3. ग. 4. ख 5.क 6 ग 7. घ 8. ग 9 .क 10 . घ

प्रश्न 4 - निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चयन करें । (1*5)

लोग चाहते हैं कि सरकार उनकी भलाई के लिए कार्य करती रहे और वे स्वयं कुछ न करें। गाँधी जी के सिद्धांतों पर चलने की अपेक्षा भी अधिकतर लोग दूसरों से ही कहते हैं जबकि स्वयं उन पर चलना नहीं चाहते। गाँधी जी किसी गरीब को भोजन देने के बजाए उसके लिए काम उपलब्ध कराने की बात करते थे। वे खैरात बाँटने का खुला विरोध करते थे। उनका कहना था-भगवान हमारा नौकर नहीं है, जो हमारे काम कर जाए। काम तो हमें ही करना पडेगा। हमारी कमजोरी और आलसीपन ने हमें अकर्मण्य बना दिया है हम हमेशा दूसरों से उम्मीद रखते हैं कि हमारा काम करें और हम आराम की जिंदगी जिएं लेकिन यह सोच हमें नाकारा बना देती है।सच है कि हम गाँधी जी के बताये रास्ते से हट गए हैं। हम चाहते हैं कि हमारा काम सरकार करे या कोई और करे। अपने अधिकार हमें याद हैं, परंतु समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को हम भूल गए हैं। हम अकर्मण्यता के दलदल में धंसते जा रहे हैं। कर्म संस्कृति की सोच हमने क्षीण कर दी है। भ्रष्टाचार का विरोध करने के बजाए हम अपनी सुविधा देखते हैं। सडक पर यातायात का पहले हम उल्लघंन करते हैं और पकडे जाने पर जुर्माना देने के बजाए कम रकम में पुलिस से समझौते की

फिराक में रहते हैं और इसके बाद पुलिस को भ्रष्ट बताते हैं। गम्भीरता से सोचें, तो जहाँ भी हमें घूस देनी पड़ रही है, वहाँ कुछ न कुछ हमारे आचार-व्यवहार में कमी अवश्य होती है। जहाँ कमी नहीं होती, वहाँ घूस इसलिए देनी पड़ती है, क्योंकि भेड़िए के मुँह में खून लग चुका होता है। स्वयं द्वारा किए गए गलत कार्य अपराध को बढ़ाते हैं हम अक्सर इस बात की दुहाई देते हैं कि बड़े-बड़े नेता मंत्री और अधिकारी जब रिश्वत लेते हैं तो हम कैसे बच सकते हैं और हम भी छोटी मोटी रिश्वत लेना शुरू कर देते हैं परंतु अपराध चाहे छोटा हो या बड़ा वह अपराध है। गांधीजी के तीन बंदरों का संदेश किसी का बुरा मत देखो बुरा मत सुनो बुरा मत कहो को याद करें तो हम कभी बुराई की ओर उन्मुख हो ही नहीं सकते। गाँधी की राह पर अंश भर चलकर तो देखें, चारों ओर खुशहाली ही होगी।

1.लोग क्या चाहते हैं ?

क - सरकार कुछ न करे।

ख - वे खुद सब कुछ करे।

ग - सरकार उनका भला करती रहे, वे कुछ न करें।

घ - लोग कुछ भी नहीं चाहते।

2. गाँधी जी के सिद्धान्तों की स्थिति क्या है?

क - लोग गाँधी जी के सिद्धान्तों पर चलते हैं।

ख - लोग चाहते हैं कि दूसरे गाँधी के सिद्धान्तों पर चलें।

ग - लोग गरीबों को काम दिलाते हैं।

घ - लोग गाँधी जी की तरह गरीबों को भोजन देते हैं।

3. गाँधी जी किस बात का विरोध करते थे?

क)खैरात बाँटने का

ख) सहयोग करने का

ग) आन्दोलन करने का

घ)प्रार्थना करने का

4 . .हम अपनी सुविधा देखते हैं। (सही कथन से वाक्य पूरा कीजिए।)

क) दूसरों की सुविधा देखकर फिर…

ख) भ्रष्टाचार का विरोध करने के बजाय

ग) यातायात के नियमों का पालन करके

घ) पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर

5. ‘उल्लघंन’ शब्द का सही सन्धि-विच्छेद छाँटकर लिखिए।

क) उल्लं + घन

ख) उल् + लंघन

ग) उ + लंघन

घ) उत् + लंघन

6 - लोग अक्सर किस बात की दुहाई देते हैं
क - बड़े-बड़े लोगों द्वारा रिश्वत लेने की
ख - गरीब घर में पैदा होने की
ग - अपने देश के पिछड़ेपन की
घ - यातायात व्यवस्था खराब होने की

7 - महात्मा गांधी के तीन बंदरों की क्या सीख थी ?
क - बुरा न देखो बुरा सुनो बुरा न कहो
ख - बुरा मत चलो बुरा मत सोचो बुरा मत देखो
ग- बुरा मत खाओ बुरा मत करो बुरा मत देखो
घ - बुरा मत देखो बुरा मत सुनो बुरा मत कहो

_8 - निम्नलिखित कथा तथा कारण संबंधी प्रश्नों के सही विकल्प का चयन करें -
(कथन) हम अकर्मण्यता के दलदल में धंसते चले जा रहे हैं।
(कारण) कर्म संस्कृति ने हमारी सोच का विस्तार किया है।
क - कथन सही है परंतु कारण गलत है ।
ख - कथन गलत है परंतु कारण सही है ।
ग - कथन और कारण दोनों सही हैं ।
घ- कथन और कारण दोनों गलत है ।

9 - "मुंह में खून लगना" मुहावरे का क्या अर्थ है ?
क - भूख शांत होना
ख - जंगली जैसा व्यवहार करना
ग - बुरी आदत लग जाना
घ - चोरी करते पकड़े जाना

10 - इस गद्यांश का शीर्षक क्या हो सकता है ?
क - महात्मा गांधी का जीवन
ख - हमारा व्यवहार और भ्रष्टाचार
ग - रिश्वत की आवश्यकता
घ - सरकारी तंत्र

उत्तर :- 1. ग 2.ख 3. क 4 . ख 5 .घ 6. क . 7.ख 8. क 9. ग 10 . ख

प्रश्न 5 - निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प का चयन करें। -

आज किसी भी व्यक्ति का सबसे अलग एक टापू की तरह जीना संभव नहीं रह गया है मानव समाज में विविध बंधुओं और विभिन्न मतों को मानने वाले एक साथ रह रहे हैं ऐसे में यह अधिक आवश्यक हो गया है विभिन्न मतों के लोग साथ-साथ एक दूसरे को जाने कि लोग एक उनकी आवश्यकताओं को उनकी इच्छाओं आकांक्षाओं को समझें उन्हें वरीयता दें और उनके धार्मिक विश्वासों पद्धतियों अनुष्ठानों को सम्मान दें भारत जैसे देश में यह और भी अधिक आवश्यक है क्योंकि यह देश किसी एक धर्म मत या विचारधारा का नहीं है स्वामी विवेकानंद इस बात को समझते थे और अपने आचार विचार में वे अपने समय से बहुत आगे थे उन्होंने धर्म को सेवा के केंद्र में रखकर आध्यात्मिक चिंतन किया था उन्होंने यह विद्रोही बयान दिया था कि इस देश के 33 करोड़ भूखे दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को देवी देवताओं की तरह मंदिर में स्थापित कर देना चाहिए और मंदिरों से देवी-देवताओं की मूर्तियों को हटा दिया जाए उनका संकल्प था कि संप्रदायों के बीच संवाद होना ही चाहिए वह विभिन्न संप्रदायों की अनेक रूप ताको उचित और विभिन्न धर्मों को स्वाभाविक मानते थे स्वामी जी विभिन्न धार्मिक आस्थाओं के बीच सामंजस्य स्थापित करने में पक्षधर थे और सभी को एक ही धर्म का अनुयाई मनाने के विरुद्ध थे वे कहा करते थे कि यदि सभी मानव एक ही धर्म को मानने लगे एक ही पुजारी नैतिकता का अनुपालन करने लगे एक ही पद्धति को अपना लें , तो यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात होगी क्योंकि यह सब हमारे धार्मिक और आध्यात्मिक विकास के लिए प्राणघातक होगा तथा हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से काट देगा।

1 - टापू की तरह जीने से लेखक का क्या अभिप्राय है?

क - घमंड में रहना ख - समाज से अलग रहना ग - समाज से जुड़कर रहना घ - विनम्र बनकर रहना

2 - भारत जैसे देश में क्या आवश्यक हो गया है ?

क - धार्मिक स्वतंत्रता ख - एक दूसरे के विपरीत रहना.

ग - एक दूसरे से मिलकर रहना घ - अपने अपने घर में रहना

3 - विभिन्न पंथ्यों और मत मतांतरों के लोग मिलकर नहीं रहेंगे तो उसका क्या परिणाम होगा ?

क - समाज में शांति स्थापित होगी ख - धार्मिक संस्थानों में विवाद नहीं होगा

ग - सभी का जीवन और अधिक कठिन हो जाएगा घ - सभी का जीवन सुख में हो जाएगा

4 - स्वामी विवेकानंद किस बात को समझते थे ?

क - भारत देश किसी एक धर्म मत या विचारधारा का नहीं है

ख- भारत में विभिन्न धर्मों संप्रदायों के बीच संवाद नहीं होना चाहिए

ग - भारत में सभी धर्मों को स्थान देना उचित नहीं है

घ - भारत में धार्मिक अनुष्ठानों को महत्व नहीं देना चाहिए

5 - विवेकानंद जी ने किसको मनुष्य की सेवा के केंद्र में रखकर आध्यात्मिक चिंतन किया ?

क - समाज को. ख - रीति रिवाज को ग - अनुष्ठानों को घ- धर्म को

6 - विभिन्न धर्म संप्रदायों के बीच संवाद होने से क्या होगा?

क - विवादों का अंत करने के लिए रास्ता मिलेगा

ख - विभिन्न संप्रदायों की अनेक रुकता से सभी धार्मिक आस्थाओं के लोगों के विचारों का पता चलेगा

ग- विभिन्न धार्मिक संस्थाओं और उनके मतों के भेद का पता चलेगा

घ - सभी विवादों की जड़ का पता चलेगा

7 - स्वामी विवेकानंद ने सभी लोगों द्वारा एक ही धर्म मत पूजा पद्धति को अपनाने या मानने को कैसी स्थिति माना है ?

क - सौभाग्य पूर्ण ख - सकारात्मक ग - दुर्भाग्यपूर्ण घ - नकारात्मक

8 - विवेकानंद जी ने मंदिरों में किन्हे स्थापित करने का मत दिया ?

क - देवियों को ख- देवताओं को ग - दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को घ - सामान्य मनुष्य को

9 - गद्यांश में किसकी आवश्यकता और इच्छाओं के सम्मान की बात कही गई है ?

क - विवेकानंद जी की ख - विभिन्न मतों को मानने वाले लोगों की.

ग - उच्च वर्ग के लोगों की घ- निम्न वर्ग के लोगों की

10 - प्रस्तुत गद्यांश किस विषय वस्तु पर आधारित है ?

क - अनेकता में एकता. ख - धर्म आधारित समाज ग- संप्रदाय मतभेद घ - समाज व्यवस्था

उत्तर:- 1 ख 2 ग 3 ग 4 क 5 घ 6 ख 7 ग 8 ग 9 ख 10 क

अपठित पद्यांश

1. नीचे दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

रात यों कहने लगा मुझसे गगन का चाँद,
आदमी भी क्या अनोखा जीव होता है।
उलझने अपनी बनाकर आप ही फँसता,
और फिर बेचैन हो जगता, न सोता है।
जानता है तू कि मै कितना पुराना हूँ ?
मैं चुका हूँ देख मनु को जनमते मरते,
और लाखों बार तुझसे पागलों को भी
चाँदनी में बैठ स्वप्नों पर बहा करते।
आदमी का स्वप्न ? है वह बुलबुला जल का;
आज उठता और फिर कल फूट जाता है;
किन्तु फिर भी धन्य; ठहरा आदमी ही तो ?
बुलबुलों से खेलता कविता बनाता है।
मैं न बोला, किन्तु मेरी रागिनी बोली,
देख फिर से, चाँद! मुझको जानता है तू ?
स्वप्न मेरे बुलबुले हैं ? है यही पानी ?
आग को भी क्या नहीं पहचानता है तू ?
मैं न वह जा स्वप्न पर केवल सही करते,
आग में उनको गला लोहा बनाती हूँ,
और उस पर नींव रखती हूँ नए घर की,
इस तरह दीवार फौलादी उठाती हूँ।
मनु नहीं, मनु-पुत्र है यह सामने, जिसकी
कल्पना की जीभ में भी धार होती है,
वाण ही होते विचारों के नहीं केवल,
स्वप्न के भी हाथ में तलवार होती है।
स्वर्ग के सम्राट को जाकर खबर कर दे,
रोज ही आकाश चढ़ते आ रहे हैं वे,
रोकिए जैसे बने इन स्वप्न वालों को,
स्वर्ग की ही ओर बढ़ते आ रहे हैं वे।

क. प्रस्तुत कविता में चाँद किसका प्रतीक है?

(अ) आदमी

(ब) उच्चवर्गीय व्यक्ति

(स) स्वर्ग के देवता

(द) कवि

ख. 'किन्तु मेरी रागिनी बोली' में रागिनी से क्या अभिप्राय है?

(अ) आदमी की आत्मा

(ब) चाँद की कल्पना

(स) आदमी का स्वप्न

(द) कवि की कविता

ग. 'स्वप्न के भी हाथ में तलवार होती हैं' से कवि क्या कहना चाहता है?

(अ) स्वप्न तलवार की तरह घातक होता है।

(ब) स्वप्न देखने वाले को तलवार की भांति खतरनाक होना पड़ता है।

(स) हमारे सपनों में भी उत्साह रूपी मनोबल होता है।

(द) जिसके हाथ में तलवार होती है, स्वप्न उसी के सत्य होते हैं।

घ. कविता में 'स्वर्ग के सम्राट' किसका प्रतिनिधित्व करते हैं?

(अ) सर्वसंपन्न व सर्वसुविधा युक्त व्यक्ति

(ब) समाज का सामान्य आदमी जो प्रगति पथ पर अग्रसर है

(स) देवताओं का राजा इंद्र

(द) वह आदमी जो अपना कर्तव्य नहीं निभाता है

ङ. चाँद ने आदमी के स्वप्न को जल का बुलबुला क्यों कहा है?

(अ) उसके अनुसार सपने पानी के बुलबुलों की तरह कमजोर होते हैं।

(ब) उसके अनुसार सभी लोगों के सपने बुलबुलों की तरह क्षणभंगुर होते हैं

(स) वह व्यक्ति के सपनों को बुलबुलों की तरह हलका व नीरस मानता है

(द) उसके अनुसार आम लोगों के सपने बुलबुलों की तरह क्षणभंगुर होते हैं

2. नीचे दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

स्वप्न झरे फूल से, मीत चुभे शूल से
लुट गए सिंगार सभी बाग़ के बबूल से;
और हम खड़े-खड़े बहार देखते रहे।
कारवाँ गुजर गया, गुबार देखते रहे!
नींद भी खुली न थी कि हाय धूप ढल गई,
पाँव जब तलक उठे कि जिंदगी फिसल गई,
पात-पात झर गए कि शाख-शाख जल गई,
चाह तो निकल सकी न, पर उमर निकल गई,
गीत अश्क बन गए, छंद हो दफन गए,
साथ के सभी दिए धुआँ-धुआँ पहन गए,
और हम झुके-झुके, मोड़ पर रुके-रुके,
उम्र के चढ़ाव का उतार देखते रहे।
कारवाँ गुज़र गया, गुबार देखते रहे!

(क) ‘गुबार देखते रहे’ से कवि का क्या तात्पर्य है?

(अ) राह में मेला देखते रहे।

(ब) रास्ते की धूल को देखते रहे।

(स) बीती खुशियों को ही याद करते रहे।

(द) बाग के फूलों को देखते रहे।

(ख) ’गीत अश्क बन गए’ का अर्थ हैः

(अ) प्रसन्नता दुखों में बदल गई

(ब) गीत अपूर्ण रह गए

(स) गीतों का रूप बदल गया

(द) सुखद गीत दुखद गीत बन गए

(ग) ’स्वप्न झरे फूल से, मीत चुभे शूल से’ पंक्ति में अलंकार हैः

(अ) यमक अलंकार

(ब) रूपक अलंकार

(स) उपमा अलंकार

(द) श्लेष अलंकार

(घ) प्रस्तुत कविता में मुख्य रूप से कौन सा रस है?

(अ) संयोग शृंगार रस

(ब) करुण रस

(स) अद्भुत रस

(द) वियोग शृंगार रस

(ङ) ’चाह तो निकल सकी न, पर उमर निकल गई’ पंक्ति का आशय हैः

(अ) जीवन बीत गया, इच्छाएँ अधूरी ही रह गईं।

(ब) इच्छाओं को पूरा करने में ज़िंदगी बिता दी।

(स) इच्छाओं से ज़िंदगी हार गई।

(द) ज़िंदगी चली गई पर इच्छाएँ नहीं गईं।

3. नीचे दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

अमल धवल गिरि के शिखरों पर,
बादल को घिरते देखा है।
छोटे-छोटे मोती जैसे
उसके शीतल तुहिन कणों को,
मानसरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है।
बादल को घिरते देखा है।
तुंग हिमालय के कंधों पर
छोटी-बड़ी कई झीलें हैं,
उनके श्यामल नील सलिल में
समतल देशों से आ-आकर
पावस की ऊमस से आकुल
तिक्त-मधुर विसतंतु खोजते
हंसों को तिरते देखा है।
बादल को घिरते देखा है।

दुर्गम बरफानी घाटी में
शत-सहस्त्र फुट ऊँचाई पर
अलख नाभि से उठने वाले
निज के ही उन्मादक परिमल
के पीछे धावित हो-होकर
तरल तरुण कस्तूरी मृग को
अपने पर चिढ़ते देखा है।
बादल को घिरते देखा है।

क. "तुंग हिमालय के कंधों पर, छोटी-बड़ी कई झीलें है।"
पंक्तियों में निहित अलंकार है?
(अ) उपमा
(ब) अनुप्रास
(स) मानवीकरण
(द) रूपक

ख. कस्तूरी मृग अपने पर क्यों चिढ़ता है?
(अ) उसे अपनी नाभि से खूशबू आती है और वह खुशबू को ढूँढता है
(ब) उसे अपनी प्रेयसी को ढूँढता है परंतु वह नहीं मिलती है
(स) क्योंकि वह बादल को घिरते देखता है
(द) बादल के बरसने पर उसे कष्ट होने के कारण

ग. प्रस्तुत कविता में सुगंध का पर्यायवाची कौन सा है?
(अ) तुहिन
(ब) तिक्त
(स) उन्मादक
(द) परिमल

घ. 'बादल को घिरते देखा है' से क्या अभिप्राय है?
(अ) बादल का आकाश में उड़ना
(ब) बादल का फटना
(स) बादल का उमड़ना
(द) बादल का लुप्त हो जाना

ङ. प्रस्तुत कविता के सौन्दर्य को कवि ने किस ऋतु का उद्‌गम बताया है?
(अ) पावस ऋतु का
(ब) शरद ऋतु का
(स) शिशिर ऋतु का
(द) वसंत ऋतु का

4.नीचे दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

किसने कहा, पाप है समुचित
सत्व-प्राप्ति-हित लड़ना ?
उठा न्याय का खड्‌ग समर में
अभय मारना-मरना ?
क्षमा, दया, तप, तेज, मनोबल
की दे वृथा दुहाई,
धर्मराज, व्यंजित करते तुम

मानव की कदराई ।
हिंसा का आघात तपस्या ने
कब, कहाँ सहा है ?
देवों का दल सदा दानवों
से हारता रहा है ।
मनःशक्ति प्यारी थी तुमको
यदि पौरुष ज्वलन से,
लोभ किया क्यों भरत-राज्य का ?
फिर आये क्यों वन से ?
पिया भीम ने विष, लाक्षागृह
जला, हुए वनवासी,
केशकर्षिता प्रिया सभा-सम्मुख
कहलायी दासी
क्षमा, दया, तप, त्याग, मनोबल,
सबका लिया सहारा;
पर नर-व्याघ्र सुयोधन तुमसे
कहो, कहाँ कब हारा ?
क्षमाशील हो रिपु-समक्ष
तुम हुए विनत जितना ही,
दुष्ट कौरवों ने तुमको
कायर समझा उतना ही ।
अत्याचार सहन करने का
कुफल यही होता है,
पौरुष का आतंक मनुज
कोमल होकर खोता है ।

क. प्रस्तुत कविता में किसे उपदेश दिया जा रहा है?
 (अ) दुर्योधन को
 (ब) भीम को
 (स) युधिष्ठिर को
 (द) अर्जुन को

ख. अत्याचार सहन करने का क्या दुष्परिणाम होता है?
 (अ) वह हार जाता है
 (ब) वन जाना पड़ता है
 (स) त्याग क्षमा दया तप आदि का सहारा लेना पड़ता है
 (द) उसे वीर के स्थान पर कोमल समझा जाता है

ग. प्रस्तुत कविता में कौन सा रस है?
 (अ) शृंगार रस
 (ब) वीर रस
 (स) भयानक रस
 (द) अद्भुत रस

घ. प्रस्तुत कविता में क्या उपदेश दिया गया है?

(अ) अन्याय के विरुद्ध युद्ध करने का

(ब) क्षमा, दया, त्याग, तप आदि का सहारा लेकर जीवन बिताने का

(स) अत्याचार सहन करने का

(द) समर में मारने-मरने का

ङ. प्रस्तुत कविता में शत्रु के लिए कौन सा पर्यायवाची शब्द प्रयोग हुआ है?

(अ) विनत

(ब) रिपु

(स) खड़ग

(द) समर

5.नीचे दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

यहाँ कोकिला नहीं, काग हैं, शोर मचाते,
काले काले कीट, भ्रमर का भ्रम उपजाते।
कलियाँ भी अधखिली, मिली हैं कंटक-कुल से,
वे पौधे, व पुष्प शुष्क हैं अथवा झुलसे।
परिमल-हीन पराग दाग सा बना पड़ा है,
हा! यह प्यारा बाग खून से सना पड़ा है।
ओ, प्रिय ऋतुराज किन्तु धीरे से आना,
यह है शोक-स्थान यहाँ मत शोर मचाना।
वायु चले, पर मंद चाल से उसे चलाना,
दुःख की आहें संग उड़ा कर मत ले जाना।
कोकिल गावें, किन्तु राग रोने का गावें,
भ्रमर करें गुंजार कष्ट की कथा सुनावें।
लाना संग में पुष्प, न हों वे अधिक सजीले,
तो सुगंध भी मंद, ओस से कुछ कुछ गीले।
किन्तु न तुम उपहार भाव आ कर दिखलाना,
स्मृति में पूजा हेतु यहाँ थोड़े बिखराना।
कोमल बालक मरे यहाँ पर गोली खा कर,
कलियाँ उनके लिये गिराना थोड़ी ला कर।
आशाओं से भरे हृदय भी छिन्न हुए हैं,
अपने प्रिय परिवार देश से भिन्न हुए हैं।
कुछ कलियाँ अधखिली यहाँ इसलिए चढ़ाना,
कर के उनकी याद अश्रु के ओस बहाना।
तड़प तड़प कर वृद्ध मरे हैं गोली खा कर,
शुष्क पुष्प कुछ वहाँ गिरा देना तुम जा कर।
यह सब करना, किन्तु यहाँ मत शोर मचाना,
यह है शोक-स्थान बहुत धीरे से आना।

क. प्रस्तुत कविता को किस श्रेणी में रख सकते हैं?

(अ) देशभक्ति गीत

(ब) शोकगीत

(स) ऋतुराज गीत

(द) भ्रमरगीत

ख. कवि के अनुसार कविता में वर्णित स्थल की क्या विशेषता है?

(अ) यहाँ कलियाँ पूर्णतः खिलतीं हैं।

(ब) यहाँ पराग सुशोभित होता है।

(स) यहाँ कोयल गाती है।

(द) पौधे और पुष्प सूख गए हैं।

ग. कवि ऋतुराज बसंत से कौन सा आग्रह नहीं करता है?

(अ) यहाँ पर सुगंधित वायु चले।

(ब) यहाँ पर कोयल रूदन गीत गाए।

(स) यहाँ पर भ्रमर पीड़ा की कहानियाँ सुनाए।

(द) यहाँ खिलने वाले पुष्प सजीले न हों।

घ. कविता में आए शब्द उपहार के संदर्भ में कौन सा शब्द संगत नहीं है?

(अ) सौगात

(ब) भेंट

(स) तोहफा

(द) दान

ङ. कवि बृद्ध मृतक-जनों को श्रद्धांजलि देने के लिए बसंत से क्या कहता है?

(अ) वहाँ कुछ अश्रु गिरा देना।

(ब) वहाँ कुछ सूखे फूल गिरा देना।

(स) वहाँ कलियाँ गिरा देना।

(द) वहाँ ओस की कुछ बूँदें गिरा देना।

6. नीचे दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

मैं तूफ़ानों में चलने का आदी हूँ
तुम मत मेरी मंज़िल आसान करो
हैं फूल रोकते, काटें मुझे चलाते
मरुस्थल, पहाड़ चलने की चाह बढ़ाते
सच कहता हूँ जब मुश्किलें ना होती हैं
मेरे पग तब चलने में भी शर्माते
मेरे संग चलने लगें हवायें जिससे
तुम पथ के कण-कण को तूफ़ान करो
मैं तूफ़ानों में चलने का आदी हूँ
तुम मत मेरी मंज़िल आसान करो
अंगार अधर पे धर मैं मुस्काया हूँ
मैं मरघट से ज़िन्दगी बुला के लाया हूँ
हूँ आँख-मिचौनी खेल चला किस्मत से
सौ बार मृत्यु के गले चूम आया हूँ
है नहीं स्वीकार दया अपनी भी..
तुम मत मुझ पर न कोई एहसान करो
मैं तूफ़ानों में चलने का आदी हूँ
तुम मत मेरी मंज़िल आसान करो
श्रम के जल से राह सदा सिंचती है
गति की मशाल आंधी में ही हँसती है
शोलों से ही शृंगार पथिक का होता है

मंज़िल की मांग लहू से ही सजती है
पग में गति आती है, छाले छिलने से
तुम पग-पग पर जलती चट्टान धरो
मैं तूफ़ानों में चलने का आदी हूँ
तुम मत मेरी मंज़िल आसान करो
फूलों से जग आसान नहीं होता है
रुकने से पग गतिवान नहीं होता है
अवरोध नहीं तो संभव नहीं प्रगति भी
है नाश जहाँ निर्माण वहीं होता है
मैं बसा सकूँ नव-स्वर्ग "धरा" पर जिससे
तुम मेरी हर बस्ती वीरान करो
मैं तूफ़ानों में चलने का आदी हूँ
तुम मत मेरी मंज़िल आसान करो
मैं पंथी तूफ़ानों में राह बनाता
मेरा दुनिया से केवल इतना नाता
वह मुझे रोकती है अवरोध बिछाकर
मैं ठोकर उसे लगा कर बढ़ता जाता
मैं ठुकरा सकूँ तुम्हें भी हँसकर जिससे
तुम मेरा मन-मानस पाषाण करो
मैं तूफ़ानों में चलने का आदी हूँ
तुम मत मेरी मंज़िल आसान करो

क. प्रस्तुत कविता का मूल भाव क्या है?
- (अ) कठिनाइयों में ही जीवन की यात्रा की सार्थकता है।
- (ब) तूफानों में मंजिलें आसानी से मिलती हैं।
- (स) हमें किसी की दया स्वीकार नहीं करनी चाहिए।
- (द) फूलों की सुंदरता से जीवन महक जाता है।

ख. 'सौ बार मृत्यु के गाल चूम आया हूँ' में कौन सा अलंकार है?
- (अ) उपमा अलंकार
- (ब) श्लेष अलंकार
- (स) यमक अलंकार
- (द) रूपक अलंकार

ग. निम्नलिखित में से कौन सी पंक्ति कवि का विचार नहीं है?
- (अ) अवरोधों से ही प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है।
- (ब) मेहनत से ही जीवन के लक्ष्य प्राप्त होते हैं।
- (स) नाश और निर्माण में परस्पर कोई संबंध नहीं है।
- (द) कवि को अपनी ही दया स्वीकार है।

घ. कवि दूसरों से क्या अपेक्षा करता है?
- (अ) वह चाहता है कि लोग उसका साथ दें।
- (ब) वे मरघट से जिंदगी बुलाकर लाएँ।
- (स) वे किस्मत से आँख मिचोली खेलें।
- (द) वे उसके लिए संघर्ष के अवसर उत्पन्न करें।

ङ. प्रस्तुत कविता का स्थाई भाव कौन सा है?

(अ) वीर

(ब) उत्साह

(स) अद्‌भुत

(द) भयानक

7. नीचे दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

चारुचंद्र की चंचल किरणें, खेल रहीं हैं जल थल में,
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अवनि और अम्बरतल में।
पुलक प्रकट करती है धरती, हरित तृणों की नोकों से,
मानों झूम रहे हैं तरु भी, मन्द पवन के झोंकों से।।
पंचवटी की छाया में है, सुन्दर पर्ण कुटीर बना,
जिसके सम्मुख स्वच्छ शिला पर धीर वीर निर्भीकमना,
जाग रहा यह कौन धनुर्धर, जब कि भुवन भर सोता है ?
भोगी कुसुमायुध योगी-सा, बना दृष्टिगत होता है।
किस व्रत में है व्रती वीर यह, निद्रा का यों त्याग किये,
राजभोग्य के योग्य विपिन में, बैठा आज विराग लिये।
बना हुआ है प्रहरी जिसका, उस कुटीर में क्या धन है,
जिसकी रक्षा में रत इसका, तन है, मन है, जीवन है !
मर्त्यलोक-मालिन्य मैटने, स्वामि-संग जो आई है,
तीन लोक की लक्ष्मी ने यह, कुटी आज अपनाई है।
वीर-वंश की लाज यही है, फिर क्यों वीर न हो प्रहरी,
विजन देश है निशा शेष है, निशाचरी माया ठहरी।।

क. 'स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अवनि और अंबर तल में से कौन से अर्थ की प्रतीति होती है?

(अ) धरती और आकाश बहुत सुंदर लग रहे हैं

(ब) रात्रि का समय है

(स) सूर्य की रोशनी सभी और पड़ रही है

(द) प्रातः कालीन समय है

ख. 'बैठा आज विराग लिए' से प्रतीत होता है कि-

(अ) वह युवक बहुत दुखी है

(ब) वह युवक बहुत प्रसन्न है

(स) उसने सांसारिक मोहमाया से विरक्ति कर ली है

(द) उसे सांसारिक मोह माया से बहुत प्रेम है

ग. 'पुलक प्रकट करती है धरती हरित तृणों की नौकों से में कौन सा अलंकार है ?

(अ) उत्प्रेक्षा अलंकार

(ब) रूपक अलंकार

(स) यमक अलंकार

(द) मानवीकरण अलंकार

घ. प्रस्तुत पद्यांश में जंगल का पर्यायवाची शब्द कौन सा प्रयोग हुआ है ?

(अ) भुवन

(ब) विपिन

(स) पंचवटी

(द) विराग

ङ. प्रस्तुत पद्यांश के आधार पर कौन सा कथन असत्य है ?

(अ) जंगल का वातावरण बहुत ही शांत और निर्मल है

(ब) यहाँ एक कुटिया में अपने स्वामी के साथ कोई देवी रहती है

(स) इस कुटिया में रहने वाले बारी-बारी से पहरा देते हैं

(द) सामान्यतः इस स्थान पर मनुष्य नहीं रहते हैं

8. नीचे दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

वीर कर्ण विक्रमी दान का अति अमोघ व्रत धारी,
पाल रहा था बहुत समय से एक पुण्य प्रण भारी।
रवि पूजन के समय सामने जो याचक आता था,
मुँह माँगा वह दान कर्ण, से अनायास पाता था।
थी विश्रुत यह बात कर्ण गुणवान ओर ज्ञानी हैं,
दीनों के अवलंब जगत के सर्वश्रेष्ठ दानी हैं।
जाकर उनसे कहो, पड़ी जिस पर जैसी विपदा हो,
गो, धरती, गज, वाजि माँग लो जो जितना भी चाहो।
'नाही' सुनी कहाँ किसने कब इस दानी के मुख से ?
धन की कौन बिसात ? प्राण भी दे सकते वे सुख से।
और दान देने में वे कितने विनम्र रहते हैं,
दीन याचकों से भी कैसे मधुर वचन कहते हैं।
करते यों सत्कार कि मानो हम हो नहीं भिखारी,
वरन् माँगते जो कुछ उसके न्याय सिद्ध अधिकारी।
और उमड़ती है प्रसन्न दृग में कैसी जलधारा,
मानो सौंप रहे हो हमको ही वे न्यास हमारा।

क. वीर कर्ण कौन सा व्रत पाल रहा था ?

(अ) अमोघ का

(ब) पुण्य का

(स) रवि पूजन का

(द) दान का

ख. कर्ण किस समय दान करता था ?

(अ) सदैव

(ब) सूर्य की पूजा के समय

(स) अनायास

(द) संध्या के समय

ग. कविता के अनुसार कर्ण लोगों को या याचकों को क्या-क्या दान दे सकता था ?

(अ) स्वर्ण, महल, घोड़े, हाथी, धन आदि

(ब) गाय, भूमि, स्वर्ण, भवन, धन आदि

(स) गाय, भूमि, घोड़े, हाथी, धन आदि

(द) अश्त्र, शस्त्र, घोड़े, हाथी, धन आदि

घ. कर्ण याचकों से किस प्रकार का व्यवहार करता था ?

(अ) कठोर

(ब) ज्ञान से युक्त

(स) न्याय से मुक्त

(द) विनम्र

ङ. प्रस्तुत पद्यांश में से मुसीबत का पर्यायवाची शब्द कौन सा है?

(अ) अमोघ

(ब) विपदा

(स) विश्रुत

(द) अवलंब

9. नीचे दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

जिन तट पर प्यास बुझाने से अपमान प्यास का होता हो
उस तट पर प्यास बुझाने से प्यासा मर जाना बेहतर है।
जब आँधी, नाव डुबा देने की
अपनी ज़िद पर अड़ जाये,
हर एक लहर जब नागिन बनकर
डसने को फन फैलाये,
ऐसे में भीख किनारों की माँगना धार से ठीक नहीं,
पागल तूफानों को बढ़कर आवाज़ लगाना बेहतर है।
काँटे तो अपनी आदत के
अनुसार, नुकीले होते हैं,
कुछ फूल मगर काँटों से भी
ज्यादा जहरीले होते हैं।
जिसको माली आँखें मींचे मधु के बदले विष से सींचे,
ऐसी डाली पर खिलने से पहले मुरझाना बेहतर है।
जो दीया उजाला दे न सके,
तम के चरणों का दास रहे,
अँधियारी रातों में सोये,
दिन में सूरज के पास रहे,
जो केवल धुआँ उगलता हो, सूरज पर कालिख मलता हो,
ऐसे दीपक का जलने से पहले बुझ जाना बेहतर है।
जिन तट पर प्यास बुझाने से अपमान प्यास का होता हो
उस तट पर प्यास बुझाने से प्यासा मर जाना बेहतर है।

क. 'अपमान प्यास का होता हो' से क्या तात्पर्य है ?

(अ) जहाँ अपमान करके पानी दिया जाता हो

(ब) जहाँ स्वाभिमानी के सम्मान को कुचला जाता हो।

(स) जहाँ स्वाभिमानी को सम्मान दिया जाता हो।

(द) जहाँ प्यासे को प्यासा छोड़ दिया जाता हो।

ख. 'किनारों की भीख माँगना' से क्या निहितार्थ है ?

(अ) तूफानों को रोकने का निवेदन करना

(ब) दया की प्रार्थना करना

(स) मंजिल तक का रास्ता माँगना

(द) नाव किनारों तक ले चलने का आग्रह करना

ग. मधु के बदले विष से सींचना हैः

(अ) हिंसा के बजाय अहिंसा का पाठ पढ़ाना

(ब) शहद के बदले ज़हर पिलाना

(स) विष देकर मधु ग्रहण की आशा करना

(द) प्रेम का पाठ न पढ़ाकर घृणा सिखाना

घ. कविता में जो 'दीया' प्रयोग किया गया है, वह क्या दर्शाता है ?

(अ) गुणहीन ओर अपराधी व्यक्ति

(ब) अज्ञानी ओर भोला पुरुष

(स) कर्तव्य के प्रति उदासीन एवं विश्वासघाती

(द) विश्वसनीय ओर चालाक मानव

ङ. 'कुछ लोग सभ्यता का ढोंग करने वाले गुप्त रूप से भयंकर असभ्य होते हैं' का भाव कविता की किस पंक्ति में व्यक्त हुआ है ?

(अ) हर एक लहर जब नागिन बनकर डसने को फन फैलाए

(ब) तम के चरणों का दास रहै

(स) कुछ फूल मगर काँटों से भी ज्यादा जहरीले होते हैं

(द) जो केवल धुआँ उगलता हो

10. नीचे दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

परिणय मंडप में धरे गए दो कलशों में
बराबर, भरे गए मधुर संबंधों के सभी तत्व
प्रेम, मैत्री, स्नेह और विश्वास
और इससे तैयार हुआ, गृहस्थी का काँवर
यात्रारंभ में जब कंधे की बारी आई
तुम्हारे अहम् ने उसे अपने कंधे पर रखना स्वीकारा
मैं पथगामिनी, तुम्हारी सहचर साथ चलना बदा था
सभी ऋतुओं अवरोधों को पार करते शिवालय तक !!
प्रारंभ, सूर्यादय की स्निग्ध लालिमा लिए
थकन से दूर, वानस्पतिक सम्पदा से पूर्ण
उत्सव से भरा अरण्य था !
चलते समय...
आगे के घट का छलकना तुम्हे दिखता था
तुम संभल जाते
पीछे का घट, जो मेरा था जाने कितनी बार छलका
किन्तु, वह अदीख था तुम्हारे लिए
जितना छलकती, तापस भूमि पर पड़ते ही, वाषिप्त हो जाती
और मेघ बन तुम्हारे शुष्क अधरों पर बरस जाती
वर्षा ऋतु में जल से भरे मार्ग में
जाने कितनी बार पाँव फिसला तुम्हारा
हर बार काँवरके साथ साथ
तुम्हे संभालते हुए मैं स्वयं आहत हो जाती !
जीवन के इस पड़ाव पर तुम्हारे मुख पर सूर्यास्त सा मलिन भाव
नहीं देखा जाता,
यह काँवरतुम्हे बोझ न प्रतीत हो
अतः कुछ देर को, यह मुझे दे सकते हो
किन्तु ओहह !! तुम्हारा अहम् !!

प्रिय, देखो शिवालय की घंटियाँ सुनाई दे रही हैं !
तुम अपने भीतर के छिपे स्त्रीत्व को
मेरे भीतर के छिपे पुरुषत्व से मिला दो
क्योंकि, शिवालय में बैठे उस अर्धनारीश्वर को
यह जलाभिषेक तभी पूर्ण एवं सफल होगा!!

क. प्रस्तुत पद्यांश में काँवर किसका प्रतीक है?
  (अ) विवाह का
  (ब) मधुर संबंधों का
  (स) दम्पति का
  (द) त्याग का

ख. पद्यांश में घट के झलकने से क्या निहितार्थ है?
  (अ) जीवन के सुख
  (ब) जीवन के दुख
  (स) जल का भूमि पर गिरना
  (द) जल का वाष्पित होना

ग. 'पीछे का घट, जो मेरा था, जाने कितनी बार छलका' में कौन सा अलंकार है?
  (अ) रूपक अलंकार
  (ब) उपमा अलंकार
  (स) यमक अलंकार
  (द) श्लेष अलंकार

घ. नव युगल का आरंभिक जीवन सुखद था। यह किस पंक्ति से विदित होता है?
  (अ) भरे गए मधुर संबंधों के सभी तत्व
  (ब) सम्पदा से पूर्ण उत्सव से भरा अरण्य था
  (स) मैं पथगामिनी, तुम्हारी सहचर
  (द) सभी ऋतुओं अवरोधों को पार करते

ङ. प्रस्तुत कविता के अनुसार कौन-सा कथन असत्य है?
  (अ) पति-पत्नी सुखी जीवन व्यतीत नहीं कर रहे हैं।
  (ब) पत्नी अपने पति के हर सुख-दुख में सहभागी है।
  (स) पति अपनी पत्नी के हर सुख-दुख में सहभागी है।
  (द) कविता में वर्णित पति-पत्नी के जीवन में कष्ट भी आए हैं।

उत्तर कुंजी

1.
  क. (ब) उच्चवर्गीय व्यक्ति
  ख. (द) कवि की कविता
  ग. (स) हमारे सपनों में भी उत्साह रूपी मनोबल होता है।
  घ. (अ) सर्वसंपन्न व सर्वसुविधा युक्त व्यक्ति
  ङ. (द) उसके अनुसार आम लोगों के सपने बुलबुलों की तरह क्षणभंगुर होते हैं

2.
  क. (स) बीती खुशियों को ही याद करते रहे।
  ख. (अ) प्रसन्नता दुखों में बदल गई
  ग. (स) उपमा अलंकार
  घ. (ब) करुण रस

ङ. (द) ज़िंदगी चली गई पर इच्छाएँ नहीं गईं।

3.

क. (स) मानवीकरण

ख. (अ) उसे अपनी नाभि से खूशबू आती है और वह खुशबू को ढूँढता है

ग. (द) परिमल

घ. (स) बादल का उमड़ना

ङ. (अ) पावस ॠतु का

4.

क. (स) युधिष्ठिर को

ख. (द) उसे वीर के स्थान पर कोमल समझा जाता है

ग. (ब) वीर रस

घ. (अ) अन्याय के विरुद्ध युद्ध करने का

ङ. (ब) रिपु

5.

क. (ब) शोकगीत

ख. (द) पौधे और पुष्प सूख गए हैं।

ग. (अ) यहाँ पर सुगंधित वायु चले।

घ. (द) दान

ङ. (ब) वहाँ कुछ सूखे फूल गिरा देना।

6.

क. (अ) कठिनाइयों में ही जीवन की यात्रा की सार्थकता है।

ख. (द) रूपक अलंकार

ग. (द) कवि को अपनी ही दया स्वीकार है।

घ. (द) वे उसके लिए संघर्ष के अवसर उत्पन्न करें।

ङ. (ब) उत्साह

7.

क. (ब) रात्रि का समय है

ख. (स) उसने सांसारिक मोहमाया से विरक्ति कर ली है

ग. (द) मानवीकरण अलंकार

घ. (ब) विपिन

ङ. (स) इस कुटिया में रहने वाले बारी-बारी से पहरा देते हैं

8.

क. (द) दान का

ख. (ब) सूर्य की पूजा के समय

ग. (स) गाय, भूमि, घोड़े, हाथी, धन आदि

घ. (द) विनम्र

ङ. (ब) विपदा

9.

क. (ब) जहाँ स्वाभिमानी के सम्मान को कुचला जाता हो।

ख. (ब) दया की प्रार्थना करना

ग. (द) प्रेम का पाठ न पढ़ाकर घृणा सिखाना

घ. (स) कर्तव्य के प्रति उदासीन एवं विश्वासघाती

ङ.　(स)　कुछ फूल मगर काँटों से भी ज्यादा जहरीले होते हैं

10.

क.　(स)　दम्पति का

ख.　(ब)　जीवन के दुख

ग.　(अ)　रूपक अलंकार

घ.　(ब)　सम्पदा से पूर्ण उत्सव से भरा अरण्य था

ङ.　(स)　पति अपनी पत्नी के हर सुख-दुख में सहभागी है।

अपठित पद्यांश

काव्यांश-1

साक्षी है इतिहास, हमीं पहले जागे हैं
जाग्रत सब हो रहे हमारे ही आगे हैं।
शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे हैं?
कायरता से कहाँ प्राण हमने त्यागे हैं।
हैं हमीं प्रकम्पित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय।
फिर एक बार हे विश्व! तुम, गाओ भारत की विजय।।
कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है तेज हमारा
दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा।
तुम्हीं बताओ कौन नहीं जो हमसे हारा
पर शरणागत हुआ कहाँ, कब हमें न प्यारा।
बस युद्ध मात्र को छोड़कर, कहाँ नहीं हैं हम सदय।
फिर एक बार हे विश्व! तुम गाओ भारत की विजय।

1.'हमीं पहले जागे हैं' का भाव है-

(क) हम सोकर उठे हैं।　(ख) हमने कार्य पूर्ण किया है।

(ग) हमने विजय पाई है।　(घ) हमने सर्वप्रथम ज्ञान पाया है

2.'हैं हमीं प्रकम्पित कर चुके, सुरपति तक का हृदय' से हमारी किस विशेषता का बोध होता है?

(क) वीरता, साहस　(ख) युद्ध कौशल

(ग) हार कर जीतना　(घ) उपरोक्त सभी

3.हमारी दयालुता प्रकट होती है→

(क) शत्रु को दलित करना　(ख) शरणागत को आश्रय देना

(ग) अपने तेज दिखाकर　(घ) विश्व में जय-जयकार करवाकर

4.'हमारे आगे सबका जाग्रत होना' का भाव है→

(क) हमारे पश्चात् ज्ञान का प्राप्त होना　(ख) हमारे बाद सोकर उठना

(ग) हमारे पीछे चलना　(घ) हमारे सामने झुकना

5.कवि किसे भारत की जय-जयकार करने को कह रहा है?

(क) भारतवासियों को (ख) शत्रुओं को

(ग) विश्व को (घ) सेना को

काव्यांश-2

लोहे के पेड़ हरे होंगे,
तू गान प्रेम का गाता चल,
नम होगी यह मिट्टी जरूर,
आँसू के कण बरसाता चल ।
सिसकियों और चीत्कारों से,
जितना भी हो आकाश भरा,
कंकालों का हो ढेर,
खप्परों से चाहे हो पटी धरा ।
आशा के स्वर का भार पवन को लेकिन, लेना ही होगा,
जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा ।
रंगों के सातों घट उडेल, यह अँधियाली रंग जाएगी,
उषा को सत्य बनाने को जावक नभ पर छितराता चल ।
आदर्शों से आदर्श भिड़े, प्रज्ञा प्रज्ञा पर टूट रही,
प्रतिमा प्रतिमा से लड़ती है, धरती की किस्मत फूट रही
आवर्तों का है विषम जाल, निरुपाय बुद्धि चकराती है.
विज्ञान- यान पर चढ़ी हुई सभ्यता डूबने जाती है।
जब-जब मस्तिष्क जयी होता, संसार ज्ञान से चलता है।
शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल ।

1- लोहे के पेड़ किसके प्रतीक हैं ?

(क) नकली पेड़ (ख) मशीनें

(ग) मशीनी संस्कृति (घ) विज्ञान

2- नम होगी यह मिट्टी जरूर कहकर कवि किस और संकेत कर रहा है?

(क) प्रेम के बल पर शुष्क हृदयों में भाव भरे जा सकते हैं

(ख) वर्षा न होने के कारण सूखी मिट्टी वर्षा आने पर नम जरूर हो जाएगी

(ग) सूखी आंखें फिर आंसुओं से नम हो जाएंगी

(घ) इतने आंसू बहाओ की मिट्टी गीली हो जाए

3- दुख और निराशा के वातावरण में मनुष्य का क्या कर्तव्य होना चाहिए ?

(क) सपने देखें और साकार करें (ख) आशा का संचार करें

(ग) मिट्टी नम करें (घ) विज्ञान यान पर सवार हो

4- प्रेम की भावना से इस भौतिक बौद्धिक संसार पर विजय पाई जा सकती है यह भाव किस पंक्ति से व्यंजित हो रहा है ?

(क) जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा (ख) आशा के स्वर का भार पवन को लेकिन लेना ही होगा

(ग) जब जब मस्तिष्क जयी होता संसार ज्ञान से चलता है (घ) शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल

5- विज्ञान-यान में कौन सा अलंकार है?

(क) अनुप्रास अलंकार (ख) उपमा अलंकार

(ग) रूपक अलंकार (घ) अन्योक्ति अलंकार

<u>काव्यांश -3</u>

बार-बार आती है मुझको मधुर याद बचपन तेरी।
गया ले गया तू जीवन की सबसे मस्त खुशी मेरी।।
चिंता-रहित खेलना, खाना, वह फिरना निर्भय स्वच्छंद,
कैसे भूला जा सकता है, बचपन का अतुलित आनंद?
रोना और मचल जाना भी क्या आनंद दिखाते थे।,
बड़े-बड़े मोती से आँसू जयमाला पहनाते थे।
मैं बचपन को बुला रही थी बोल उठी बिटिया मेरी,
नंदन वन-सी फूल उठी यह, छोटी-सी कुटिया मेरी।
माँ ओ! कहकर बुला रही थी मिट्टी खाकर आई थी
कुछ मुख में कुछ लिए हाथ में मुझे खिलाने लाई थी
मैंने पूछा-"यह क्या लाई ?" बोल उठी वह-"माँ काओ"
हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से मैंने कहा "तुम्हीं खाओ।"

1- कवयित्री को बार-बार बचपन की याद क्यों आती है?

(क) बचपन के दिन मधुर होते हैं (ख) बच्चे सबको प्यारे लगते हैं

(ग) बचपन के दिन स्वच्छंद और उल्लासपूर्ण होते हैं (घ) बचपन के दिन चिंता रहित होते हैं

2- बचपन की कौन सी बात बोली नहीं जा सकती

(क) कोई काम न करना (ख) चिंता रहित जीवन उल्लासपूर्ण खेलना कूदना

(ग) मचलना (घ) माता-पिता से अपनी हठ पूरी करवाना

3- नंदनवन का प्रयोग किसके लिए किया गया है

(क) अपनी बिटिया के लिए (ख) अपने घर के लिए

(ग) स्वयं के लिए (घ) अपने लिए और अपनी पुत्री के लिए

4- 'बड़े-बड़े मोती से आँसू जयमाला पहनाते थे' पंक्ति में निहित अलंकार का नाम बताइए-

(क) उपमा (ख) रूपक (ग) उत्प्रेक्षा (घ) अनुप्रास

5- तत्सम शब्द छांटिए

(क) मिट्टी (ख) हाथ (ग) मुख (घ) आँसू

काव्यांश -4

रोटी उसकी जिसका अनाज, जिसकी जमीन, जिसका श्रम है,
अब कौन उलट सकता, स्वतन्त्रता का सुसिद्ध सीधा क्रम है।
आजादी है अधिकार, परिश्रम का पुनीत फल पाने का,
आजादी है अधिकार, शोषणों की धज्जियाँ उड़ाने का
गौरव की नई भाषा सीख, भिखमंगों सी आवाज बदल,
सिमटी बाँहों को खोल गरुड़, उड़ने का अब अंदाज बदल ।
स्वाधीन मनुज की इच्छा के आगे पहाड़ हिल सकते हैं,
रोटी क्या? ये अंबर वाले सारे सिंगार मिल सकते हैं।

1– कविता में किस अधिकार की बात कही गई है?

क) जीने के अधिकारों की बात
ख) आजादी के अधिकारों की बात
ग) रोटी पाने की बात
घ) उक्त में से कोई नहीं

2– कवि के अनुसार कैसे मनुष्य की इच्छा के आगे पर्वत हिलते है?

क) आलसी मनुष्य के आगे
ख) बेकार मनुष्य के आगे
ग) स्वतंत्र मनुष्य के आगे
घ) ताकतवर मनुष्य के आगे

3– काव्यांश के अनुसार रोटी पर सबसे पहला अधिकार किसका है?

क) जिसकी जमीन है उसका
ख) जो परिश्रम करता है उसका
ग) किसान का
घ) सभी विकल्प सही है

4– 'सिमटी बाहों को खोल' पंक्ति से माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

क) अपनी शक्तियों को पहचानना
ख) अपने काम से काम रखना
ग) अपनी कमियो को जानना
घ) उक्त में से कोई नही

5– अवतरण में आये 'स्वाधीन' शब्द में मूलशब्द 'अधीन' है. मूलशब्द में कौनसा उपसर्ग जोड़ने से 'स्वाधीन' का विलोम बन जाएगा→

क) अ   ख) पर   ग) परा   घ) स्व

काव्यांश-5

शान्ति नहीं तब तक; जब तक
सुख-भाग न नर का सम हो,
नहीं किसी को बहुत अधिक हो,
नहीं किसी को कम हो ।
स्वत्व माँगने से न मिले,
संघात पाप हो जायें,
बोलो धर्मराज, शोषित वे
जियें या कि मिट जायें?
न्यायोचित अधिकार माँगने
से न मिले, तो लड़ के,

तेजस्वी छीनते समर को

जीत, या कि खुद मर के।

किसने कहा पाप है समुचित

स्वत्व-प्राप्ति-हित लड़ना?

उठा न्याय का खड्ग समर में

अभय मारना-मरना?

1-शांति के लिए क्या आवश्यक है ?

क) सुख में सभी का बराबर भाग हो
ख) दुख ना होना
ग) जीवन में सदा सुख का मिलना
घ) सदा प्रसन्न रहना

2– काव्यांश के अनुसार कौन-सा युद्ध उचित है ?

क) धन पाने के लिए लड़ना
ख) आनंद प्राप्त करने के लिए लड़ना
ग) अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए लड़ना
घ) अपने अधिकार के लिए लड़ना

3– तेजस्वी व्यक्ति की क्या पहचान है ?

क) सदैव प्रसन्न रहते है
ख) युद्ध में सदा विजय प्राप्त करते है
ग) अपने अधिकार को प्राप्त करने के लिए जान की बाजी लगा देते हैं
घ) अत्यधिक ताकतवर

4– कवि के अनुसार न्यायोचित अधिकार माँगने से भी नहीं मिलने पर क्या करना चाहिए-

(क) उसे यू ही छोड़ देना चाहिए
(ख) कोई प्रयास नहीं करना चाहिए
(ग) दुःख प्रकट करने के लिए रो लेना चाहिए
(घ) उसे प्राप्त करने के लिए युद्ध करना चाहिए

5- आपके अनुसार उपरोक्त काव्यांश किस बारे में सोचने पर विवश करता है ?

(क) युद्ध
(ख) युद्ध और शांति
(ग) अधिकार
(घ) शक्ति प्रदर्शन

काव्यांश-6

नए युग में विचारों की नई गंगा कहाओ तुम,
कि सब कुछ जो बदल दे, ऐसे तूफ़ाँ में नहाओ तुम।
अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड़ सकते हो
अगर तुम ठान लो तारे गगन के तोड़ सकते हो,
अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने-
सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो,
तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है-
उसी विश्वास को फिर आज जन-जन में जगाओ तुम।
पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे,
करोड़ों दीन-हीनों को नया जीवन दिला दोगे।
तुम्हारी देह के श्रम-सीकरों में शक्ति है इतनी-
कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे।
नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है
इशारा कर वही इस देश को फिर लहलहाओ तुम।

1-यदि भारतीय नवयुवक दृढ़ निश्चय कर लें, तो क्या नहीं कर सकते हैं ?

क) वे विपदाओं का रास्ता बदल सकते हैं
ख) वे विश्व के इतिहास को बदल सकते है
ग) असंभव कार्य को संभव कर सकते हैं
घ) अपने यश का नया पर्याय जोड़ सकते हैं

2-कवि किस विषय पर चर्चा कर रहे हैं जब वे कहते हैं "नए युग में विचारों की नई गंगा कहाओ तुम"?

क) विचारों की महत्ता
ख) युगों की परिवर्तनशीलता
ग) नई पीढ़ी के सामरिक विचार
घ) आध्यात्मिकता के प्रतीक

3–'अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने- सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो' - इसका अर्थ क्या है?

क) आधुनिक युग में युवाओं की महत्ता
ख) नवीनतम विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रभाव
ग) कला और साहित्य के महत्व
घ) संघर्ष और सफलता की कथा

4-कवि इस कविता में किस विषय पर जोर दे रहे हैं?

क) स्वावलंबन और उत्कृष्टता
ख) सामाजिक न्याय और समानता
ग) स्वतंत्रता और देशप्रेम
घ) युगानुसारी परिवर्तनशीलता

5-कवि क्या कह रहे हैं जब वे कहते हैं "तुम्हारी देह के श्रम-सीकरों में शक्ति है इतनी- कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे"?

क) मेहनत और संघर्ष की महत्ता
ख) व्यक्तिगत उन्नति और सफलता
ग) नये आयामों की प्राप्ति
घ) खुद को परिवर्तित करने की क्षमता

<u>काव्यांश-7</u>

जून का महीना झुलसते दिन रात, और उधर मसूरी में रिमझिम बरसात!
मैं व्यंग्य से मुस्कराया और पास बैठे बेटे को समझाया
बेटा ! तू भी मसूरी सा बन, जलते रेगिस्तान में नंदनवन सा तन
लोगों की आहों से एक फव्वारा बना और उसमें खूब नहा!
पानी के खेल खेल, झरने बहा, घर सजा, श्रृंगार कर
झुलसने दे अभागों को, तू अपना घर भर !
सुनकर यह व्यंग्य की बोली, मसूरी चीखकर बोली-
सुन ! न तो मैं आग बरसाती हूँ, न किसी को तपाती हूँ
ये तो तुम्हारी ही आहें हैं, जो किसी बड़े का कंधा खोजती हैं
जिस पर सर रखकर वे रो सकें!
और मैं ! जिसे तुम अपनी आहों का शोषक कहते हो
मैं तुम्हारी आहों को आँखों में बसाती हूँ
उनमें डूबती हूँ छटपटाती हूँ
उनमें बसे आँसुओं को अपनी आँखों में लिए बरस जाती हूँ।
फिर भी तुम मेरे वक्ष पर मँडराते मेघों को कहते हो मेरा श्रृंगार ।
दरअसल जब भी कोई किसी के दुख-दर्द को गले लगाता है
बहुत प्यारा हो जाता है, उसके नयनों का पोर पोर उज्ज्वल हो जाता है।
और फिर मैं तुम्हारे जल को खुद कहाँ पीती हूँ
पूरा का पूरा झर जाती हूँ, तुम्हारे लिए एक नदी बनाती हूँ

झरने बहाती हूँ, पेड़, पत्तियाँ और फूल उगाती हूँ
फिर भी अपनी महिमा कहाँ गाती हूँ!

1. कवि किस स्थिति को देखकर व्यंग्य करता है?

(क) मसूरी के भीम को देखकर
(ख) मसूरी की गर्मी को देखकर
(ग) भीषण गर्मी में मसूरी की ठंडक देखकर
(घ) मसूरी का शोषण देखकर

2. कवि ने अपने बेटे को क्या प्रेरणा दी?

(क) शोषक बनकर आनंद मनाने की
(ख) शोषण नष्ट करने की
(ग) शोषण से दूर रहने की
(घ) मसूरी का शोषक रूप समझने की।

3. आशय स्पष्ट कीजिए→'मैं तुम्हारी आहों को आँखों में बसाती हूँ' –

(क) मैं तुम्हारी पीड़ाओं को निहारती हूँ
(ख) मैं तुम्हारी पीड़ाओं को प्रेम करती हूँ
(ग) मैं तुम्हारी पीड़ाओं को अपने हृदय में धारण करती हूँ।
(घ) मैं तुम्हारी पीड़ाओं को समझती हूँ

4. बड़ा व्यक्ति कौन होता है, जो–

(क) दुखियों को गले लगाता है।
(ख) दुखियों की सुनता है।
(ग) दुखियों का नेतृत्व करता है।
(घ) दुखियों को प्रेरित करता है।

5. **कथन (क)** - मसूरी जन-शोषक नहीं, जग पालक है।

कारण (R) -वह दूसरों की पीड़ा से द्रवित होकर सबकी प्यास बुझाती है।

(क) कथन सत्य है किंतु कारण असत्य है।
(ख) कथन असत्य है किंतु कारण सत्य है।
(ग) कथन और कारण दोनों असत्य हैं।
(घ) कथन और कारण दोनों सत्य हैं।

<u>काव्यांश-8</u>

वीर जवानो, सुनो तुम्हारे सम्मुख एक सवाल है।
जिस धरती को तुमने सींचा अपने खून-पसीनों से
हार गई दुश्मन की गोली वज्र सरीखे सीनों से।
जब-जब उठीं तुम्हारी बाँहें, होता वश में काल है।
जिस धरती के लिए सदा तुमने सब कुछ कुर्बान किया
शूली पर चढ़-चढ़ हँस-हँस कर कालकूट का पान किया।
जब-जब तुमने कदम बढ़ाया, हुई दिशाएँ लाल हैं।
उस धरती को टुकड़े-टुकड़े करना चाह रहे दुश्मन
बड़े गौर से अजब तुम्हारी चुप्पी थाह रहे दुश्मन
जाति-पाँति, वर्गों-फिरकों के वह फैलाता जाल है।
कुछ देशों की लोलुप नजरें लगी तुम्हारी ओर हैं।
कुछ अपने ही जयचंदों के मन में बैठा चोर है।
सावधान कर दो उसको जो पहने कपटी खाल है।

1. आशय स्पष्ट कीजिए→जब-जब उठीं तुम्हारी बाँहें, होता वश में काल है।

(क) जब भी तुम जय-जयकार करते हो, सब कुछ तुम्हारे वश में हो जाता है।
(ख) जब भी तुम संघर्ष करने को तैयार होते हो, मौत भी घबरा जाती है।
(ग) जब तुम समर्पण कर देते हो तो मृत्यु भी वरदान देती है।
(घ) जब तुम समर्थन करते हो तो मौत भी गुलाम हो जाती है।

2. देश के शत्रु क्या करना चाहते हैं?

(क) हिंसा फैलाना
ख) देश पर कब्जा करना
(ग) देश को तोड़ना
घ) भेदभाव फैलाना

3. 'जयचंद' का आशय है-

(क) मूर्ख
(ख) गुलाम
ग) विदेशी शत्रु
घ) देश के गद्दार

4. अपने ही जयचंद किन्हें कहा गया है?

(क) ऐसे लोग जो देश में रहते हुए भी विदेशी इशारों पर देशद्रोह कर रहे हैं।

(ख) लोग जो देश को तोड़ रहे हैं।

(ग) लोग जो अपने स्वार्थवश शत्रुओं को भारत में बुला रहे हैं।

(घ) ऐसे लोग जो विदेश में रहकर भारत के विरुद्ध षड्यंत्र कर रहे हैं।

5. कथन (क) - जयचंद वे हैं जो विदेशी धरती से आए हैं। कारण (R) - उनकी आस्था देश में नहीं, विदेश में है।

(क) कथन सत्य किंतु कारण असत्य है।
(ख) कथन असत्य किंतु कारण सत्य है।

(ग) कथन और कारण दोनों सत्य हैं।
(घ) कथन और कारण दोनों असत्य हैं।

<u>काव्यांश-9</u>

हम जंग न होने देंगे।
हम जंग न होने देंगे।
विश्व-शांति के हम साधक हैं, जंग न होने देंगे।
कभी न खेतों में फिर खूनी खाद फलेगी,
खलिहानों में नहीं मौत की फसल खिलेगी
आसमान फिर कभी न अंगारे उगलेगा,
एटम बम से नागासाकी नहीं जलेगी,
युद्धविहीन विश्व का सपना भंग न होने देंगे।
जंग न होने देंगे।
हथियारों के ढेरों पर जिनका है डेरा,
मुँह में शांति, बगल में बम, धोखे का फेरा
कफ़न बेचने वालों से कह दो चिल्लाकर
दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा
कामयाब हो उनकी चालें, ढंग न होने देंगे।
जंग न होने देंगे।
हमें चाहिए शांति, जिंदगी हमको प्यारी
हमें चाहिए शांति, सृजन की है तैयारी
हमने छेड़ी जंग भूख से, बीमारी से
आगे आकर हाथ बँटाए दुनिया सारी।
हरी-भरी धरती का खूनी रंग न होने देंगे।
जंग न होने देंगे।
भारत-पाकिस्तान पड़ोसी, साथ-साथ रहना है,
प्यार करें या वार करें, दोनों को ही सहना है,
तीन बार लड़ चुके लड़ाई, कितना महँगा सौदा,

रूसी बम हो या अमेरिकी, खून एक बहना है।

जो हम पर गुजरी बच्चों के संग न होने देंगे।

जंग न होने देंगे।

1.कवि की दृष्टि में, शांति के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक क्या है?

क) युद्धविहीनता
ख) सशक्त सेना
ग) आरामपूर्ण जीवन
घ) व्यापारिक समझौता

2.कवि क्या कहना चाह रहे हैं जब उन्होंने "मुँह में शांति, बगल में बम, धोखे का फेरा" कहा है?

क) अभिशाप स्वरूप युद्ध
ख) अवस्थाई शांति
ग) सच्ची शांति
घ) कार्यक्षमता की अभावता

3.कवि ने किस संदेश को दिया है जब उन्होंने "भारत-पाकिस्तान पड़ोसी, साथ-साथ रहना है" कहा है?

क) आपसी समझदारी
ख) सद्भाव
ग) व्यापारिक संबंध
घ) विरोधाभास दूर करना

4.कवि के अनुसार, शांति के लिए सबसे अधिक कौन जिम्मेदार है?

क) सरकार
ख) सेना
ग) युद्धास्त्र उत्पादक
घ) हम सभी

5.कवि ने किस साधन का उल्लेख करते हुए कहा है "हमने छेड़ी जंग भूख से, बीमारी से"?

क) आरामदायक जीवन
ख) गरीबी निवारण
ग) खुशहाली की खोज
घ) स्वस्थ रहने का अधिकार

<u>काव्यांश-10</u>

क्या रोकेंगे प्रलय मेघ ये, क्या विद्युत-घन के नर्तन,
मुझे न साथी रोक सकेंगे, सागर के गर्जन-तर्जन।
मैं अविराम पथिक अलबेला रुके न मेरे कभी चरण,
शूलों के बदले फूलों का किया न मैंने मित्र चयन।
मैं विपदाओं में मुसकाता नव आशा के दीप लिए ।
फिर मुझको क्या रोक सकेंगे, जीवन के उत्थान-पतन।
आँधी हो, ओले-वर्षा हों, राह सुपरिचित है मेरी,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये जग के खंडन-मंडन।
मैं अटका कब, कब विचलित मैं, सतत डगर मेरी संबल।
रोक सकी पगले कब मुझको यह युग की प्राचीर निबल।
मुझे डरा पाए कब अंधड़, ज्वालामुखियों के कंपन,
मुझे पथिक कब रोक सके हैं, अग्निशिखाओं के नर्तन।
मैं बढ़ता अविराम निरंतर तन-मन में उन्माद लिए,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये बादल-विद्युत नर्तन।

1. प्रलय मेघ और विद्युत-घन के नर्तन को किस विषय से तुलना की जा सकती है?

क) प्राकृतिक आपदा
ख) कल्पना और सौंदर्य
ग) जीवन की उच्चता और नीचता
घ) समाजिक न्याय और समरसता

2. कवि किस प्रकार का व्यक्ति है जो अप्रत्याशित परिस्थितियों में भी आगे बढ़ता है?

क) अविनयी
ख) निष्कपट
ग) साहसिक
घ) अनुभवशील

3. कवि के मन की स्थिति क्या होती है जब उसे परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है?

क) अनिश्चितता
ख) निर्धारितता
ग) आत्मविश्वास
घ) विनम्रता

4. कवि क्या व्यक्त करना चाहते हैं जब वे कहते हैं "मुझे डरा पाए कब अंधड़, ज्वालामुखियों के कंपन"?

क) अद्‌वितीयता
ख) बहादुरी
ग) निर्भयता
घ) विरोध

5. कवि इस कविता में किसी विषय के बारे में क्या कह रहे हैं?

क) मनुष्य की क्रांतिकारी शक्ति
ख) अप्रत्याशित और अप्रभावित होने की सामर्थ्य
ग) प्रकृति की प्रतिरोधी ताकतों के बारे में
घ) निरंतर बढ़ते और विकास करने की क्षमता

उत्तरमाला

काव्यांश-1
1. घ
2. क
3. ख
4. क
5. ग

काव्यांश-2
1. ग
2. क
3. ख
4. घ
5. ग

काव्यांश-3
1. ख
2. क
3. क
4. ग
5. ग

काव्यांश-4
1. ख
2. ग
3. घ
4. क
5. ग

काव्यांश-5
1. क
2. घ
3. ग
4. घ
5. ग

काव्यांश-6
1. घ
2. क
3. घ
4. ग
5. ख

काव्यांश-7
1. ग
2. क
3. ग
4. क
5. घ

काव्यांश-8
1. ख
2. ख
3. क
4. क
5. ख

काव्यांश-9
1. क
2. क
3. ख
4. घ
5. ख

काव्यांश-10
1. ख
2. ग
3. ग
4. ग
5. घ

अभिव्यक्ति और मध्यम

पाठ 3. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन

(बहुविकल्पीय प्रश्न उत्तर सहित)

1. निम्नलिखित में से जनसंचार माध्यम है....

   क) समाचार – पत्र

   ख) पत्रिकाएं

   ग) इंटरनेट

   घ) उपरोक्त सभी

   उत्तर – घ

2. श्रव्य जनसंचार माध्यम कौन – सा है ?

   क) समाचार – पत्र

   ख) रेडियो

   ग) इंटरनेट

   घ) उपरोक्त सभी

   उत्तर – ख

3. भारत में पहला छापखाना कहां पर स्थापित किया गया ?

   क) पांडिचेरी

   ख) दिल्ली

   ग) गोवा

   घ) मुंबई

   उत्तर – ग

4. निम्न में से उल्टा पिरामिड शैली का अंग है ...

   क) बॉडी

   ख) इंट्रो

   ग) समापन

   घ) उपरोक्त सभी

   उत्तर – घ

5. उल्टा पिरामिड शैली में समाचार को कितने भागों में बांट दिया जाता है ?

   क) दो

   ख) तीन

   ग) चार

   घ) पांच

   उत्तर– ख

6. समाचार पत्र प्रकाशित करने के लिए आखिरी समय सीमा दी जाती है उसे क्या कहते है ?

क) यलो लाइन

ख) रैड लाइन

ग) डैड लाइन

घ) ग्रीन लाइन

उत्तर – ग

7. क्रिकेट मैच का प्रसारण किस प्रकार से होता है ?

क) सीधा प्रसारण (लाइव)

ख) फोन इन

ग) एंकर बाइट

घ) एंकर पैकेज

उत्तर – क

8. टेलीविजन के लिए खबर लिखने की मौलिक शर्त क्या होती है ?

क) क्लिष्ट भाषा में लेखन

ख) साहित्यिक भाषा में लेखन

ग) गांव की भाषा में लेखन

घ) दृश्य के साथ लेखन

उत्तर – घ

9. प्रिंट माध्यम का उदाहरण है....

क) अखबार

ख) पत्रिकाएं

ग) किताब

घ) उपरोक्त सभी

उत्तर – घ

10. मुद्रण का आरंभ किस देश में हुआ था ?

क) भारत

ख) जापान

ग) अमेरिका

घ) चीन

उत्तर – घ

11. भारत में पहले छापखाने की शुरुआत कब हुई थी ?

क) सन 1456

ख) सन 1465

ग) सन 1556

घ) सन 1565

उत्तर – ग

12. मुद्रित या प्रिंट माध्यम की विशेषता है …

क) यह लिखित भाषा का विस्तार है।

ख) यह चिंतन, विचार और विश्लेषण का माध्यम है।

ग) उपरोक्त दोनों सही है।

घ) उरोक्त में से कोई भी नहीं ।

उत्तर – ग

13. विश्व स्तर पर इंटरनेट पत्रकारिता का कौन–सा दौर चल रहा है ?

क) तीसरा दौर

ख) चौथा दौर

ग) पांचवा दौर

घ) ग्यारहवां दौर

उत्तर – क

14. विश्व स्तर पर इंटरनेट पत्रकारिता का कौन–सा दौर चल रहा है ?

क) तीसरा दौर

ख) चौथा दौर

ग) पांचवा दौर

घ) दूसरा दौर

उत्तर – घ

15. हिंदी में नेट पत्रकारिता किसके साथ शुरू हुई थी ?

क) हिंदी वार्ता के साथ

ख) अमर उजाला के साथ

ग) वैब दुनिया के साथ

घ) आज कल के साथ

उत्तर – ग

16. वेब साइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय किसे जाता है ?

क) रीडिफ डॉट कॉम

ख) इंडिया इंफोलाइन डॉट कॉम

ग) सीफी डॉट कॉम

घ) तहलका डॉट कॉम

उत्तर – घ

17. कौनसा अखबार प्रिंट रूप में न होकर सिर्फ़ इंटरनेट पर ही उपलब्ध है ?

क) प्रभात खबर

ख) भास्कर

ग) प्रभासक्षी

घ) साक्षी

उत्तर – ग

18. भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का पहला दौर कब आरंभ हुआ था ?

क) 1993 में

ख) 1994 में

ग) 2003 में

घ) 2004 में

उत्तर – क

19. किस माध्यम में दृश्य का अधिक महत्व होता है ?

क) रेडियो

ख) अखबार

ग) इंटरनेट

घ) टेलीविजन

उत्तर – घ

20. समाचार लेखन की कौनसी शैली प्रभावशाली है ?

क) सीधा पिरामिड शैली

ख) उल्टा पिरामिड शैली

ग) वर्णनात्मक शैली

घ) विवेचनात्मक शैली

उत्तर – ख

अभिव्यक्ति और मध्यम

पाठ 4. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन

(बहुविकल्पीय प्रश्न उत्तर सहित)

1. पत्रकार कितने प्रकार के होते है ?

क) दो

ख) तीन

ग) चार

घ) पांच

उत्तर – ख

2. समाचार संगठन में काम करनेवाले नियमित वेतनभोगी पत्रकार को क्या कहते हैं ?

क) पूर्णकालिक पत्रकार

ख) अंशकालिक पत्रकार

ग) फ्री लांसर पत्रकार

घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर – क

3. निश्चित मानदेय पर काम करनेवाले पत्रकार को क्या कहते हैं?

क) पूर्णकालिक पत्रकार

ख) अंशकालिक पत्रकार

ग) फ्री लांसर पत्रकार

घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर – **ख**

4. भुगतान के आधार पर विभिन्न अखबारों के लिए लिखनेवाले पत्रकार को क्या कहते है ?

क) पूर्णकालिक पत्रकार

ख) अंशकालिक पत्रकार

ग) फ्री लांसर पत्रकार

घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर – **ग**

5. पत्रकारीय लेखन में किस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया जाता है ?

क) संस्कृतनिष्ठ भाषा

ख) अलंकारिक भाषा

ग) मिश्रित भाषा

घ) आम बोलचाल की भाषा

उत्तर – **घ**

6. समाचार लेखन में कितने ककार का प्रयोग होता है ?

क) तीन

ख) चार

ग) पांच

घ) छह

उत्तर – **घ**

7. इंट्रो में कितने ककारो का प्रयोग होता है ?

क) एक या दो

ख) दो या तीन

ग) तीन या चार

घ) चार या पांच

उत्तर – **ग**

8. समाचार लेखन की सर्वश्रेष्ठ शैली कौनसी है ?

क) विश्लेषणात्मक

ख) विवेचनात्मक

ग) सीधा पिरामिड

घ) उल्टा पिरामिड

उत्तर – **घ**

9. निम्न में से उल्टा पिरामिड शैली का अंग है …

क) बॉडी

ख) इंट्रो

ग) समापन

घ) उपरोक्त सभी

उत्तर – घ

10. समाचार पत्र की आवाज किसे माना जाता है ?

क) आलेख को

ख) स्तंभ को

ग) संपादक के नाम पत्र को

घ) संपादकीय को

उत्तर – घ

11. फीचर का उद्देश्य है ……

क) सूचना देना

ख) शिक्षित करना

ग) मनोरंजन करना

घ) उपरोक्त सभी

उत्तर – घ

12. फीचर की निम्नलिखित विशेषता है …

क) सृजनात्मकता

ख) सुव्यवस्थितता

ग) आत्मनिष्ठता

घ) उपरोक्त सभी

13. समाचार पत्रों में छपने वाले फीचर में कितने शब्द होने चाहिए ?

क) 250 से 2000 शब्द

ख) 350 से 3500 शब्द

ग) 550 से 7500 शब्द

घ) 100 से 150 शब्द

उत्तर – क

14. भ्रष्टाचार अनियमितताओं और गड़बड़ियों को उजागर करने रिपोर्ट को क्या कहा जाता है ?

क) खोजी रिपोर्ट

ख) इन डेप्थ रिपोर्ट

ग) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट

घ) विवरणात्मक रिपोर्ट

उत्तर – क

15. तथ्यों, सूचनाओं और आंकड़ों की गहरी छानबीन करने वाली रिपोर्ट को क्या कहा जाता है ?

क) खोजी रिपोर्ट

ख) इन डेप्थ रिपोर्ट

ग) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट

घ) विवरणात्मक रिपोर्ट

उत्तर – ख

16. स्तंभ में किसके विचार होते है ?

क) समाचार पत्र के

ख) लिखने वाले लेखक के

ग) संपादक के

घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर – ख

17. पत्रकारीय लेखन के लिए कच्चा माला किससे प्राप्त होता है ?

क) फीचर से

ख) स्तंभ से

ग) आलेख से

घ) साक्षात्कार से

उत्तर – घ

18. वह लेख, जिसमें किसी मुद्दे के प्रति समाचारपत्र की अपनी राय प्रकट होती है ….

क) आलेख को

ख) स्तंभ को

ग) संपादक के नाम पत्र को

घ) संपादकीय को

उत्तर – घ

19. साक्षात्कार लेने वाला पत्रकार होना चाहिए….

क) संवेदनशील

ख) कूटनीतिज्ञ

ग) धैर्य और साहसी

घ) उपरोक्त सभी

उत्तर – घ

अभिव्यक्ति और मध्यम

पाठ 5. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन

(बहुविकल्पीय प्रश्न उत्तर सहित)

1. **विशेष लेखन कहलाता है?**

क) सामान्य लेखन से हटकर किसी विशेष विषय पर किया गया लेखन

ख) किसी विषय पर लिखा गया रचनात्मक लेखन

ग) किसी विषय पर किया गया क्रियात्मक लेखन

घ) किसी भी विषय पर किया गया गतिशील लेखन

उत्तर क) सामान्य लेखन से हटकर किसी विशेष विषय पर किया गया लेखन

2. **संवाददाताओं की रुचि और ज्ञान को ध्यान में रखकर उनके काम के विभाजन को क्या कहते हैं?**

क) सेट ख) नीट ग) बीट घ) रीपीट

उत्तर : ग) बीट

3. **विशेष लेखन के कितने क्षेत्र हैं?**

क) एक ख) दो ग) चार घ) अनेक

उत्तर : घ) अनेक

4. **विशेष लेखन के लिए किस प्रकार की भाषा शैली अपेक्षित है?**

क) साहित्यिक भाषा ख) सहज, सरल तथा बोधगम्य भाषा

ग) बाजारू भाषा घ) हिन्दी उर्दू मिश्रित भाषा

उत्तर : ख) सहज, सरल तथा बोधगम्य भाषा

5. **इनमें से विशेष लेखन का कौन-सा क्षेत्र नहीं है?**

क) सिनेमा ख) मनोरंजन ग) स्वास्थ्य घ) समाचार

उत्तर : ड) समाचार

6. **कारोबार और व्यापार से संबंधित खबर का सम्बन्ध किससे है?**

क) खेल क्षेत्र से ख) कृषि क्षेत्र से ग) आर्थिक क्षेत्र घ) राजनीतिक क्षेत्र

उत्तर : ग) आर्थिक क्षेत्र

7. **इनमें से कौन-सा शब्द क्रिकेट जगत का है?**

क) हिट विकेट ख) स्पिन ग) रन घ) उपरोक्त सभी

उत्तर : घ) उपरोक्त सभी

8. इनमें से कौन-सा शब्द आर्थिक क्षेत्र से सम्बन्धित नहीं है?

क) तेजड़िए ख) बिकवाली ग) मंदड़िए घ) रन आउट

उत्तर : घ) रन आउट

9. भारत में कौन-सा खेल अधिक लोकप्रिय है?

क) फुटबाल ख) क्रिकेट ग) वॉलीबाल घ) टेनिस

उत्तर : ख) क्रिकेट

10. विशेष लेखन के लिए एक विशेष जगह दी जाती है उसे क्या कहते है?

क) बेंच ख) डेस्क ग) टेबल घ) उपरोक्त सभी

उत्तर : ख) डेस्क

11. बीट कवर करने वाले रिपोर्टर को क्या कहते है ?

क) संवाददाता ख) विज्ञापन करनेवाला

ग) समाचार पढ़नेवाला घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

उत्तर : क) संवाददाता

12. विशेष लेखन में कौन-कौन से क्षेत्र आते है ?

क) शिक्षा ख) कृषि ग) फ़िल्म-मनोरंजन घ) उपरोक्त सभी क्षेत्र आते है

उत्तर : घ) उपरोक्त सभी क्षेत्र आते है

13. सामान्य पत्रकारिता के तुलना में कौनसी पत्रकारिता अधिक जटिल होती है ?

क) आर्थिक मामलों से जुडी ख) खेल जगत से जुडी

ग) मनोरंजन जगत से जुडी घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

उत्तर : क) आर्थिक मामलों से जुडी

14. सूचनाओं के स्त्रोत कौन-कौन से है?

क) मंत्रालय के सूत्र ख) प्रेस कांफ्रेंस और साक्षात्कार

ग) इंटरनेट और दुसरे संचार माध्यम घ) उपरोक्त सभी

उत्तर: घ) उपरोक्त सभी

15. खबरें किस प्रकार की हो सकती हो सकती है ?

क) राजनीतिक

ख) अपराध

ग) खेल

घ) उपरोक्त सभी प्रकार की हो सकती है

उत्तर: घ) उपरोक्त सभी प्रकार की हो सकती है

16. गुगली यह शब्द किस खेल से संबंधित है ?

क) बेस बॉल ख) हॉकी ग) क्रिकेट घ) चेस

उत्तर: ग) क्रिकेट

17. ' शेयर बाज़ार में भारी गिरावट आती है ' यह वाक्य किस विशेष लेखन के क्षेत्र से जुड़ी है ?

क) कृषि क्षेत्र से   ख)खेल क्षेत्र से
ग) रक्षा क्षेत्र से   घ) अर्थ–व्यापार क्षेत्र से

उत्तर: घ) अर्थ–व्यापार क्षेत्र से

18. कारोबार और अर्थ जगत जुड़ी खबरें किस शैली में लिखी जाती है?
क) उल्टा पिरामिड शैली
ख) सीधा पिरामिड शैली
ग) उपरोक्त दोनों
घ)उपरोक्त में से कोई भी नहीं

उत्तर: क) उल्टा पिरामिड शैली

19. आर्थिक मामलों के पत्रकार की चुनौतियाँ क्या होती है?
क) आम लोगों को इसकी शब्दावली का अर्थ पता नहीं होता है।
ख) आर्थिक मामलों की पत्रकारिता सामान्य पत्रकारिता की तुलना में काफी जटिल होती है ।
ग) सामान्य पाठक और जानकर पाठक दोनों को भली–भांति संतुष्ट करना
घ) उपरोक्त सभी

उत्तर: घ) उपरोक्त सभी

20. निम्न में से कौन–सी शब्दावली कारोबार और व्यापार से जुड़ी नहीं है?
क) आयत–निर्यात
ख) आवक
ग) निवेश
घ) तूफ़ान का केंद्र

उत्तर घ) तूफ़ान का केंद्र

21. विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए क्या जरूरी हैं?
क) पुस्तके पढ़ना
ख) सरकारी –गैरसरकारी संगठनों से संपर्क रखना
ग) स्वयं को अपडेट रखना
घ) उपरोक्त सभी सही है
उत्तर : घ) उपरोक्त सभी सही है

22. पश्चिमी हवाएँ किस क्षेत्र विशेष से जुड़ी शब्दावली है ?

क) रक्षा

ख) पर्यावरण

ग) व्यापार

घ) कानून

उत्तर : ख) पर्यावरण

23. निम्न लिखित में से कौन–सी शब्दावली खेल जगत से जुड़ी हैं?

क) शेयर बाजार में उछाल आ गया।

ख) आवक बढ़ने से लाल मिर्च के दामों पर असर

ग) सेंसेक्स आसमान पर

घ) चैंपियंस कप में मलेशिया ने जर्मनी के आगे घुटने टेक।

उत्तर : घ) चैंपियंस कप में मलेशिया ने जर्मनी के आगे घुटने टेक।

24. जिन रिपोर्टरों द्वारा विशेषीकृत रिपोर्टिंग की जाती है, उन्हें क्या कहा जाता है ?

क) विशेष संवाददाता

ख) संपादक

ग)मुखबिर

घ) संवाददाता

उत्तर: क) विशेष संवाददाता

25. निम्न में से कौन–सी शब्दावली कारोबार एवम व्यापार क्षेत्र से जुड़ी नहीं है?

क) मुद्रा – स्फीति

ख) निवेशक

ग) ग्लोबल वार्मिग

घ) व्यापार घाटा

उत्तर : ग) ग्लोबल वार्मिग

26. विशेष लेखन क्यों किया जाता है ?

क) पाठकों की व्यापक रुचियों को ध्यान में रखते हुए उनकी जिज्ञासा शांत करने के लिए।

ख) क्षेत्र विशेष की जानकारी सामने लाने के लिए।

ग) इससे समाचार–पत्रों में विविधता आती है।

घ) उपरोक्त सभी

उत्तर : घ) उपरोक्त सभी

27. निम्न में से कौन सी शब्दावली पर्यावरण से जुड़ी तकनीकी शब्दावली नहीं है ?

क) भारत ने पाकिस्तान को हराया
ख) टोक्सिक कचरा
ग) आद्रता
घ) ग्लोबल वार्मिंग

उत्तर : क) भारत ने पाकिस्तान को हराया

28. तेजड़िए किस क्षेत्र से संबंधित शब्द है ?

क) व्यापार ख) खेल ग) कृषि घ) पर्यावरण

उत्तर : क) व्यापार

29. इनमें से विशेष लेखन का कौन–सा क्षेत्र नहीं है?

क) सिनेमा ख) मनोरंजन ग) समाचार घ) खेल

उत्तर: ग) समाचार

30. विशेष लेखन के कौन–कौन से क्षेत्र महत्वपूर्ण हैं?

क) स्वास्थ्य
ख) अर्थ –व्यापार
ग) पर्यावरण
घ) उपरोक्त सभी

उत्तर: घ) उपरोक्त सभी

पाठ – एक – पठित गद्यांश) संख्या एक - भक्तिन - अंक (5

निम्नलिखित गद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों का चयन किजिये –

भक्तिन का दुर्भाग्य भी उससे कम हठी नहीं था इसी से किशोरी से युवती ह्होते ही बड़ी लड़की , भैयुह से पार न पा सकने वाले जेठों और काकी को परस्त करने के लिए कटिबद्ध | भी विधवा हो गई विधवा बहिन के विवाह के लिए बड़ा जिठोत अपने ति | जिठौत्त ने आशा की एक किरण देख पाईतर लड़ने वाले सेल को बुला लायाभक्तिन | क्योकि उसका गठबंधन हो जाने पर सबकुछ उन्हीं के अधिकार में रहता , बाहर के बहनोई का | इसी से उसने वर को नापसंद कर दिया , लड़की भी माँ से कम समझदार नहीं थी की -यह प्रस्ताव जहाँ :अत , आना चचेरे भईयों के लिए सुविधाजनक नहीं थाकातब वे दोनों | तहां रह गया - की " तेरा मेहमान मान न मान में " भाल करने लगी और-माँ बेटी खूब मन लगाकर अपनी संपत्ति की देख किसी प्रकार पति की पदवी पर अभिषिक्त करने -न-कहावत चरितार्थ करने वाले वर के समर्थक उसे किसी | का उपाय सोचने लगे

1. लेखिका ने किसे हठी बताया ?
   (क) स्वयं के भाग्य को भक्तिन की लकड़ी (घ) भक्तिन को (ग) भक्तिन के दुर्भाग्य को (ख) को

2. | " त ने आशा की एक किरण देख पाईजिठो"यहाँ किस किरण की बात की गई है ?
   (क) भक्तिन की सारी संपत्ति को हडपने का मौका नजर आया |
   (ख) भक्तिन के दुसरे विवाह का अवसार दिखाई दिया |
   (ग) भक्तिन की बड़ी लड़की के दूसरे विवाह का अवसर दिखाई दिया |
   (घ) भक्तिन को निचा दिखने का अवसर दिखाई दिया |

3. भक्तिन की लड़की ने वर नापसंद कर दिया ? क्यों |
   (क) वह दूसरा विवाह नहीं करना चाहती थी |
   (ख) भक्तिन ने मना कर दिया था
   (ग) वर आवारा और तितर लड़ाने वाला था |
   (घ) उसे कोई और पसंद था |

4. ? कहावत का क्या अर्थ है " मान न मान मैं तेरा मेहमान "
   (क) जबरदस्ती मेहमान बनना
   (ख) मेहमान के मान सम्मान का पूरा ध्यान रखना-
   (ग) जबरदस्ती घनिष्ठता बढ़ाना
   (घ) किसी को भी मेहमान मान लेना |

5. भक्तिन की लड़की भी माँ से कम समजदार नहीं थी – इस कथन से स्पष्ट होता है कि |
   (क) भक्तिन समझदार थी
   (ख) भक्तिन की लड़की समझदार थी
   (ग) भक्तिन और उसकी लड़की दोनों ही समझदार थी
   (घ) सभी विकल्प सही है |

उत्तर संकेत 1-ख, 2-ग, 3-ग, 4-ग, 5-घ

पाठ – एक – पठित गद्यांश) संख्या दो - भक्तिन - अंक (5

<u>निम्नलिखित गद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों का चयन किजिये –</u>

दिन भरके कार्यभार से छुट्टी पाके जब में कोई लेख समाप्त करने या भाव को छन्द बद्-ध करने बैठती हूँमेरी हिरनी सोना तख़्त के पीटने फर्श पर बैठ कर पागुर ,तब छात्रावास की रौशनी बुझ चुकती है , कुत्ता बसंत छोटी मचिया पर पंजों में मुख रख कर आँखें मूंद लेता है और बिल्ली , करना बंद कर देती है | गोधुली मेरे तकिये पर सिकुड़ कर सो रहती है

पर मुझे रात की निस्तब्धता में अकेली न छोड़ने के विचार से कोने में दरी के आसन पर बैठकर बिजली की चकाचौंध से आँखे मिचवह ऊंघती भी | प्रशांत भाव से जागरण करती है ,मिचाती हुई भक्तिन- | क्योकि मेरे सिर उठाते ही उसकी धुंधली दृष्टि मेरी आँखों का अनुसरण करने लगती है ,नहीं

1. भ “ाव को छंद बढ करने बैठती हूँ -”से किस प्रकार की ध्वनी निकलती है ?
   (क) डायरी लिखने की
   (ख) कविता लिखने की
   (ग) लेख लिखने की
   (घ) अनुभव लिखने की

2. – “ तब छात्रावास की रौशनी बुझ चुकती है “ पंक्ति का आशय है :
   (क) बिजली गुल होना
   (ख) रात अधिक होना
   (ग) अँधेरा होना
   (घ) छात्रावास में बिजली का न होना

3. गद्यांश के अनुसार लेखिका का जानवरों के प्रति किस प्रकार का भाव अभिव्यक्त हो रहा है ?
   (क) प्रेम का
   (ख) वास्तलय का
   (ग) करुणा का
   (घ) दया का

4. गद्यांश के अनुसार भक्तिन का लेखिका के प्रति किस प्रकार का भाव अभिव्यक्त होता है ?
   (क) सहयोग का भाव
   (ख) दास्य भाव
   (ग) स्वामी भक्ति-
   (घ) समर्पण का भाव

5. रात अधिक हो जाने के बाद भी भक्तिन जागने का प्रयास क्यों करती रहती थी ?
   (क) जानवरों तथा लेखिका की देख रेख के लिए-
   (ख) रौशनी में नींद नहीं आने से
   (ग) लेखिका की जरुरत को पूरा करने के लिए
   (घ) लेखिका को अकेली न छोड़ने के विचार से

उत्तर संकेत 1-ख, 2-ख, 3-ग, 4-घ, 5-घ

पाठ – एक – पठित गद्यांश) संख्या तीन - भक्तिन - अंक (5

निम्नलिखित गद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों का चयन किजिये –

सेवक धर्म में हनुमान जी से स्पार्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक – अनामधन्या गोपालिका की कन्या है नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी पर जैसे मेरे ना |म की विशालता मेरे लिए दुर्वह हैवैसे तो | वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बांध सकी , ,पर भक्तिन बहुत समझदार है ;सभी की अपने नाम का विरोधभास लेकर जीना पड़ता है :जीवन में प्राय सूचक नाम किसी को नहीं बत-क्योकि वह अपना समृद्धि◌ाती , थी केवल जब नौकरी की खोज में आई | पर इस प्रार्थना के : तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत के साथ यह भी बता दिया तो में सबसे पहले उसका प्रयोग ,ऊन्नाम रखने की प्रतिभा होती | साथ कि में काभी नाम का उपयोग न करूं इस तथ्य को वह ,अपने ऊपर करतीदेहातिन क्या जानेकंठी माला देखकर उसका नया इसी से जब मैंने , | नामकरण किया तब वह भक्तिन जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गदगद हो उठी

1. लेखिका ने भक्तिन को सेवक? धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा करने वाली क्यों बताया है-
   क. वह हनुमान जी से स्पर्धा करती है |
   ख. वह राम की सेवा हनुमान की तरह करती है |
   ग. वह सेवक धर्म में निपुण है |
   घ. वह लेखिका को राम मानती है |

2. |”किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है“पंक्ति का सही भाव है |
   क. भक्तिन के माता| पिता का देहांत बहुत पहले हो चूका था-
   ख. भक्तिन गोपालिका की कन्या है |
   ग. भक्तिन अंजना की पुत्री है |
   घ. भक्तिन की माता प्रसिद्ध नहीं है फिर भी धन्य है |

3. लेखिका ने अपने नाम की विशालता को दुर्वह क्यों बताया है | सटीक विकल्प का चयन कीजिए ?
   क. लेखिका अपने कार्यो को नामारूप नहीं मानती |
   ख. लेखिका अपने नाम से संतुष्ट नहीं है |
   ग. लेखिका भक्तिन जैसा नाम चाहती हैं |
   घ. लेखिका के नाम सक अर्थ महान देवी होता है |

4. लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बांध सकी | पंक्ति का भाव है |
   क. भक्तिन को कभी धनवान होने का सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ |
   ख. उसके मस्तक की रेखाएं सिकुड़ी हुई है |
   ग. वह कभी समझदारी से काम नहीं करती |
   घ. भक्तिन की समृद्धि का प्रतिक है |

5. ? शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है “ इतिवृत“
   क. जीवन की कहानी
   ख. नाम की विशालता
   ग. ईमानदारी
   घ. कार्य की पराकाष्ठा |

उत्तर संकेत 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-क, 5-क

पाठ – एक – पठित गद्यांश) संख्या चार - भक्तिन - अंक (5

निम्नलिखित गद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों का चयन किजिये –

इस दंड विधान के भीतर कोई धारा नहीं थी जैसी पत्नी से -जिसके अनुसार खोटे सिक्कें की टकसाल, उसके पत्नी प्रेम को बढाकर ही होती , चवाई की परिणति-सारी चुगली | पति को विरक्त किया जा सकता – बात पर धमाधम पीटी-जिठानियाँ बात | थीकूटी जाती पर उसके पति ने उसे कभीऊं ;गली भी नहीं छुआई तिरिक्त परिश्रमी तेजस्विनी और इसके अ | वह बड़े बाप की बड़ी बात वाली बेटी को पहचानता था | क्योकि उसके प्रेम के बल पर ही , रोम से सच्ची पत्नी को वह चाहता भी बहुत रहा होगा-पति के प्रति रोम काम वही क | पत्नी ने अलगोझा करके सबको अंगूठा दिखा दियारती थी -खेत ,भैस-इसलिए गाय , | चढ़ा था-ज्ञान बहुत बाधा अमराई के पेड़ आदि के सम्बन्ध में उसी का ,खलिहान

1. ? कहकर किस पर व्यग्य किया गया है " खोटे सिक्कों की टकसाल"
   क. भक्तिन पर
   ख. लेखिका पर
   ग. समाज पर
   घ. सास पर

2. भक्तिन की ससुराल के कौन से लोग उसकी उपेक्षा करते थे ?
   क. सास ससुर-
   ख. देवर देवरानियाँ-
   ग. उसका पति
   घ. ससुराल के सभी नारी –सदस्य

3. भक्तिन की जेठानियाँ और सास किसके सामने उसकी चुगली किया करती थी ?
   क. उसके पति के सामने
   ख. ससुर के सामने
   ग. पड़ोस की औरतों के सामने
   घ. जेठ के सामने

4. भक्तिन के जेठ अपने पत्नियों को बात बात प्र-क्या किया करते थे ?
   क. लड़ाई
   ख. प्यार
   ग. धमाधम पीटा – कूटा
   घ. समझाया

5. भक्तिन के पति का स्वभाव कैसा था ?
   क. मधुर
   ख. कठोर
   ग. ईर्ष्यालु
   घ. डरावना

उत्तर संकेत 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ग, 5-क

पाठ – दो – बाज़ार दर्शन – पठित गद्यांश) संख्या एक - अंक (5

निम्नलिखित गद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों का चयन किजिये –

मैंने मन में कहा ,सब भूल जाऊ | बाज़ार आमंत्रित करता है की आओ मुझे लूटो और लूटो | ठीक , नहीं कच | मैं तुम्हारे लिए हूँ ?मेरा रूप और किसके लिए है | मुझे देखो चाहते होतो भी देखने में क्या हर्ज , लेकिन ऊंचे | इस आमंत्रण में यह खूबी है कि आग्रह नहीं है आग्रह तिरस्कार जगाता है |अजी आओ भी | है चौक बाज़ार में खड़े | चाह मतलब अभाव | बाज़ार का आमंत्रण मूक होता है और उससे चाह जगती है होकर आदमी को लगने लगता है कि उसके अपने पास काफी नहीं है और चाहिए और चाहिए मेरे यहाँ | कोई अपने को न जाने तो बाज़ार का यह चौक उसे !ओह , कितना परिमित है और यहाँ कितना अतुलित है तृष्णा और ईर्ष्या से घायल करके मनुष्य को , असंतोष | पागल ,विकल क्यों | कामना से विकल बना छोड़े सदा के लिए यह बेकार बनाडाल सकता है |

1. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द का समानार्थी " अतुलित "शब्द हो सकता है ?

(क) अरिहंत

(ख) अथाह

(ग) अभाव

(घ) अक्षय

2. गद्यांश का केंद्रीय भाव है ?

(क) बाज़ार के प्रकार बताना

(ख) बाज़ार न जाने की सलाह

(ग) मनुष्य की तृष्णा को इंगित करना

(घ) मनुष्य पर बाज़ार के जादू का असर

3. निमंलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए |

(क) जब मनुष्य बेचैन हो जाता तब वह बाज़ार की ओर उन्मुख हो जाता है |

(ख) जब मनुष्य तुलना करने लगता है तब असंतोषऔर ईर्ष्या के भाव मनुष्य में उभरते , तृष्णा , | है

(ग) जब मनुष्य को बाज़ार आमंत्रित करता है तब मनुष्य को व्याकुलता इसका कारण होती है |

(घ) जब मनुष्य बाज़ार का तिरस्कार करता है तब वह इसका सही लाभ ले पाता है |

4. कॉलम | से सुमेलित कीजिये और सही विकल्प चुनकर लिखिए 2 को कॉलम 1

कॉलम 1		कॉलम 2	
1	आग्रह का तिरस्कार जागाता	(i)	मौन रहकर कार्य करना
2	बड़े बाज़ार का जादू	(ii)	अपनी तृष्णा को रोकना
3	बाज़ार के जादू से बचने का उपाय	(iii)	इच्छा पूर्ण ना होना

क. 1-(iii), 2- (i), 3-(ii)

ख. 1-(i) , 2- (iii) , 3- (ii)

ग. 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

घ. 1-(ii), 2- (i), 3- (iii)

5. बाज़ार का आमंत्रण कि ? से क्या आशय है " आओ मुझे लूटो"

(क) बाज़ार लूट जाना चाहता है

(ख) बाज़ार की पास वस्तुए बहुत ज्यादा है

(ग) बाज़ार केवल खुद का रूप दिखाना चाहता हैं

(घ) बाज़ार आकर्षित करना चाह रहा है

उत्तर संकेत .1 –ख .2-घ .3-ख .4-क .5-घ

पाठ – दो – बाज़ार दर्शन – पठित गद्यांश) संख्या दो - अंक (5

<u>निम्नलिखित गद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों का चयन किजिये –</u>

ठाठ देखकर मन को बंद रखना पड़ता है , लोभ का यह जीतना नहीं है कि जहाँ लोभ होता है | , आँख अपने फोड़ डाली | यह तो लोभ की ही जीत है और आदमी की हार ! वहां नकार हो , यानी मन में और कौन कहता है कि आँख पर ? ऐसे क्या लोभ मिट जाएगा ? तब लोभनीय के दर्शन से बचे तो क्या हुआ रूप दिखना बंदहो जाएगा भंग -और वे सपने क्या चैन ? आँख बंद करके ही हम सपने नहीं लेते है क्या ? वह अकारथ है यह तो हठवाला |इससे मन को बंद कर डालने की कोशिश तो अच्छी नहीं ? नहीं करते है इससे मन कृश भले हो जाए और पीला और अशक्त जैसे वि | योग नहीं है ,हठ है-ही-शायद हठ | योग हैद्वान् का ज्ञान इससे वह व्यापाक की जगह संकीर्ण और विराट की जगह क्षुद्र होता है | वह मुक्त ऐसे नहीं होता | हम में पूर्णता ? वह मन पूर्ण कब है | रोम मूंदकर बंद तो मन को करना नहीं चाहिए-इसलिए उसका रोम | अप ? होती तो परमात्मा से अभिन्न हम महाशुन्य ही न होते ूर्ण हैसच्चा ज्ञान सदा इसी | हम है इसी से , | सच्चा कर्म सदा अपूर्णता को स्वीकृति के साथ होता है | अपूर्णता की बोध को इस में गहरा करता है

1. लेखक को क्या स्वीकार नहीं है ?
   क. मन को बंद रखना
   ख. मन को खुला रखना
   ग. जीवंतता
   घ. गतिशीलता

2. लोभ की जीत क्या है ?
   क. लोभ पैदा न होने वाले मन को बंद कर देना |
   ख. लोभ पैदा होने वाले मन को बंद कर देना |
   ग. लोभ पैदा होने वाले मन को खुला रखना |
   घ. इच्छाओं और उमंगों का जीवित रखना |

3. ? का क्या आशय है "आँख फोड़ डालने"
   क. संसार की साड़ी गतिविधियों को देख्रते रहना |
   ख. लोभ पैदा होना
   ग. संसार की साड़ी बतिविधियों को अनदेखा कर देना |
   घ. आँख फोड़ डालने से आदमी बेचैन हो जाता है |

4. लेखक के किस हठयोग का तिरस्कार किया है ?
   क. जिसमें हठ न हो
   ख. जिसमें थोडा हठ हो
   ग. जिसमें मन बहुत कमजोर हो
   घ. जिसमें हठ ही हठ हो

5. किस कारण मन कृश ? पीला और अशक्त होजाता है,
   क. हठ न करने से
   ख. लालच करने से
   ग. हठ करने से
   घ. भयभीत होने से

उत्तर संकेत 1-क, 2-ख, 3-ग, 4-घ, 5-ग

पाठ – दो – बाज़ार दर्शन – पठित गद्यांश) संख्या तीन - अंक (5

<u>निम्नलिखित गद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों का चयन किजिये –</u>

वह यह कि बाज़ार जाओ तो खली |सा उपाय है-पर उस जादू की जकड से बचने का एक सीधा पान | कहते है लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए | तब बाज़ार न जाओ ,खली हो ,मन न हो ी भीतर होफैला ही रह -का-मन लक्ष्य में भरा हहहो तो बाज़ार भी फैला +लू का लूपन व्यर्थ हो जाताहै , ,तब बाज़ार तुमसे कृतार्थ होगा | बल्कि कुछ आनंद ही देगा ,तब वह घाव बिलकुल नहीं दे सकेगा| जाएगा बाज़ार को असली कृतार्थ आवश् | कुछ सच्चा लाभ उसे डोज-न-क्योकि तुम कुछयकता के ससमय काम आना |

1. बाज़ार के जादू से बचने का सर्वोत्तम उपाय क्या है ?
   क मन खली न हो
   ख मन खली हो
   ग जेब में पैसे हो
   घ जेब में पैसे न हो

2. बाज़ार की सार्थकता किसमे है ?
   क. जेब भरा रहने में
   ख. जेब खली रहने में
   ग. लोगों की आवश्यकता पूरी करने में
   घ. मन खली न होने पर

3. बाज़ार कब आनंद देने लगता है |
   क. जब बाज़ार लोभ| लालच देता है-
   ख. जब बाज़ार ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करता है |
   ग. जब बाज़ार ग्राहकों की जरूरतों को पूरा नहीं करता है |
   घ. उरोक्त में कोई नहीं |

4. बाज़ार का जादू किस पर अधिक असर करता है ?
   क. जिनका मन खाली होता है |
   ख. जिनका मन भरा रहता है |
   ग. जिनके जेब में पैसे होते है |
   घ. जिनके जेब में पैसे नहीं होते है |

5. बाज़ार का आकर्षण ग्राहकों को कौन? सी चीजें खरीदने के लिए ललचाता है-
   क. जरुरत की चीजें
   ख. अपनी पसंद की चीजें
   ग. अच्छी चीजें
   घ. व्यर्थ की चीजें

उत्तर संकेत 1-क, 2-ग, 3-ख, 4-क, 5-घ

पाठ – तीन – काले मेघा पानी दे – पठित गद्यांश) संख्या एक - अंक (5

निम्नलिखित गद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों का चयन किजिये –

लेकिनइस बार मैंने साफ़ इनकार कर दिया भर कर पानी इस -नहीं फेंकना है मुझे बाल्टी भर | तब भी मैं , जब जीजी बाल्टी भर कर पानी ले गई उनके बूढ़े पाँव काँप रहे थे | मंडली पर-गन्दी मेंढक मठरी खाने को दिए दिए तो मैनें उन्हें ह-शाम को उन्होंने लड्डू | अलग मुहं फुलाए खड़ा रहा◌ाथ से अलग खिसका दिया लेकिन ज्यादा देर ता , पहले वे भी तमतमाई |जीजी से बोला भी नहीं ,कर बैठ गयामुहं फेर | ”,पास आकर मेरा सर अपनी गोद में लेकर बोली | उनसे गुस्सा नहीं रहा गयादेख भैया रूठ मत मेरी बात | हम इन्हें पानी नहीं दें | यह सब अंधविश्वास नहीं है | सुनगे तो भगवान हमें पानी कैसे देंगे ”?

1. लेखक ने मेंढक? पर पानी फेंकने से इनकार क्यों कर दिया ”मंडली-
   (क) मेंढक मंडली को पसंद नहीं करने के कारण-
   (ख) इसे अंधविश्वास मानने के कारण
   (ग) पानी के महत्व को समझने के कारण
   (घ) पानी की बर्बादी मानने के कारण

2. जीजी की मदद करने के लिए लेखक आगे क्यों नहीं आया ?
   (क) विचारों में असहमति के कारण
   (ख) नारजगी के कारण
   (ग) बाल्टी भारी होने के कारण
   (घ) तार्किक होने के कारण

3. डगमागते पैरों और कांपते हाथों से भी जी पानी क्यों फेंकने को तत्पर थी ?
   (क) पानी फेंकना अनिवार्य होने के कारण
   (ख) लेखक के मना करने के कारण
   (ग) परंपरा में विश्वास होने के कारण
   (घ) रुढ़िवादी हने के कारण

4. -“ मुहं फेरकर बैठ गया“वाक्य में ? क्या है ”मुहँ फेरना“
   (क) मुहावरा
   लोकोक्ति (ख)
   पदबंध (ग)
   पद (घ)

5. जीजी लेखक से ज्यादा देर तक गुस्सा क्यों नहीं रह पाई ?
   (क) लेखक के भूखे रहने के कारण
   (ख) लेखक से काम होने के कारण
   (ग) लेखक को नासमझ मानने के कारण
   (घ) लेखक से स्नेह होने के कारण

उत्तर संकेत 1-ख, 2-क, 3-ग, 4-क, 5-घ

पाठ – तीन – काले मेघा पानी दें – पठित गद्यांश) संख्या दो - अंक (5

निम्नलिखित गद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों का चयन किजिये –

हम आज देश के लिए करते क्या ,कैसे सन्दर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं-कभी कैसे -कभी निशाँ नहीं है-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम-मांगें हर क्षेत्र में बड़ी ?हैंअपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य | हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है की | रह गया है काले मेघा दल के दल उमड़ते ?अपने स्टार पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे है ,पानी झमाझम बरसता है ,हैं पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है ? बैल पियासे के पियासे रह जाते है , ? अस्खिर कब बदलेगी यह स्थिति

1. लेखक केक मन को किस तरह की बातें कचोटती है ?
   (क) त्याग और कर्तव्य न कर स्वार्थ की बातें करना
   (ख) देश के लिए बलिदान करना
   (ग) देश की भलाई के लिए कार्य करना
   (घ) अपने कर्तव्य का पालन करना

2. गगरी तथा बैल के उल्लेख से लेखक क्या कहना चाहता है ?
   (क) देश के संसाधनों का भरपूर उपयोग हो रहा है
   (ख) देश में अपार संसाधन पर जनता की जरूरतें पूरी नहीं हो रही है
   (ग) गगरी भर नहीं पा रही है बैल प्यासे रह जाते हैं
   (घ) देश में सबको सुविधाएँ मिल रही है

3. भ्रष्टाचार की चर्चा करते समय क्या आवश्यक हैं ?
   (क) हमें अपना कार्य करते रहना हैं
   (ख) हमें अपने भलाई की बात सोचना है
   (ग) हम स्वयं उसमें लिप्त तो नहीं हैं
   (घ) हम भ्रष्टाचार से दूर रहें

4. ?" स्थिति कब बदलेगी यह स्थिति "आपके विचार से यह स्थिति कब बदल सकती हैं ?
   (क) हमारी अपनी भलाई करते रहने से
   (ख) हमारे मन में विचार कर लेने से
   (ग) सबको रोजगार मिल जाने से
   (घ) लोगों के स्वार्थ और भ्रष्टाचार से दूरी बना लेने से

5. देश से भ्रष्टाचार कैसे समाप्त हो सकता है ?
   (क) सबको रोजगार मिल जाने पर
   (ख) देश से गरीबी मिट जाने पर
   (ग) समाज और सरकार में दृढ़इच्छा शक्ति जागृत हो जाने पर
   (घ) अन्डों करने पर

उत्तर संकेत 1-क, 2-ख, 3-ग, 4-घ, 5-ग

पाठ – तीन – काले मेघा पानी दें – पठित गद्यांश) संख्या तीन - अंक (5

निम्नलिखित गद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों का चयन किजिये –

बस एक बात मेरे समझ में नहीं आती |पानी की आशा पर जैसा सारा जीवन आकर टिक गया है थी कि जब चरों ओर पानी की इतनी कमी है तो लोग घर में इतनी कठिनाई से इकठ्ठा करके रखा हुआ पानी बाल्टी भरदेश की कितनी क्षति होती |कैसी निर्मम बर्बादी है पानी की |भर कर इन् पर क्यों फेंकते हैं- अगर इंद्र महाराज से ये पानी दिलवा ? कौन कहता है इन्हें इंद्र की सेना | है इस तरह के अंधविश्वास से ,क्यों मोहल्ले भर का पानी नष्ट करवाते घुमाते है ? सकते हैं तो खुद अपने लिए पानी क्यों नहीं मांग लेते ऐसे ही अंधविश्वासों केकारण हम अंग्रेजों से पिछड़ गए गए और |अंधविश्वास है | नहीं यह सब पाखण्ड है | गुलाम बन गए

1. लेखक को कौन? सी बात समझ नहीं आती थी-
   - क. इन्दर सेना पर एक| एक घड़ा पानी उंडेलकर पानी को नष्ट करना-
   - ख. लोग पानी को इकठ्ठा करके क्यों रखते है ?
   - ग. गर्मी अधिक क्यों पड रही है ?
   - घ. अधिक वर्षा क्यों नहीं हो रही है ?

2. लेखक पानी को निर्मम बर्बादी किसे मानता था ?
   - क. पानी इकठ्ठा करना
   - ख. अधिक वर्षा होना
   - ग. ज्यादा से ज्यादा लोगो को पानी देना
   - घ. उपरोक्त में से कोई नहीं |

3. लेखक के अनुसार देश को क्षति किससे होती है?
   - क. पानी की बर्बादी से
   - ख. मेंढक मंडली पर पानी डालने से
   - ग. अंधविश्वासों में विश्वास करने से
   - घ. उपरोक्त सभी से

4. गद्यांश में किस पर छोट किया गया है ?
   - क. मेंढक मंडली पर
   - ख. जीजी पर
   - ग. अंधविश्वासों पर
   - घ. बाल्टी भर पानि पर

5. किस कारणों से हम अंग्रेजों के गुलाम बन गए ?
   - क. मेंढक मण्डली के कारण
   - ख. पानी की बर्बादी के कारण
   - ग. पानी को इकठ्ठा करने के कारण
   - घ. अंधविश्वासों के कारण

उत्तर संकेत 1-क, 2-घ, 3-घ, 4-ग, 5-घ

पहलवान की ढोलक

प्रश्न 1.निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प दीजिए।

जाड़े का दिन। अमावस्या की रात-ठंडी और काली। मलेरिया और हैजे से पीड़ित गाँव भयार्त शिशु की तरह थर-थर काँप रहा था। पुरानी और उजड़ी बॉस-फूस की झोपड़ियों में अंधकार और सन्नाटे का सम्मिलित साम्राज्य अँधेरा और निस्तब्धता !

(क) लेखक किस तरह के मौसम का वर्णन कर रहा है।

i. ठंडी का मौसम ii. गर्मी का मौसम iii. बारिश का मौस iv. कुछ नहीं

(ख) गाँव किससे पीड़ित है?

i. मलेरिया और हैजे से ii. ज्वर से iii. लखवा से iv अपाचन से

(ग) गाँव किसके समान काँप रहा है।

i. बूढ़े आदमी की तरह ii. पत्ते की तरह

iii. डरा हुआ आदमी की तरह iv. डरा हुआ शिशु की तरह

(घ) गद्यांश के आधार पर गाँव की आर्थिक दशा-

i. सुसम्पन्न ii. समृद्ध iii. दरिद्र iv. समतुल एवं समृद्ध

(ङ) 'अमावस्या' का विपरीतार्थक शब्द –

i. अनवस्या ii. पूर्णिमा iii. उजाला iv.चाँदीनी

प्रश्न 2.

अँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी। निस्तब्धता करुण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी। आकाश में तारे चमक रहे थे। पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं। आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी। अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे।

सियारों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज़ कभी-कभी निस्तब्धता को अवश्य भंग कर देती थी । गाँव की झोंपड़ियों से कराहने और कै करने की आवाज़, 'हरे राम! हे भगवान!' की टेर अवश्य सुनाई पड़ती थी । बच्चे भी कभी-कभी निर्बल कंठों से 'माँ-माँ पुकार कर रो पड़ते थे । पर इससे रात्री की निस्तधता में वशेष बाधा नहीं पड़ती थी।

(क) गाँव में ऐसा क्या हो गया था कि आँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रहीं थीं?

i. हैजा व मलेरिया का प्रकोप ii. पहलवान की ढोलक की भीषण धुन

iii. लोगों की नींद iv. ग्रामीण वातावरण

(ख) 'निस्तब्धता' इसे कहते हैं –

i.निश्शब्द होने को ii. मौन या गतिहीनता को

iii.उपलब्द न होना iv. ढोलक की आवाज को

(ग) रात के इस वर्णन के माध्यम से लेखक ने यह किया ।

i. कहानी में वातावरण निर्माण ii.धरती और आसमान का रूप वर्णन किया

iii. i&iiदोनों सही iv. i&ii दोनों गलत

(घ) किन का क्रंदन सुनाई दे रहा था ?

i.बिल्लियों का ii. पेचकों का iii. कुत्तों का iv. सियारों का

(ङ) 'इससे रात्री की निस्तधता में वशेष बाधा नहीं पड़ती थी' अर्थ के आधार पर वाक्य का प्रकार

i.विधिवाचक वाक्य ii. निषेधवाचक वाक्य iii. प्रश्नवाचक वाक्य iv.मिश्र वाक्य

प्रश्न 3 –

लुट्टन के माता पिता उसे नौ वर्ष की उम्र में ही अनाथ बनाकर चल बसे थे। सौभाग्यवश शादी हो चुकी थीं, वरना वह भी माँ बाप का अनुसरण करता। विधवा सास ने पाल-पोसकर बड़ा किया। बचपन में वह गाय चराना, धारोष्ण दूध पीता और कसरत किया करता था। गाँव के लोग उसकी सास को तरह-तरह की तकलीफ़ दिया करते थे, लुट्टन के सिर पर कसरत की धुन लोगों से बदला लेने के लिए ही सवार हुई। नियमित कसरत ने किशोरावस्था में ही उसके सीने और बाँहों को सुडौल तथा मांसल बना दिया था । जवानी में कदम रखते ही वह गाँव में सबसे अच्छा पहलवान समझा जाने लगा। लोग उससे डरने लगे और वह दोनों हाथों को दोनों ओर 45 डिग्री की दूरी पर फैलाकर, पहलवान की भाँति चलाने लगा। वह कुश्ती भी लड़ता था।

(क) लुट्टन कौन था?

कथन i. बचपन में ही माँ-बाप को खोया एक बालक था ।

कथन ii. दरबारी संगीत कलाकार

i.कथन एक सही ii. कथन दो सही iii. कथन एक और दो सही iv. दोनों कथन गलत

(ख) नौ वर्ष की उम्र में विवाह हो जाना लुट्टन का सौभाग्य क्यों था कि

i. वह अनाथ होने से बच गया ii. जल्दी बाप बन गया

iii. एक अच्छा पहलवान बन गया iv. एक अच्छा कलाकार बन गया

(ग) धारोष्ण दूध से क्या तात्पर्य है?

i. गाय का दूध ii. गरम दूध iii. गाय का गरम दूध iv. धार का गरम दूध

(घ) कसरत करके पहलवान बनने की इच्छा उसके मन में क्यों पैदा हुई थी?

i. सास से बदला लेने केलिए ii. गाँव वालों से बदला लेने केलिए

iii. सास के विरोधियों से बदला लेने केलिए iv. अपना स्वास्थ्य को बढ़ाने केलिए

(ङ) 'सौभाग्यवश' शब्द का विपरीतार्थक शब्द -

i. भाग्यवश ii. विभाग्यवश iii. दुर्भाग्यवश iv. भाग्यहीनता

शिरीष के फूल

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के के उचित विकल्प उत्तर चुनें।5 x1=5

जहाँ बैठ के यह लेख लिख रहा हूँ उसके आगे-पीछे, दायें-बायें, शिरीष के अनेक पेड़ हैं। जेठ की जलती धूप में, जबकि धरित्री निर्धूम अग्निकुंड बनी हुई थी, शिरीष नीचे से ऊपर तक फूलों से लद गया था। कम फूल इस प्रकार की गरमी में फुल सकने की हिम्मत करते हैं। कर्णिकार और आरग्वध (अमलतास) की बात मैं भूल नहीं रहा हूँ। वे भी आस-पास बहुत हैं। लेकिन शिरीष के साथ आरग्यध की तुलना नहीं की जा सकती। वह पंद्रह-बीस दिन के लिए फूलता है, वसंत ऋतु के पलाश की भाँति। कबीरदास को इस तरह पंद्रह दिन के लिए लहक उठना पसंद नहीं था। यह भी क्या कि दस दिन फूले और फिर खखंड-के-खखंड-- 'दिन दस फूला फूलिक, खखंड भया पलास!' ऐसे दुमदारों से तो लंडूरे भले। फूल है शिरीष। वसंत के आगमन के साथ लहक उठता है, आषाढ़ तक जो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है। मन रम गया तो भरे भादों में भी निर्घात फूलता रहता है।

प्रश्न 1,

लेखक कहाँ बैठकर लिख रहा होगा? वहाँ कैसा वातावरण रहा होगा ?

i. किसी उपवन में, अत्यन्त गरमी   ii. किसी महल में, बहुत ठन्डी

iii.कबीर के घर में, तेज बरीश   iv.कुछ नहीं

2. लेखक शिरीष के फूल की यह विशेषता बताता हैं?

i.इस फूल का रङ्ग   ii.इस फूल का आकर

iii.इस फूल के सदा विकसित रहना   iv. इस फूल का सुगंध

3. कबीरदास को कौन-से फूल पसंद नहीं थे ?

i.शिरीष के फूल   ii.पलाश, कर्णिकार और आरग्वध

iii. गुलभ और चम्पा   iv.चमेली और जूही

4. शिरीष किस ऋतु में लहकता है?

i. वसन्त   ii. ग्रीष्म   iii. वर्षा   iv. किसी भी ऋतु

5. इस गद्यांश के पाठ तथा लेखक का नम -

i. ऋतु वसंत और कबीरदास   ii. सोनजूही के फ़ूल और सुमित्रनन्दन पन्त

iii. शिरीष के फूल और हजरी प्रसद द्विवेदी   iv शिरीष के फूल और जैनेन्द्र कुमर

प्रश्न 2:

कालिदास सौन्दर्य के बाह्य आवरण को भेदकर उसके भीतर तक पहुँच सकते थे, दुख हो कि सुख, वे अपना भाव-रस उस अनासक्त कृषीवल की भाँति खीचं लेते थे जो निर्दलित इक्षुदंड से रस निकाल लेता है। कालिदास महान थे, क्योंकि वे अनासक्त रह सके थे। कुछ इसी श्रेणी की अनासक्ति आधुनिक हिन्दी कवि सुमित्रानंदन पंत में है। कविवर रवीन्द्रनाथ में यह अनासक्ति थी|एक जगह उन्होंने लिखा- 'राजोद्यान का सिंहद्वार कितना ही अभ्रभेदी क्यों न हो, उसकी शिल्पकला कितनी ही सुंदर क्यों न हो, वह यह नहीं कहता कि हम में आकर ही सारा रास्ता समाप्त हो गया। असल गंतव्य स्थान उसे अतिक्रम करने के बाद ही है, यही बताना उसका कर्तव्य है।' फूल हो या पेड़, वह अपने-आप में समाप्त नहीं है। वह किसी अन्य वस्तु को दिखाने केलिए उठी हुई अँगुली का वह इशारा है।

(i) कालीदास की सौन्दर्य-दृष्टि कैसी थी?

(क) स्थूल और बाहरी (ख) सूक्ष्म और सम्पूर्ण

(ग) आसक्त और आडंबरो (घ) अतिक्रम और अभ्रभेदी

(ii) कौन-से गुण के कारण कालिदास, सुमित्रानंदन पंत और रवींद्र नाथ टैगोर कविताओं के साथ न्याय कर पाए?

(क) गंतव्यता (ख) निर्दलीयता ग) कृषीवलता (घ) तटस्तता

(iii) फूलों और पेड़ों से हमें जीवन की-------------- की प्रेरणा मिलती है--

(क) निरंतरता (ख) भावपूर्णता (ग) समापनता घ) अतिक्रमनता

(iv) निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों से कोई सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

कथन (A) : पुष्प या पेड़ अपने सौन्दर्य से यह बताते है कि यह सौन्दर्य अंतिम नहीं है ।

कारण (R) : भारतीय शिल्पकला विशेष रूप से प्रसिद्द है विभिन्न भारतीय किवयों ने इस बात की पुष्टि की है ।

(क) कथन (A) तथा कारण(R) दोनों सही है तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण(R) सही है।

(ग) कथन (A) तथा कारण(R) दोनों गलत है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण(R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(v) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

(I) कला की कोई सीमा नहीं होती।

(II) शिरीष के वृक्ष को कालजयी अवधूत के समान कहा गया है।

(III) कालिदास की समानता आधुनिक काल के किवयों के साथ दिखाई गई है।

उपरलिखित कथनों में से कौन-सा/ कौन-से सही है/हैं

(क) केवल I (ख) केवल III (ग) I और II (घ) I और III

प्रश्न 3 :

मन रम गया तो भरे भादों में भी निर्घात फूलता रहता है। जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है, एकमात्र शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार करता रहता है। यद्यपि कवियों की भाँति हर फूल-पत्ते को देखकर मुग्ध होने लायक हृदय विधाता ने नहीं दिया है, पर नितांत ठूँठ भी नहीं हूँ। शिरीष के पुष्प मेरे मानस में थोड़ा हिल्लोल जरूर पैदा करते हैं।

प्रश्न:

1, अवधूत किसे कहते हैं?

i. श्रेष्ट महाराज को ii. दरिद्र भिखारी को

iii. मोहमया छोडनेवले सन्यासी को iv. किसी देश के राजधूत को

2. शिरीष को कालजयी अवधूत क्यों कहा गया है?

i.सदा फ़ूले रहने का कारण ii. नितांत सूखे रहने का कारण

iii. लेखक के मन को लुभाने का कारण iv ऊंचे पेड होने की वजह से

3.'नितांत ठूँठ' से यहाँ क्या तात्पर्य है?

i. रसपूर्ण होना ii. रसहीन होना iii. ललसाना iv. टूट जाना

4.लेखक स्वयं को नितांत ठूँठ क्यों नहीं मानता?

i.प्रकृति-प्रेमी व भावुक मानने की वजह से ii. प्रकृति-प्रेमी व भावुक न मानने की वजह से

iii. प्रकृति से दूर होने की वजह से iv.कुछ नहीं

5 शिरीष जीवन की अजेयता का मंत्र कैसे प्रचारित करता रहता है?

i. जीवन के मूल मंत्र ii. वृक्ष प्रेमी बनने का मंत्र

iii. जीवन की आत्मीयता का मंत्र iv. जीवन की अजेयता का मंत्र

प्रश्न 4 :

शिरीष के फूल की कोमलता देखकर परवर्ती कवियों ने समझा कि उसका सब-कुछ कोमल है! यह भूल है। इसके फल इतने मजबूत होते हैं कि नए फूलों के निकल आने पर भी स्थान नहीं छोड़ते। जब तक नए फल-पत्ते मिलकर, धकियाकर उन्हें बाहर नहीं कर देते तब तक वे डटे रहते हैं। वसंत के आगमन के समय जब सारी वनस्थली पुष्प-पत्र से मर्मरित होती रहती है, शिरीष के पुराने फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते हैं। मुझे इनको देखकर उन नेताओं की बात याद आती है, जो किसी प्रकार ज़माने का रुख नहीं पहचानते और जब तक नई पौध के लोग उन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देते तब तक जमे रहते हैं।

प्रश्न

1. शिरीष के नए फल और पत्तों का पुराने फलों के प्रति व्यवहार संसार में इस रूप में देखने को मिलता है.

i. आज के नेता के व्यवहार ii. वैज्ञानिक रूप iii सांसरिक बन्धनों के रूप iv निरुप

2. किसे देखकर कवियों ने भूल की ?

i. शिरीष के फल की कोमलता देखकर ii. शिरीष के फूल की कोमलता देखकर

iii. शिरीष के पत्तों की कोमलता देखकर iv कुछ नहीं

3. शिरीष के फूलों और फलों के स्वभाव में क्या अंतर हैं?

i. फ़ूल कोमल और फल मजबूत ii. फूल मजबूत पर फल नहीं

iii. फूल और फल मजबूत iv. फूल और फल दोनों कोमल

4. शिरीष के फूलों और आधुनिक नेताओं के स्वभाव में लेखक को दिखाई पड़ता है ।

i. किसी प्रकर के परिवर्तन को न पहचान पाना ii. मौसमों के परिवर्तन से बदल जाना

iii. i. और ii दोनों सही iv. i & ii दोनों गलत

5. ‘मर्मरित’ तथा ‘कोमलता’ में प्रत्यय-

i.-‘रित तथा लता’ ii. –‘इत’ तथा ‘लता’ iii. –‘इत’ तथा -‘ता’ iv. –‘ता तथा –लता’

प्रश्न 5:

मैं सोचता हूँ कि पुराने की यह अधिकार-लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती? जरा और मृत्यु, ये दोनों ही जगत के अतिपरिचित और अतिप्रामाणिक सत्य है। तुलसीदास ने अफसोस के साथ इनकी सच्चाई पर मुहर लगाई थी- ‘धरा को प्रमान यही तुलसी, जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना!' मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते बाबा की झड़ना निश्चित है। सुनता कौन हैं? महाकालदेवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं। दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर

चल रहा है। मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहे तो कालदेवता की आँख बच जाएँगे। भोले हैं वे। हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की ओर मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो। जमे कि मरे!

प्रश्न:

1. जीवन का सत्य क्या हैं?

i. अधिकार-लिप्सा ii. प्राणकण iii. सर्वव्यापक कालाग्नि iv. जरा और मृत्यु

2. शिरीष के फूलों को देखकर लेखक क्या कहता हैं?

i. झड़ना निश्चित है ii. जीवन निश्चित है iii. संघर्ष अनिश्चित iv. कोई न्हीं

3, महाकाल से क्या मतलब है?

i. महान काल ii. महासर्प iii. यमराज iv. स्वर्णिमकाल

4. मुर्ख व्यक्ति क्या समझते हैं?

i.मृत्यु से बच जाएँगे ii. मृत्यु से बच न पाएंगे iii. एक जगह छिपे न रह सकते हैं iv. कोई नहीं

5. 'अतिप्रामाणिक' से प्रत्यय और उपसर्ग अलग कीजिए.

i. अ-प्रत्यय, अति-उपसर्ग ii. अति- उपसर्ग, इक- प्रत्यय

iii. उपसर्ग नहीं, इक-प्रत्यय iv. प्रत्यय व उपसर्ग दोनों नहीं ।

श्रम-विभाजन और जाति-प्रथा

डॉ० भीमराव अंबेडकर

निम्नलिखित गदयांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्प दीजिए -

प्रश्न 1:

यह विडंबना की ही बात है, कि इस युग में भी 'जातिवाद' के पोषकों की कमी नहीं है। इसके पोषक कई आधारों पर इसका समर्थन करते हैं। समर्थन का एक आधार यह कहा जाता है कि आधुनिक सभ्य समाज 'कार्य-कुशलता' के लिए श्रम-विभाजन को आवश्यक मानता है, और चूँकि जाति-प्रथा भी श्रम-विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए इसमें कोई बुराई नहीं है। इस तर्क के संबंध में पहली बात तो यही आपत्तिजनक है कि जाति-प्रथा श्रम-विभाजन के साथ-साथ श्रमिक-विभाजन का भी रूप लिए हुए है। श्रम विभाजन, निश्चय ही सभ्य समाज की आवश्यकता है, परंतु किसी भी सभ्य समाज में श्रम विभाजन की व्यवस्था श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वाभाविक विभाजन नहीं करती। भारत की जाती-प्रथा की एक और विशेषता यह है कि यह श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन ही नहीं करती बल्कि विभाजित विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊंच-नीच भी करार देती है, जो कि विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता है।

1-डॉ० भीमराव अंबेडकर जातिप्रथा को श्रम-विभाजन का ही रूप क्यों नहीं मानते हैं?

i. यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है ii. व्यक्ति की क्षमताओं की उपेक्षा की जाती है

iii. व्यक्ति के जन्म से पहले ही उसका पेशा निर्धारित कर दिया जाता है iv. तीनों सही।

2. इस युग में भी जातिवाद के पोशाकों की कमी नहीं होना कैसी बात कही गई है?

i. विडंबना की ii. खुशी की बात iii. शर्म की बात iv. आश्चर्य की बात

3. जातिवाद के समर्थक जाति प्रथा को क्या मानते हैं?

i. श्रम फल ii. श्रम विभाजन iii. श्रमिक विभाजन iv कार्य निष्पादन

4. इस गद्यांश के लेखक और पाठ के नाम –

i. फणीश्वर नाथ रेनू - श्रम शक्ति और जातिवाद ii. जैनेंद्र कुमार संवाद और जाति प्रथा

iii.विष्णु खरे श्रम विभाजन iv. डॉ बी आर अंबेडकर श्रम विभाजन और जाति प्रथा

5. निम्नलिखित में से अनमेल को पहचानिए

i. जाति प्रथा - श्रमिक विभाजन ii. जाति प्रथा वैयक्तिक रूचि के आधार पर

iii. जाति प्रथा- अस्वाभाविक विभाजन iv. जाति प्रथा -कुछ समर्थक भी है

प्रश्न 2

जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण ही नहीं करती बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है। भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्राय: आती है, क्योंकि उद्योग-धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो तो इसके लिए भूखों मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति-प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत हो। इस प्रकार पेशा-परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

1, जाति-प्रथा इसका पूर्वनिर्धारण करती हैं?

i. व्यक्ति का पेशा ii. व्यक्ति का गुण iii. व्यक्ति का रंग iv. व्यक्ति का व्यक्तित्व

2. आधुनिक युग में पेशा बदलने की जरूरत क्यों पड़ती है?

i. आधुनिक उद्योग दंदों की वजह से ii. कुछ लोगों की वजह से

iii.लोगों में ताकत कम् होने की वजह से iv. कोई कारण नहीं

3. पेशा बदलने की स्वतंत्रता न होने से यह परिणाम होता है।

i.बेरोजगारी से भूखे मरेंगे ii. धर्म बदलेंगे iii. आलसी बनेंगे iv कार्य कौशल बढ़ेगा

4. हिन्दू धर्म की क्या स्थिति है ?

i. हिंदू धर्म में जाति-प्रथा दूषित है ii. हिंदू धर्म में जाति-प्रथा नहीं है

iii. दोनों विकल्प सही iv दोनों विकल्प गलत

5. 'अकस्मात' शब्द का अर्थ -

i. अचानक ii. आकाश से मिला iii. आवश्यक होना iv. अनावश्यक

(ख) मेरी कल्पना का आदर्श समाज

प्रश्न 3 :

फिर मेरी दृष्टि में आदर्श समाज क्या है? ठीक है, यदि ऐसा पूछेंगे, तो मेरा उत्तर होगा कि मेरा आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा? क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह कि दूध-पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है।

1. लेखक ने इन विशेषताओं को आदर्श समाज की धुरी माना हैं-

i.स्वतंत्रता, समानता व भाईचारा ii.सत्य, अहिंसा व धर्म

iii. शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यसाय iv.परिवर्तन,भ्रातृता

2. 'भ्रातृता' का अर्थ -

i.भाईचारा ii. मित्रता iii. रिस्तेदारी iv. कुछ नहीं

3. 'अबाध संपर्क' से लेखक का क्या अभिप्राय है?

i. बिना बाधा के संपर्क ii. अभाग्यों से संपर्क iii. नसमझ संपर्क iv.कुछ नहीं

4. लोकतंत्र का वास्तविक स्वरूप किसे कहा गया है?

i. भाईचारा को ii. धर्म पालन को iii. अच्छा शासन को iv. अपनों की मदद को

5. गद्यांश के लेखक और पाठ का नाम

i. डॉ०भीमराव अंबेडकर और मेरी कल्पना का आदर्श समाज

ii. डॉ० धर्मवीर भारती और मेरी कल्पना का आदर्श समाज

iii. डॉ०भीमराव अंबेडकर और बाजार दर्शन

iv.तीनों विकल्प सही

प्रश्न 4 :

व्यक्ति विशेष के दृष्टिकोण से, असमान प्रयत्न के कारण, असमान व्यवहार को अनुचित नहीं कहा जा सकता। साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता का विकास करने का पूरा प्रोत्साहन देना सर्वथा उचित है। परंतु यदि मनुष्य प्रथम दो बातों में असमान है तो क्या इस आधार पर उनके साथ भिन्न व्यवहार उचित हैं? उत्तम व्यवहार के हक की प्रतियोगिता में वे लोग निश्चय ही बाजी मार ले जाएँगे, जिन्हें उत्तम कुल, शिक्षा, पारिवारिक ख्याति, पैतृक संपदा तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठा का लाभ प्राप्त है। इस प्रकार पूर्ण सुविधा संपन्नों को ही 'उत्तम व्यवहार' का हकदार माना जाना वास्तव में निष्पक्ष निर्णय नहीं कहा जा सकता। क्योंकि यह सुविधा-संपन्नों के पक्ष में निर्णय देना होगा। अतः न्याय का तकाजा यह है कि जहाँ हम तीसरे (प्रयास की असमानता, जो मनुष्यों के अपने वश की बात है) आधार पर मनुष्यों के साथ असमान व्यवहार को उचित ठहराते हैं, वहाँ प्रथम दो आधारों (जो मनुष्य के अपने वश की बातें नहीं हैं, पर उनके साथ असमान व्यवहार नितांत अनुचित है। और हमें ऐसे व्यक्तियों के साथ यथासंभव समान व्यवहार करना चाहिए। दूसरे शब्दों में, समाज को यदि अपने सदस्यों से अधिकतम उपयोगिता प्राप्त करनी है, तो यह तो संभव है, जब समाज के सदस्यों को आरंभ से ही समान अवसर एवं समान व्यवहार उपलब्ध कराए जाएँ।

प्रश्नः

1. लेखक किस असमान व्यवहार को अनुचित नहीं मानता?

i.व्यक्ति विशेष के दृष्टिकोण से असमान प्रयत्न ii. असमान व्यवहार

iii. विशेष के दृष्टिकोण से समान प्रयत्न iv. विशेष के दृष्टिकोण से विशेष प्रयत्न

2. लेखक किस बात को निष्पक्ष निर्णय नहीं मानता?

i. उच्च वर्ग को उत्तम व्यवहार का हकदार नहीं माना जाना ii. निम्न वर्ग को उत्तम व्यवहार का हकदार माना जाना

iii.किसी वर्ग को उत्तम व्यवहार का हकदार न माना जाना iv.उच्च वर्ग को उत्तम व्यवहार का हकदार माना जाना

3. न्याय का तकाजा क्या हैं?

i.व्यक्ति के साथ बिना भेद भाव समान व्यवहार करना ii.व्यक्ति के वंश के आधार पर व्यवहार करना

iii. .व्यक्ति के होदे के आधार पर व्यवहार करना iv.किसी से निराधार रहना

4. समाज अपने सदस्यों से अधिकतम उपयोगिता कैसे प्राप्त कर सकता हैं?

i. समाज के सदस्यों को शुरू से असमान अवसर व असमान व्यवहार मिलने पर

ii.समाज के सदस्यों को शुरू से समान अवसर व समान व्यवहार मिलने पर

iii. कुछ लोगों को शुरू से समान अवसर व समान व्यवहार मिलने पर

iv. कोई सही नहीं

5. इस गद्यांश किससे लिया गाया है -

i.डॉ. आंबेडकर का भाषण 'एनीहीलेशन ऑफ कास्ट'

ii. महात्मा गांधीजी का 'मै एक्सपरिमेंट विद ड्रुथ से'

iii. हजारी परसाद द्विवेदी का कल्पलता से

iv. तीनों सही

सही उत्तर विकल्प

पहलवान की ढोलक

प्रश्न 1.	क) i	ख) i	ग) iv	घ) iii	ङ) ii
प्रश्न 2.	क)	ख)	ग)	घ)	ङ)
प्रश्न 3	क) i	ख) i	ग) iv	घ) iii	ङ) iii

शिरीष के फूल

प्रश्न I.	1) i	2) iii	3) ii	4) iv	5) iii
प्रश्न II.	i) क	ii) ख	iii) क	iv) ख	v) ग
प्रश्न III.	1) iii	2) i	3) ii	4) i	5) iv
प्रश्न IV.	1) i	2) ii	3) i	4) i	5) iii
प्रश्न V.	1) iv	2) i	3) iii	4) i	5) ii

श्रम विभाजन और जाति-प्रथा

प्रश्न -1.	1) iv	2) i	3) ii	4) iv	5) ii
प्रश्न -2	1) i	2) i	3) i	4) i	5) i
प्रश्न -3	1) i	2) i	3) i	4) i	5) i
प्रश्न-4	1) i	2) ii	3) i	4) ii	5) i

<u>**सिल्वर वेडिंग**</u>

.1. **सिल्वर वेडिंग कहानी की मूल संवेदना क्या है ?**

क)पीढ़ियों का अंतराल

ख)सामाजिक बदलाव

ग)भाई बहन का रिश्ता

घ)आधुनिकीकरण

2. **यशोधर बाबू किसे अपना आदर्श मानते थे ?**

क) किशन दा को

ख) चड्ढा को

ग) खुद को

घ) किसी को नहीं

3. **कहानी सिल्वर वेडिंग में किशन दा की मृत्यु के संदर्भ में "जो हुआ होगा" से कहानीकार का क्या मतलब हैं ?**

क)उन्हेँ परवाह नहीँ है

ख)लेखक को किशन दा की मृत्यु का कारण नहीं पता था।

ग)सम्वेदनहीनता का उदाहरण

घ)सामाजिक बदलाव

4. **यशोधर बाबू कहां के रहने वाले थे ?**

क)उत्तराखंड के कुमाऊँ मण्डल के अल्मोड़ा जिले के

ख) उत्तराखंड के कुमाऊँ मण्डल के नैनीताल जिले के

ग) दिल्ली के

घ)मुम्बई के

5. **यशोधर बाबू के बड़े लड़के का क्या नाम है -?**

क) भूषण

ख)चरण

ग)सुधाकर

घ)करण

6. **यशोधर बाबू की बेटी शादी क्यों नहीं करना चाहती थी ?**

क)क्योंकि वह शादी के खिलाफ़ थी

ख)वह आज़ाद खयालो की थी

ग) क्योंकि वह डाक्टरी की पढाई के लिए अमेरिका जाना चाहती थी।

घ)उसे पुरूषोँ से नाराज़गी थी

7. **सिल्वर वेडिंग में ऊनी ड्रेसिंग गाउन उपहार लेते समय यशोधर बाबू को बेटे की कौन सी बात चुभ गई ?**

क) उपहार उन्हे अच्छा नहीं लगा।

ख) ऊनी ड्रेसिंग गाउन को पहनकर दूध लाने की बात

ग) बेटे द्वारा पिताजी के फटे गाउन की बात कहकर नया गाउन पहनकर दूध लाने का निर्देश

घ) यशोधर बाबू को बेटे की कौन सी बात नहीं चुभी

8. **यशोधर बाबू कैसी जिंदगी जीना चाहते थे ?**

क)सादगी भरी

ख)दिखावे से भरा

ग) उन्हे जीवन से कोई रूचि नहीं थी

घ)ऐशो आराम भरी

9. **किशन दा का पूरा नाम क्या था ?**

क) कृष्णानंद पांडे

ख) वाई डी पंत

ग) कृष्णानंद तिवारी

घ) कृष्णानंद पंत

10. **किशनदा , यशोधर बाबू को अपना कौन सा पुत्र मानते थे ?**

क) प्रिय पुत्र

ख)मानस पुत्र

ग) कुपुत्र

घ) सुपुत्र

11. **ऑफिस से छुट्टी होने पर यशोधर बाबू कहां जाते थे ?**

क) बिडला मंदिर

ख) दिल्ली हाट

ग) चौरंगी

घ)कनाट प्लेस

12. **यशोधर बाबू की किससे तकरार होती रहती थी ?**

क) बाज़ार के लोगो से

ख) अधिकारी से

ग)उनका कोई शत्रु नहीं था

घ) पत्नी और बच्चों से

13. **अपने बच्चों के साथ पंत का व्यवहार कैसा था ?**

क)अलगाव भरा

ख) मित्रवत

ग) अच्छा सम्बंध था

घ) वे एक दूसरे से बात नहीं करते थे

14. **मां की मृत्यु के पश्चात यशोधर पंत किसके पास रहे ?**

क) होस्टल में

ख) अपनी बुआ के पास

ग) किशन दा के पास

घ)घर में ही

15. **यशोधर पंत की सिल्वर वेडिंग का प्रबंध किसने किया ?**

क)भूषण ने

ख)गिरिश ने

ग) पंत जी की पत्नी ने

घ)उनकी बटी ने

16. **(कथन)यशोधर बाबू के साथ उनके बच्चो के बीच की मानसिक दूरी थी।**

(कारण) यशोधर बाबू के साथ उनके बच्चो के बीच की मानसिक दूरी की वजह पीढी के अंतराल को माना जा सकता है।

क)कथन सही है,परंतु कारण सही नहीं है।

ख)कथन का सही कारण नहीं है

ग)कथन और कारण दोनों सही

घ) कथन और कारण दोनों गलत है

17. **यशोधर बाबू किन वाक्यों को बार -बार दोहराते हैं -?**

क) "समहाऊ इम्प्रोपर"

ख) "जो हुआ होगा"।

ग) दोनो ही

घ)कोई भी नहीं

18. **यशोधर बाबू अपने जीजाजी का हाल - चाल पूछने के लिए कहां जाना चाहते थे ?**

क)अहमदाबाद

ख) बरोदा

ग)दिल्ली

घ) नैनीताल

19. **"सिल्वर वैडिंग" की कहानी दो पीढ़ियों (पुरानी पीढ़ी व नई पीढ़ी) के बीच के अंतराल व वैचारिक मतभेदों को दर्शाती है।**

क)सही

ख)सही नहीं है

ग) केवल वैचारिक मतभेद पर ही कहानी आश्रित है

घ) पंत जी के जीवन में किशन दा की उपस्थिति ही समस्या का मूल कारण है।

20. **यशोधर बाबू का परिवार किस संस्कृति में ढलने में सफल रहा ?**

क)पाश्चात्य संस्कृति

ख)प्राच्य

ग) भारतीय

घ) परम्परिक

21. **अपने बच्चो की उपलब्धि पर पंत जी का रवैया या विचार सकारत्मक नहीं था,परंतु उनके द्‌वारा लाई गई वस्तुओ का प्रदर्शन वह अत्यंत गर्व से करते थे। यह पंत जी के कौन सी चारित्रिक विशेषता को दर्शाता है?**

क)द्‌वंदात्मक चरित्र

ख)ईर्ष्यापूर्ण चरित्र

ग)दिखावापसंद

घ) अहंकारी

22. **यशोधर बाबू के अनुसार पाश्चात्य विचारधारा ,संस्कारों और मर्यादाओं को समाप्त कर देती है। क्या उनका परिवार भी इस विचार से सहमत था।**

क) उनका पूरा परिवार तथा मित्र भी इस बात से सहमत थे

ख) उनका पूरा परिवार इस बात से सहमत नहीं था

ग) कथन (क)और ख दोनो सही है

घ) केवल (क) सही विकल्प है

23. **"मूर्ख लोग घर बनाते हैं और सयाने लोग उसमें रहते हैं"। यह कथन किसका है?**

क) पंत जी की पत्नी का

ख) किशन दा का

ग) पंत जी का

घ) पंत जी के परिवार का

24.**दफ्तर से निकलकर घर पहुँचने में पंत जी को इतना समय क्यों लगता था?**

क) वे बाज़ार जाते थे

ख)वे बाज़ार से सामान लेकर घर पहुँचते ताकि सवेरे काम आ सके

ग) वे देर तक बाहर रहना चाहते थे ताकि घर के तनावपूर्ण माहौल से दूर रहे

घ) मंदिर जाना अच्छा लगता था

25. **“सिल्वर वेडिंग” पाठ में पंत जी का कौन सा व्यवहार किशन दा के आदर्शो से प्रभावित था। सही विकल्प पहचानिए**

i)अपने अधीनस्यों से दूरी बनाए रखना।

ii)कर्यालय में तय समय से अधिक बैठना।

iii)अधीनस्यों रने हिन-भर शुष्क व्यवहार करना, परंतु शाम को चलते समय उनरनै थोड़ा हास–परिहास करना।

क) I,ii,iiiकथन सही है

ख) i ,ii कथन सही है

ग)i,iiiकथन सही है

घ) iiiकथन सही है

<u>उत्तर संकेत</u>

(1 क 2. क 3. ख 4 क .5 क 6 ग .7 ग 8 क 9.क .10 ख 11. क 12.घ 13.क 14.ख 15.क 16.ग 17.क 18.क 19.क 20.क 21.क 22.ख 23.ख 24.ग 25 क)

<u>जूझ</u>

1.**जूझ कहानी के नायक की चरित्र की विशेषताएं क्या हैं -**

क) संघर्षशील

ख) जुझारूपन

ग) परिश्रमी और कविता के प्रति लगाव

घ) उपरोक्त सभी

2.**लेखक आनंद यादव के पिता ने उनकी पढ़ाई कब छुड़वा दी -**

क)जब वो पांचवी में पढ़ते थे

ख) जब वो आँठवी में पढ़ते थे

ग) जब वो दसवी में पढ़ते थे

घ) जब वो नहीं पढ़ते थे

3.**लेखक अपने दादा यानि पिता के सामने बोलने की हिम्मत क्यों नहीं करते थे - कारण:- i)क्योंकि उसके दादा गुस्सैल व हिंसक स्वभाव के व्यक्ति थे।**

ii) वे अत्यंत शांत स्वभाव के व्यक्ति थे

विकल्प:-

क)i सही उत्तर है

ख)i और ii दोनो सही है

ग)i और ii दोनो गलत है

घ) ii सही है

4.**पढ़ाई के लिए पिता को राजी करने का दबाव डालने के लिए लेखक अपनी मां के साथ किसके पास गया ?**

क) दत्ताजी राव के पास

ख) रत्नप्पा के पास

ग) अध्यापक के पास

घ) कवि के पास

5. **लेखक का दादा (पिता) जल्दी कोल्हू क्यों चलवाता था**

कारण:- i) वह अपने गुड से अच्छी कमाई करना चाहता था या अधिक पैसे कमाने के लिए

ii) उसे मेहनत करना अच्छा लगता था।

विकल्प:-

क)i सही उत्तर है

ख)i और ii दोनो सही है

ग)i और ii दोनो गलत है

घ)ii सही है

6. **दादा ने दत्ताजी राव सरकार के सामने लेखक पर क्या आरोप लगाए ?**

क) सिनेमा देखने जाना

ख)घर व खेती के कार्य में मन न लगाना

ग) व्यर्थ यहां - वहां घूमना।

घ)उपरोक्त सभी सही

7. **"आने दे अब उसे , मैं उसे सुनाता हूं कि नहीं , अच्छी तरह देख"। यह कथन किसने किससे कहा था ?**

क)रत्नप्पा ने वसंत से

ख)दत्ताजी राव ने लेखक की माता से कहा

ग)मास्टर सौंद्लगेकर ने मंत्री से

घ) रत्नप्पा ने दत्ताजी से

8. **आनंदा की कक्षा में शरारत किस कारण कम होने लगी -**

क) सभी उससे डरने लगे थे

ख) गणित के अध्यापक द्वारा शरारती बच्चों की पिटाई किए जाने के बाद।

ग) दोनो विकल्प सही

घ)वसंत ने कक्षा में सभी को बचा लिया था।

9.**बसंत पाटिल की नकल करने से लेखक को क्या लाभ पहुंचा**

क) वो गणित विषय में प्रवीण हो गए

ख) कक्षा में मॉनिटर जैसा सम्मान मिला

ग)अध्यापक की नजरों में एक अच्छे छात्र की जगह बनी।

घ)सभी विकल्प सही है

10. **जूझ कहानी के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया ?**

क) अब उन्हें अकेलापन अच्छा लगने लगा या अकेलेपन से बोरियत खत्म हो गई।

ख) उसकी रूचि पढाई में बढने लगी

ग)अकेला रहना उसे कभी अचछा नही लगता था

घ) कोई विकल्प सही नहीं है।

11. **स्वय कविता रच लेने का आत्मविश्वास लखक के मन में कैस पैदा हुआ**

i) सौंदलगेकर जी कक्षा में सस्वर कविता-पाठ करते थे

ii) सौंदलगेकर ने उसे अन्य कवियों के बारे में बताया

iii) सौंदलगेकर जी छात्रो को मारकर कविता पाठ सिखाते थे

iv) सौंदलगेकर जी लय, छद, गति-यति, आरोह-अवरोह आदि का ज्ञान कराते थे।

क) i सही उत्तर है

ख) i और iii दोनो सही है

ग) i और ii दोनो गलत है

घ) i, ii, iv सही है

12. **पढ़ाई के लिए पिता को राजी करने का दबाव डालने के लिए लेखक अपनी मां के साथ दत्ताजी राव के पास गया| क्योंकि आनंदा को पता था कि दत्ताजी की बात पिताजी मान जाएंगे। कारण**

क) उसके पिताजी दत्ताजी राव की बात कभी नहीं टालेंगे ,कारण वह उनकी इज़्ज़त करते थे ।

ख) उसके पिताजी दत्ताजी राव की बात कभी नहीं टालेंगे ,कारण पिता ने दत्ता जी से कर्ज़ा लिया था

ग) उसके पिताजी दत्ताजी राव की बात कभी नहीं टालेंगे ,कारण वे उनके भाई थे।

घ) उसके पिताजी दत्ताजी राव की बात कभी नहीं टालेंगे ,कारण वे उंसे डरते थे।

13. **जूझ कहानी के नायक की चरित्र की विशेषताएं हैं -**

क) संघर्षशील

ख) जुझारूपन

ग) कविता के प्रति लगाव

घ) उपर्युक्त सभी

14. **शर्त के अनुसार पाठशाला जाने से पहले लेखक को सवेरे कितने बजे तक खेत में काम करना होता था**

क) 1 बजे तक

ख) 11 बजे तक

ग) 2 बजे तक

घ) 3 बजे तक

15. **जूझ कहानी के शीर्षक का अर्थ क्या हैं ?**

क)हताश होना

ख)संघर्ष करना / जूझारुपन

ग) वीर होना

घ) डरपोक होना

16. **पाठशाला जाने की बात लेखक ने सबसे पहले किससे की ?**

क) गणित के अध्यापक से

ख) वसंत से

ग) पिता से

घ) अपनी माँ से

17 **लेखक को अकेलेपन में आनंद क्यों आने लगा - क्योंकि**

क) अकेले में वो अपनी कविताओं को लिख सकते थे

ख) वे कविता रचने के बाद उसे खुलकर गा सकते थे और उनमें अभिनय भी कर सकते थे।

ग) दोनो कारण सही है

घ) केवल (क) विकल्प सही है

18. **(कथन)जूझ कहानी के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में बदलाव आया ।**

(कारण)अब उन्हें अकेलापन अच्छा लगने लगा या अकेलेपन से बोरियत खत्म हो गई।

क)कथन सही है,परंतु कारण सही नहीं है।

ख)कथन का सही कारण नहीं है

ग)कथन और कारण दोनों सही

घ) कथन और कारण दोनों गलत है

19.**लेखक को गणित पढ़ाने वाले मास्टर का क्या नाम था?**

क) रतनप्पा

ख) दत्ता जी राव

ग) सौंद्लगेकर

घ) मंत्री

20 **मराठी भाषा की कविताओं के अलावा सौंदलगेकर को किस भाषा की कविताएं कंठस्थ याद थी ?**

क) तेलुगु

ख) हिंदी

ग) गुजराती

घ) उर्दू

21 **जूझ कहानी किस शैली में लिखी गई हैं ?**

क) यात्रा वृतांत

ख) निबंध

ग) आत्मकथात्मक शैली या आत्मकथात्मक उपन्यास

घ) कविता

22.लेखक की माँ के अनुसार उसका पति दिनभर किसके पास रहता है?

क) बाला बाई
ख) रखमाबाई
ग) लखमा बाई
घ)मुन्नी बाई

23. लेखक ने बचपन में किस प्रकार कविता की रचना की?

क) भैसो की पीठ पर
ख ढोर कराते हुए
ग पत्थर की शिला पर कंकड स
घ उपर्युक्त सभ

24. **लेखक ने दुबारा कौन सी कक्षा में दाखिला लिया -**

क) पहली कक्षा में
ख) पांचवी कक्षा में
ग) सातवी कक्षा में
घ) दसवी कक्षा में

25 **लेखक के पिता का क्या नाम था ?**

क) रत्नाप्पा
ख) कारण्णा
ग) सुबाकी
घ) आनंदा

उत्तर संकेत

1. घ) उपरोक्त सभी
2. क) जब वो पांचवी में पढ़ते थे
3. क)i सही उत्तर है
4. क) दत्ताजी राव के पास
5. क)i सही उत्तर है
6. घ) उपरोक्त सभी सही
7. ख) दत्ताजी राव ने लेखक की माता से कहा
8. ख) गणित के अध्यापक द्वारा शरारती बच्चों की पिटाई किए जाने के बाद।
9. घ) सभी विकल्प सही है
10. क) अब उन्हें अकेलापन अच्छा लगने लगा या अकेलेपन से बोरियत खत्म हो गई।
11. घ) i, ii, iv सही है
12 क) उसके पिताजी दत्ताजी राव की बात कभी नहीं टालेंगे ,कारण वह उनकी इज़्ज़त करते थे ।
13. घ) उपर्युक्त सभी

14. ख) 11 बजे तक
15 ख) संघर्ष करना / जूझारुपन
16 घ) अपनी माँ से
17 ग) दोनो कारण सही है
18. ग) कथन और कारण दोनों सही
19. घ) मंत्री
20 ग) गुजराती
21 **ग)** आत्मकथात्मक शैली या आत्मकथात्मक उपन्यास
22. ख) रखमाबाई
23. घ) उपर्युक्त सभी
24. ख) पांचवी कक्षा में
25 **क)** रत्नाप्पा

<u>अतीत में दबे पांव</u>

1.**अतीत में दबे पांव" नामक पाठ के लेखक कौन है**

क) ओम थानवी
ख) ओम राउत
ग) ओम सारस्वत
घ) ओम थान

2.**अतीत में दबे पांव" पाठ की विधा क्या हैं**

क) संस्मरण
ख) उपन्यास
ग) काव्य संग्रह
घ)एक यात्रा वृत्तांत और रिपोर्ताज

3.**अतीत में दबे पांव" नामक पाठ में किस सभ्यता का वर्णन हैं ?**

क) माया सभ्यता
ख)मुअनजो -दड़ो (सिंधुकालीन)
ग) पल्लवा
घ)झेलम

4.**वर्तमान में यह पुरातात्विक स्थल कहां है ?**

क) पाकिस्तान के सिंध प्रांत में
ख) पाकिस्तान के कराची में
ग) दिल्ली में
घ)हरियाणा में

5.**मोहनजोदड़ो किस नदी के तट पर स्थित हैं-**

क) सिंधु नदी
ख)झेलम नदी
ग)सतलुज नदी
घ)कोसी नदी

6.**मुअनजो -दड़ो किस काल के शहरों में सबसे बड़ा शहर है -**

क) लौहकालीन

ख)ताम्रकालीन

ग)प्रस्तरयुग

घ)कलियुग

7.**मुअनजो -दड़ो का अर्थ क्या है ?**

i) मृतकों या मुर्दों का टीला

ii) जल संस्कृति

क) केवल i)

ख) i और ii

ग) दोनो गलत है

घ) दोनो सही है

8..**सिंधु नदी के पानी से बचने के लिए जमीन की सतह को किस तरह ऊपर उठाया गया था**

क)कच्ची - पक्की ईंटों की चिनाई से (टीलों के रूप में)

ख)पत्थर से

ग) सिंधू नदी से प्राप्त मिट्टी से

घ) पेड से

9.**मेसोपोटेमिया के अभिलेखों में प्रयोग शब्द संभवत किसके लिए प्रयोग "मेलुहा" होता होगा**

क) हडप्पा के लिए

ख)सिंधू घाटी के लिए

ग)पूर्व पाकिस्तान के लिए

घ) मोहनजोदड़ो के लिए

10.**कोठार किसके काम आता होगा?**

क) सुरक्षा के लिए

ख) धन जमा करने के लिए

ग) अनाज जमा करने के लिए

घ) पानी जमा करने के लिए

11.**दाढ़ी वाली मूर्ति का नाम क्या रखा गया है?**

क) मुख्य नरेश

ख) धर्म नरेश

ग) याजक नरेश

घ) गौण नरेश

12. **मुअनजो-दड़ो हड़प्पा से प्राप्त हुई नर्तकी की मूर्ति किस राष्ट्रीय संग्रहालय में रखी हुई है?**

क) इस्लामाबाद संग्रहालय में

ख) लाहौर संग्रहालय में

ग) दिल्ली संग्रहालय में

घ) लंदन संग्रहालय में

14. **मुअनजो-दड़ो की गलियों तथा घरों को देखकर लेखक को किस प्रदेश का ख्याल आया?**

क) हरियाणा

ख) पंजाब

ग) उत्तर प्रदेश

घ) राजस्थान

15. **मुअनजो-दड़ो के घरों में टहलते हुए लेखक को किस गाँव की याद आई?**

क) शुभधरा

ख) बुलधरा

ग) कुलघड़ा

घ) कुलधरा

16. **मुअनजो-दड़ो की खुदाई में निकली पंजीकृत चीज़ों की संख्या कितनी थी?**

क) 50 हजार से अधिक

ख) 20 हजार से अधिक

ग) 30 हजार से अधिक

घ) 60 हजार से अधिक

17**. अजायबघर में तैनात व्यक्ति का नाम क्या था?**

क) नवाज़ खान

ख) मोहम्मद खान

ग) अली नवाज़

घ) अली बख्तावर

18**. सिंधु सभ्यता की खूबी क्या है?**

क) सौंदर्य-बोध

ख) . संस्कृति-बोध

ग) सभ्यता-बोध

घ) नागर-बोध

19**. लेखक ने सिंधु सभ्यता के सौंदर्य-बोध को क्या नाम दिया है?**

क) राज-पोषित

ख) धर्म-पोषित

ग) व्यापार-पोषित

घ) समाज-पोषित

20. **मुअनजो-दड़ो अपने काल में किसका केंद्र रहा होगा?**

क) धर्म का

ख) व्यापार का

ग) राजनीति का

घ) . सभ्यता का

21. **भग्न इमारत में कितने खंभे हैं?**

क) 40 खंभे

ख) 30 खंभे

ग) 15 खंभे

घ) 20 खंभे

22. **'डीके' हलका किसके नाम पर रखा गया है?**

क) दयाकाशीनाथ के

ख) दीक्षितकाशीनाथ के

ग) धर्मकाशीनाथ के

घ) दयालुकाशीनाथ के

23.**सिंधु घाटी सभ्यता में कौन से फल उगाए जाते थे ?**

i)खजूर

ii) अंगूर

क) केवल i

ख) केवल ii

ग) i औरii

घ) i और ii कोई नहीं

24.**मोहनजोदड़ो के सबसे ऊंचे चबूतरे में क्या विद्‌यमान हैं ?**

क) बौद्‌ध स्तूप

ख) स्नानघर

ग) मंदिर

घ) कलाघर

25.**स्तूप से महाकुंड की ओर जाने वाले रास्ते का नाम क्या रखा गया है ?**

क महानगर

ख डिविनिटी स्ट्रीट यानि देव मार्ग

ग नगर मार्ग

घ सिंधुमार्ग

उत्तर संकेत

1. क) ओम थानवी
2. घ) एक यात्रा वृत्तांत और रिपोर्ताज
3. ख) मुअनजो -दड़ो (सिंधुकालीन)
4. क) पाकिस्तान के सिंध प्रांत में
5. क) सिंधु नदी
6. ख) ताम्रकालीन
7 क) केवल i)
8 क) कच्ची - पक्की ईंटों की चिनाई से (टीलों के रूप में)
9. घ) मोहनजोदड़ो के लिए
10. ग) अनाज जमा करने के लिए
11 ग) याजक नरेश
12. ग) दिल्ली संग्रहालय में
14. घ) राजस्थान
15. घ) कुलधरा
16. क) 50 हजार से अधिक
17. ग) अली नवाज़
18. घ) नागर-बोध
19. घ) समाज-पोषित
20. घ) . सभ्यता का
21. घ) 20 खंभे
22. ख) दीक्षितकाशीनाथ के
23.ग) i औरii
24. क) बौद्ध स्तूप
25. ख(डिविनिटी स्ट्रीट यानि देव मार्ग

सिल्वर वैडिंग

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-

प्रश्न 1-सिल्वर वैडिंग कहानी के विषय में सत्य कथन है?

(अ) यह कहानी एक आदर्शवादी व्यक्ति की है जो स्वयं को बदलते परिवेश में ढालने में सक्षम नहीं है।

(ब) कहानी में परिवार के अन्य सदस्य संवेदनशील हैं वे यशोधर बाबू के प्रति सहानुभूति रखते हैं।

(स)यशोधर बाबू के अलग थलग पड़ जाने में उनके परिवार का कोई योगदान नहीं है।

(द)किशन दा यशोधर बाबू का भला चाहते थे, उन्होंने उन्हें हमेशा अच्छी राह दिखाई।

क. केवल अ

ख. अ और ब

ग. अ, ब, स तीनों

घ. अ और द

प्रश्न 2.सिल्वर वेडिंग कहानी की मूल संवेदना है→

क. आधुनिकता की चकाचौंध

ख. परायापन

ग. पीढ़ी अंतराल

घ. संस्कारों की उपेक्षा

प्रश्न 3- कथन :अपनी सिल्वर वैडिंग पर यशोधर बाबू ऊनी गाउन पाकर खुश नहीं हैं।

कारण :उन्होंने अपने पुत्र से इतने सस्ते उपहार की आशा नहीं की थी।

क. दोनों सही

ख. दोनों ग़लत

ग. कथन सही कारण ग़लत

घ. कथन ग़लत कारण सही

प्रश्न 4- यशोधर बाबू अपने परिवार के लोगों से क्या अपेक्षा रखते हैं?

अ. उन्हें समाज का सम्मानित बुजुर्ग समझा जाए

ब.बच्चे उनके कहे हुए को पत्थर की लकीर समझें।

स.कोई भी फ़ैसला लेते समय उनकी भी सहमति ली जाए

द. कोई भी उनसे सलाह मशविरा करके उनकी शांति में ख़लल न डाले।

क. अ और ब

ख. ब और स

ग. स और द

घ. स और अ

प्रश्न 5- भरे पूरे परिवार में यशोधर बाबू स्वयं को अकेला पाते हैं क्योंकि →

क. उनके मन में पुराने संस्कार घर कर चुके हैं

ख. वे धार्मिक प्रवृत्ति के हैं

ग. वे प्राचीन दायरे से बाहर नहीं निकल पाए

घ. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 6-अपने सिल्वर वेडिंग के दिन यशोधर बहुत देर तक संध्या पूजन करते रहे । वे ऐसा क्यों कर रहे थे?

क. यह उनका नित्य का नियम था।

ख. उन्हें रंग में भंग डालने में आनंद आता था।

ग. वे चाहते थे कि मेहमान चले जाएँ और उन्हें उनसे भेंट न करनी पड़े।

घ. वे अपने सुखद वैवाहिक जीवन के लिए विशेष प्रार्थना कर रहे थे।

प्रश्न 7-'सिल्वर वैडिंग' पाठ में 'जो हुआ होगा' वाक्य का अर्थ है-

क)पाश्चात्य विचारधारा के संदर्भ में (ख) परिवार की संरचना के संदर्भ में

(ग)किशनदा की मृत्यु के संदर्भ में (घ) यशोधर बाबू की नियुक्ति के संदर्भ में

प्रश्न 8- किशन दा के रिटायर होने पर यशोधर बाबू उनकी सहायता नहीं कर पाए थे क्योंकि -

क) यशोधर बाबू की पत्नी किशनदा से नाराज़ थीं।

ख) क्योंकि यशोधर बाबू के घर में किशन दा के लिए स्थान का अभाव था ।

ग) यशोधर बाबू का अपना परिवार था जिसे वे नाराज़ नहीं करना चाहते थे

घ) किशन दा को यशोधर बाबू ने अपने घर में स्थान देना चाहा था जिसे किशन दा ने स्वीकार नहीं किया ।

प्रश्न 9- कहानी 'सिल्वर वेडिंग' के अनुसार -" यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं।" यशोधर बाबू की असफलता का क्या कारण था? सही विकल्प का चयन कीजिए -

क) किशनदा उन्हें भड़काते थे ख)पत्नी बच्चों से अधिक प्रेम करती थी

ख) पीढ़ी के अंतराल के कारण घ)वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे

प्रश्न 10- ऑफिस से निकलकर यशोधर बाबू कहाँ चले जाते थे?

क) क्वार्टर में ख) बिरला मंदिर ग) गोल मार्किट घ) पहाड़ी पर

प्रश्न11- यशोधर बाबू गोल मार्किट में ही क्यों रहना चाहते थे ?

क) क्योंकि वहाँ से उनकी यादें जुड़ी हुई थीं

ख) क्योंकि वे बच्चों को सामाजिक बनाना चाहते थे ।

ग) क्योंकि उन्हें पैसा बचाना था।

घ) क्योंकि उनका घर सुंदर था।

प्रश्न 12-यशोधर बाबू अपने जीवन में किससे प्रभावित थे ?

क) कृष्णानंद पांडे ख)कृष्णानंद वर्मा ग)कृष्णानंद शर्मा घ)कृष्णानाद गुप्ता

प्रश्न 13- माँ की मृत्यु के बाद यशोधर बाबू किसके पास रहे ?

क) विधवा बुआ के पास ख)विधवा चाची के पास

ग) विधवा मामी के पास घ)विधवा मौसी के पास

प्रश्न 14- यशोधर बाबू को ऐसा कब लगा कि किशनदा उनके अंगों में उतर आए हैं?

क) जब उनकी पत्नी ने उन्हें उपहार में ऊनी गाउन दिया।

ख) जब उनकी पुत्री ने उन्हें उपहार में रेशमी गाउन दिया

ग) जब उनके पुत्र ने उन्हें उपहार में ऊनी गाउन दिया।

घ) जब उनके अधीनस्थ (मेनन और चड्ढा) ने उपहार में उन्हें ऊनी शाल दिया

प्रश्न 15- सिल्वर वैडिंग का आयोजन क्यों हुआ था?

क) यशोधर बाबू की शादी के पचास साल पूरे होने के उपलक्ष्य में

ख) यशोधर बाबू की शादी के पच्चीस साल पूरे होने के उपलक्ष्य में

ग) यशोधर बाबू की शादी के तीस साल पूरे होने के उपलक्ष्य में

घ) यशोधर बाबू की शादी के पचहत्तर साल पूरे होने के उपलक्ष्य में

प्रश्न 16-बिखरे परिवार के प्रति यशोधर बाबू के लगाव को बच्चे किस दृष्टि से मूर्खतापूर्ण मानते हैं?

क) सामाजिक दृष्टि से ख) सांस्कृतिक दृष्टि से

ग) राजनैतिक दृष्टि से घ) आर्थिक दृष्टि से

प्रश्न 17- अपने बच्चों की तरक्की से खुश होने के बाद भी यशोधर बाबू को कौन-सी बात खटकती है?

क) अच्छा खाना खाना ख) पैदल दफ्तर जाना

ग) गरीब रिश्तेदारों की उपेक्षा घ) बिरला मंदिर जाना

प्रश्न 18-यशोधर पंत को अपने बड़े बेटे की प्रतिभा किस स्टार की लगती है?

क) निम्न स्तर की ख साधारण स्तर की(ग उच्च स्तर की(घ मध्यम स्तर की(

प्रश्न 19- ऑफिस में यशोधर बाबू की शादी की बात कैसे हुई ?

क) ऑफिस से जल्दी जाने पर ख) ऑफिस में लेट आने पर

ग) घड़ी के बारे में चर्चा करने पर घ) समय पर काम खत्म करने पर

प्रश्न 20- निम्न लिखित कथन और कारण को ध्यान पूर्वक पढिए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन (A) : यशोधर बाबू अपनी पत्नी के विद्रोह का मज़ाक ''बूढ़ी मुँह मुहाँसे,लोग करे,लोग करें तमाशे, चटाई का लहँगा,शानयल बुढ़िया,आदि'' कहकर उड़ते थे ।

कारण :उनके यह सब कहने के बाद भी वह आधुनिक जीवन मूल्यों को अपना चुकी थी ।

क) कथन (A) तथा कारण (R)दोनों सही हैं तथा कारण,कथन की सही व्याख्या करता है।

ख) कथन(A) गलत है ,लेकिन कारण (R)सही है।

ग) कथन (A) तथा कारण ® दोनों गलत हैं।

घ) कथन (A) सही है,लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है ।

प्रश्न 21-सिल्वर वैडिंग कहानी में घटी निम्नलिखित घटनाओं का सही क्रम क्या है?

अ. यशोधर पंत के घर पर उनकी सिल्वर वैडिंग की पार्टी का आयोजन किया गया।

ब. चड्ढा ने यशोधर बाबू से पार्टी माँगी।

स. यशोधर बाबू को अपने जीजा जनार्दन जोशी की याद आ गयी।

द. वे प्रवचन सुनने बिड़ला मंदिर गए

क. अ,ब,स,द

ख. अ,द,स,ब

ग. ब,द,स,अ

घ. ब,स,द,अ

प्रश्न 22-सिल्वर वैडिंग के पात्र हैं →

क. यशोधर पंत, चड्ढा, मेनन, भूषण,गिरीश

ख. यशोधर पंत,महेश्वर ,टिटी, अशोक

ग. यशोधर पंत, मेनन,भूषण, अशोक

घ. यशोधर पंत, राधिका, चड्ढा,किशन

प्रश्न 23- कथन: यशोधर बाबू को अपनी सिल्वर वैडिंग की पार्टी समहाउ इंप्रापर नहीं लगी।

कारण:उन्हें इस बात का संतोष था कि जितना खर्च उनके विवाह में नहीं हुआ उससे कहीं अधिक उनकी सिल्वर वैडिंग पर हो रहा था।

क. कथन और कारण दोनों सही

ख. कथन और कारण दोनों ग़लत

ग. कथन सही कारण ग़लत

घ. कथन ग़लत कारण सही

प्रश्न 24- जब यशोधर बाबू के बच्चे अपने गरीब रिश्तेदारों की उपेक्षा करते हैं। तब यशोधर बाबू की प्रतिक्रिया क्या होती है ?

क. वे बनावटी गुस्सा दिखाते हैं पर मन ही मन खुश भी होते हैं क्योंकि रिश्तेदारों नें उनके साथ भी कोई अच्छा व्यवहार नहीं किया था।

ख. वे बच्चों पर बहुत क्रोधित होते हैं और ऐसा करने पर घर से निकाल देने की नसीहत देते हैं।

ग. वे उन्हें बड़े प्यार से समझाते हैं ।

घ. यह बात उन्हें अच्छी तो नहीं लगती पर जैनरेशन गैप को दोष देकर अपने मन को तसल्ली दे लेते हैं।

प्रश्न 25- किशनदा सुबह सैर से लौटते हुए अपने मानस-पुत्र यशोधर जी को उनके क्वार्टर में झाँककर क्या कहना न भूलते ?

(क) फार फ्राम द मैडिंग क्राउड

ख) हैल्दी - वैल्दी एंड वाइज

ग) समहाउ इम्प्रोपर

घ) मिनिट टू मिनिट करेक्ट

जूझ-आनंद यादव

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-

1- 'जूझ' पाठ में लेखक पढ़ाई क्यों करना चाहता था?

(क) वह व्यापार कर सके ।

(ख) पढ़ लिख कर उसे नौकरी मिल जाए और चार पैसे हाथ में रहें ।

(ग) वह वैज्ञानिक बन सके।

(घ) उसे राजनेता बनने का शौक था।

2-लेखक जब अपनी कविता दिखाने 'सौंदलगेकर मास्टर' के पास जाता तो, वह उसे क्या समझाते ?

(1) मास्टर उसे अपनी कविता सुनाकर कहते कि ऐसे कविता लिखो।

(2) मास्टर उसे अगले दिन आने के लिए कह देते।

(3) मास्टर उसे भाषा, छंद, अलंकार, लय, शुद्ध लेखन के बारे में लेखक को समझाते।

(4) अगली दिन कक्षा में बताने का अश्वासन देते।

3- 'जूझ' पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया?

(1) अकेलापन उपयोगी है। (2) अकेलापन डरावना है।

(3) अकेलापन कष्ट देता है। (4) अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है।

4- गाँव के अन्य किसान 'ईख' को ज्यादा दिन खेतों में क्यों रखते थे ?

(1) गुड़ का दाम बढ जाता है। (2) गुड़ ज्यादा निकलता है।

(3) मजदूर आसानी से मिल जाते है। (4) कटाई करना आसान हो जाता है।

5- आनंदा और उसकी माँ ने दत्ताजी राव के पास जाने की योजना क्यों बनाई ?

(1) ताकि दत्ताजी राव उसका लगान माफ कर दे।

(2) ताकि दत्ताजी राव उसकी कुछ आर्थिक सहायता कर दे।

(3) ताकि दत्ताजी राव लेखक को पाठशाला भेजने के लिए दादा को समझाकर राजी कर सके।

(4) उपरोक्त सभी ।

6- लेखक का विश्वास विद्यालय में पुनः क्यों बढ़ने लगा ?

(1) विद्यालय में पुरस्कार मिलने के कारण ।

(2) मंत्री अध्यापक से वाह-वाही मिलने के कारण ।

(3) अध्यापकों के अपनेपन और वसंत पाटिल से दोस्ती के कारण।

(4) कक्षा का मानिटर बनाए जाने के कारण।

7- 'जूझ' कहानी के माध्यम से किसके संघर्ष को अभिव्यक्ति प्रदान की गई है?

(1) खेतिहर मजदूरों के संघर्ष।

(2) आनंदा के जीवन का संघर्ष ।

(3) गरीब माँ का संघर्ष ।

(4) अध्यापक के जीवन का संघर्ष ।

8- 'जूझ' कहानी में आनंदा के उच्च स्तरीय कवि बनने तक का सफर किस बात का प्रमाण है?

(1) उसके परिश्रम एवं लगन का।

(2) केवल अपने मन की बात करने का।

(3) अध्यापक के सहायता की।

(4) पढ़ाई के साथ-साथ खेती करने की।

9- आनंदा और उसकी माँ ने दत्ताजी राव को किस बात के लिए सचेत कर दिया था?

(1) दादा को खेती के काम करने का लिए विवश करे ।

(2) दादा का बाहर घूमना बंद कर दिया जाए।

(3) आनंदा को खेती में काम ना करने दिया जाए।

(4) उन दोनों के उनके पास आने की बात दादा को न बताएं।

10- "आने दे अब उसे, मैं उसे सुनाता हूँ कि नहीं अच्छी तरह देख।" यह कथन किसने व किससे कहा?

(1) दत्ताजी राव ने लेखक के पिता से ।

(2) दत्ताजी राव ने लेखक की माता से ।

(3) लेखक के पिता ने लेखक से।

(4) मंत्री मास्टर ने वसंत पाटिल से ।

11-दादा ने दत्ता जी राव के सामने आनंद को विद्यालय से निकालने का क्या कारण बताया?

(1) आंनद चौथी कक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया था।

(2) आनंद को पढ़ाने के लिए पैसे नहीं है।

(3) आनंद को चोरी करने, सिनेमा देखने और खेती के काम से जी चुराने की आदत पड़ गई थी।

(4) घर और खेती के काम-काज के कारण।

12- 'जूझ' कहानी में लेखक के पिता ने उसे विद्यालय भेजने के लिए क्या शर्त रखी?

(1) पाठशाला जाने से पहले ग्यारह बजे तक खेत में काम करना होगा।

(2) अगर किसी दिन खेत में ज्यादा काम होगा तो उसे पाछशाला नहीं जाना होगा।

(3) छुट्टी के बाद घर में बस्ता रखकर सीधे खेत पर आकर घंटा भर ढोर चराना होगा।

(4) उपरोक्त सभी।

13- जूझ कहानी में लेखक किसकी प्रेरणा से कवि बना

(1) गणित के अध्यापक मंत्री की प्रेरणा से ।

(2) मराठी के अध्यापक सौंदलगेकर की प्रेरणा से।

(3) वसंत पाटिल की प्रेरणा से।

(4) दत्ताजी राव की प्रेरणा से।

14- खेत में काम करते हुए अगर लेखक के पास 'कागज और पेंसिल' न होता तो वह क्या करता?

(1) वह कविता अपने हथेली पर लिखता ।

(2) वह उस दिन उदास हो जाता और कुछ नहीं लिखता ।

(3) वह लकड़ी के छोटे टुकड़े से भैस की पीठ पर रेखा खींच कर लिखता या किसी शिला पर कंकड़ से।

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

15- जूझ कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

(1) खेती-बाड़ी में कोई भविष्य नहीं होता।

(2) अच्छे कार्य के लिए झूठ बोलना गलत नहीं है।

(3) सहपाठी तो हँसी-मजाक करते है। उनसे दोस्ती बनाकर रखनी चाहिए।

(4) जीवन में कितनी तकलीफें क्यों न आयें, हमें हमेंशा जुझारू रहना चाहिए।

16- **कविता के प्रति रुचि जगाने में किसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है ? "जूझ " कहानी के आधार पर सटीक विकल्प का चयन कीजिए।**

(क) अनन्दा की।

(ख) दत्ता राव की।

(ग) मा० सौंदलगेकर की।

(घ) पाटिल की।

17- **"जूझ "कहानी में कौनसी बात आपको सर्वाधिक प्रेरक लगती है?सही विकल्प का चयन कीजिए।**

(क) पाटिल का जुझारूपन

(ख) दत्ता का जुझारूपन

(ग) आनन्दा का जुझारूपन।

(घ) माता का जुझारूपन।

18- **स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक में कैसे पैदा हुआ ?**

(क) मास्टर सौंदलगेकर की कविता पढ़ने के ढंग से

(ख) मराठी कविताओं को पढ़ने के कारण

(ग) छंद, गति, लय आदि को जान लेने के बाद

(घ) कविता में रूची होने के कारण।

19- दादा ने दत्ता जी राव के सामने आनंद को विद्यालय से निकालने का क्या कारण बताया?

(क) आनंद चौथी कक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया था।

(ख) आनंद को चोरी करने,सिनेमा देखने और खेती के काम से जी चुराने की आदत पड़ गई है।

(ग) आनंद को पढ़ाने के लिए पैसे नहीं हैं ।

(घ) उपरोक्त सभी ।

20- जूझ पाठ का शीर्षक उपयुक्त है क्योंकि --

(क) पाठ में मुख्य नायक (लेखक) के संघर्ष से जूझने की प्रवृत्ति के कारण ।

(ख) लेखक पढ़ता रहता था ।

(ग) लेखक खेती के काम में संघर्ष करता था ।

(घ) लेखक की माता के संघर्ष से जूझने की प्रवृत्ति के कारण ।

21-मंत्री गणित के अध्यापक के बारे में कौन सी बातें असत्य है ?

(क) वह उधम करने वाले बच्चों की पिटाई कर देते थे ।

(ख) वह पढ़ाई करने वाले लड़कों को शाबाशी देते ।

(ग) बच्चे 'मंत्री' गणित के अध्यापक के डर से पढ़कर आते ।

(घ) मंत्री अध्यापक बच्चों को रोज दो कविताएं सुनाते थे ।

22-मराठी अध्यापक के अध्यापन के विषय में क्या असत्य है ?

(क) वे कविता को सुरीले गले ,छंद की बढ़िया चाल, रसिकता के साथ पढ़ाते थे ।

(ख) वे अभिनय के साथ कविता का भाव ग्रहण कराते ।

(ग) वे प्रसिद्ध कवियों के संस्मरण भी सुनाते ।

(घ) कविता सुनाते समय अगर कोई बच्चा बोल दे तो उसकी पिटाई कर देते ।

23- 'जूझ' कहानी में आनंदा के उच्चस्तरीय कवि बनने तक का सफर किस बात का प्रमाण है ?

क . उसके परिश्रम एवं लगन का

ख . पिता की बात को महत्व ना देने का

ग . झूठ बोल कर पढ़ाई करने का

घ . केवल अपने मन की करने का

24-'जूझ' कहानी के नायक द्वारा पढ़ाई के साथ-साथ खेती का काम करने का क्या प्रभाव पड़ा ?

(क)उसकी पढ़ाई के प्रति रुचि कम हो गई ।

(ख)उसका मन निराशा और खीझ से भर गया।

(ग)वह अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रहा।

(घ)प्रतिकूल परिस्थितियों ने उसके दृढ़ निश्चय को तोड़ दिया

25- **नीचे एक कथन और उसके दो कारण दिए गए।दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए ।**

कथन– आनंद का विश्वास विद्यालय में पुनः बढ़ने लगा

कारण - (1) मंत्री अध्यापक से वाह वाही मिलने के कारण

(2) अध्यापकों के अपनेपन और वसंत पाटिल से दोस्ती के कारण

(क) कारण 1 सही है ।

(ख) कारण 2 सही है ।

(ग) कारण दोनों सही है ।

(ग) कारण दोनों गलत है ।

उत्तरमाला

सिल्वर वैडिंग

1-घ	2-ग	3-ख	4-घ	5-ग	6-ग	7-ग	8-ग	9-घ	10-ख
11-क	12-क	13-क	14-ग	15-ख	16-घ	17-ग	18-ख	19-ग	20-क
21-ग	22-क	23-घ	24-घ	25-ख					

जूझ आनंद यादव

1-ख	2-ग	3-क	4-ख	5-ग	6-ग	7-ख	8-क	9-घ	10-ख
11-ग	12-घ	13-ख	14-ग	15-घ	16-ग	17-ग	18-क	19-ख	20-घ
21-ग	22-घ	23-क	24-ग	25-ग					